राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

www.youtube.com/@TarunmitraGroup

पटना
वर्ष: 24 अंक 59
सोमवार 23 जून, 2025

तापमान
अधिकतम 32°C
न्यूनतम 27°C

मूल्य 3 रुपए | पृष्ठ-08 | बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र से प्रकाशित | www.tarunmitra.in

बिहार ने जो विकास किया है वह किसी से छुपा नहीं है : सम्राट चौधरी

पटना, 22 जून। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री बीते दिन सीवान में आए और करोड़ों की योजना जनता को समर्पित करने का काम किया। जिसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल बड़ा ऐलान किया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन 400 से 1100 कर अपने आप में बड़ा फैसला किया है। बिहार ने विकास के क्षेत्र में जो प्रगति की है, वह किसी से छुपी नहीं है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल एक बड़ा ऐलान करते हुए बिहार में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में सुधार किया है। जनता और महिला संवाद के माध्यम से लिए गए फीडबैक के आधार पर वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन और विधवा पेंशन को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दिया गया है। यह राशि बढ़ोतरी समाज के कमजोर वर्गों के लिए राहत देने वाली साबित होगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि इसके अलावा, कन्या विवाह भवन की योजना को भी प्रदेश के सभी पंचायतों में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसके लिए हरी झंडी दिखा दी है। इन भवनों को स्वयं सहायता समूह और जीविका महिला दल द्वारा संचालित किया जाएगा, जिससे कन्याओं के विवाह में सामाजिक एवं आर्थिक सहायता मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार ने मां सीता की जन्मस्थली पर श्री सीता मंदिर का निर्माण करेगी, जो राम मंदिर के तर्ज पर होगा। यह धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बिहार के लिए एक बड़ा ऐतिहासिक कदम होगा, जो तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

इरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिका का हमला

इजराइल पर ईरान का वार, ईरान का पलटवार | पलटवार करने पर और बड़े हमले : ट्रंप

तेल अवीव, 22 जून। इजरायल और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव में अमेरिका की एंट्री से स्थिति और बिगड़ती दिख रही है। ईरान के परमाणु संयंत्रों पर शनिवार रात अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने पलटवार करते हुए तेल अवीव और हाइफा जैसे इजरायल के दस ठिकानों को निशाना बनाया। जिसमें कम-से-कम 86 लोग घायल हुए। ईरानी हमलों को देखते हुए इजरायली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इजरायल के एयरस्पेस को पूरी तरह से बंद कर दिया है।

रविवार सुबह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर पर अप्रत्याशित हमले के बारे में दुनिया को बताया। ट्रंप ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि फोर्दो, नतांज और इस्फहान समेत ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमलों को अंजाम दिया गया और सभी अमेरिकी विमान अब ईरान के वायु क्षेत्र से बाहर हैं। ईरान के परमाणु संयंत्रों पर अमेरिका का यह हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ।

तबाही

- ताकत के माध्यम से शांति : नेतन्याहू
- ईरान के पास सभी विकल्प खुले : विदेश मंत्री अरागची अमेरिका की एंट्री से इजरायल और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव की स्थिति और बिगड़ी

जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस सैन्य अभियान को लेकर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान को अब शांति स्थापित करनी चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो भविष्य में हमले कहीं अधिक बड़े होंगे। जिसके बाद इजराइल ने अमेरिका की खुली सराहना की। दी टाइम्स आफ इजराइल के मुताबिक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार सुबह ईरानी परमाणु

प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'ताकत के माध्यम से शांति' लाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि श्राष्ट्रपति ट्रंप और मैं अक्सर कहते हैं कि ताकत के माध्यम से शांति। पहले ताकत आती है, फिर शांति आती है। आज रात, राष्ट्रपति ट्रंप और संयुक्त राज्य अमेरिका ने बहुत ताकत के साथ काम किया। ईरान ने अपने तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले की निंदा करते हुए इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि अमेरिका ने ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और एनपीटी का गंभीर उल्लंघन किया है।

मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से टेलीफोन पर बातचीत की

नयी दिल्ली, 22 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान इजरायल संघर्ष में अमेरिका के हमले के बाद रविवार की दोपहर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से टेलीफोन पर बात की और संघर्ष के बढ़ने पर चिंता जताने के साथ ही सभी पक्षों से संवाद एवं कूटनीति से समाधान खोजे जाने पर बल दिया । मोदी ने एक्स पर पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से बात की। हमने वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की। हाल की वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा, क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को शीघ्र बहाल करने के लिए तत्काल तनाव कम करने, संवाद एवं कूटनीति के हमारे आह्वान को दोहराया।

संक्षिप्त समाचार

आतंकियों को पनाह देने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

श्रीनगर, 22 जून। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पहलगाम हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। एजेंसी की तरफ से रविवार को बताया गया कि बटकोट के परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के हिल पार्क के बशीर अहमद जोथर ने हमले में शामिल तीन सशस्त्र आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है। उन्होंने यह भी पुष्टि की है कि हमलावर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक थे।

मणिपुर में उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल, 22 जून। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद विरोधी अभियान तेज कर दिए हैं। इस कार्रवाई में एक उग्रवादी की गिरफ्तारी हुई है और भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और संचार उपकरण जब्त किए गए हैं। इम्फाल वेस्ट जिले के मायंग इम्फाल थाना मामांग थोंखोंग क्षेत्र से प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के एक कैडर यांगलेम सदानंद सिंह (26) को गिरफ्तार किया गया।

उत्तराखंड में ट्राले से टकराई कार, हरियाणा के चार की मौत

देहरादून, 22 जून। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर की ओर से देहरादून आ रही एक कार रविवार तड़के थाना क्लेमेंटाउन के अंतर्गत आशारोड़ी के पास सीमेंट से भरे ट्राले से टकरा गई। इस दुर्घटना में हरियाणा निवासी 04 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। पुलिस के अनुसार घटना करीब तीन बजे की है।

गृहमंत्री क्षेत्रीय मध्य परिषद की बैठक में होंगे शामिल

वाराणसी, 22 जून। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार की शाम वाराणसी पहुंचेंगे। अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान वे क्षेत्रीय मध्य परिषद की 25वीं बैठक में भाग लेंगे। गृहमंत्री के आगमन पर भारतीय जनता पार्टी की काशी, जिला और महानगर इकाइयों ने भव्य स्वागत की पूरी तैयारी कर ली है। भाजपा द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर 11 स्वागत प्वाइंट बनाए गए हैं। यहां कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के सदस्य ढोल-नगाड़ों, शंखनाद और पुष्पवर्षा के साथ गृहमंत्री का स्वागत करेंगे।

ट्रैक्टर ने डंपर को मारी टक्कर, पांच की मौत

- मंदिर से पूजा करने ट्रैक्टर से लौट रहे थे तीर्थ यात्री
- हादसे में 14 लोग घायल, कई की हालत गंभीर

मुर्शिदाबाद, 22 जून। जिले में कांदी थाना अंतर्गत मथुरा मोड के पास बहरमपुर-कांदी राज्य सड़क पर रविवार सुबह हुए सड़क हादसे में चार महिलाओं सहित करीब पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए।

घायलों का इलाज मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल एवं कांदी महकमा अस्पताल में चल रहा है। इनमें से कुछ की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों को आशंका है कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। पुलिस के अनुसार 20 तीर्थ यात्रियों का एक दल बीरभूम जिले में स्थित एक मंदिर से पूजा करके से ट्रैक्टर से लौट रहा था। रविवार सुबह तकरीबन 11 मथुरा मोड़ के पास ट्रैक्टर ने सड़क के किनारे खड़े एक डंपर को टक्कर मार दी। ट्रैक्टर मौके पर ही पलट गया। इस घटना में चालक समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतकों में बेनू रानी सरकार (45), शंभू सरकार (40) और ललिता सरकार (50) हैं। बाकी दो की पहचान अभी नहीं हो पाई है। मृतक और घायल मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा थाना के रुकुनपुर इलाके के हैं। हादसे की खबर पीड़ितों के परिजनों को भेज दी गई है।

भव्य मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल : मुख्यमंत्री

पटना, 22 जून। बिहार में सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में भव्य मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश ने रविवार को स्वयं एक्स पर इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सुबह सुबह बताया कि मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल हो गया है और अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर ही मां जानकी मंदिर का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही अपने सोशल मीडिया पर फाइनल डिजाइन की तस्वीरें भी साझा की हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा, 'मुझे बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जगत जननी मां जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम, सीतामढ़ी को समग्र रूप से विकसित किए जाने के लिए भव्य मंदिर सहित अन्य संरचनाओं का डिजाइन अब तैयार हो गया है, जिसे आपके साथ साझा किया जा रहा है। इसके लिए एक ट्रस्ट का भी गठन कर दिया गया है ताकि निर्माण कार्य में तेजी आ सके। हमलोग पुनौराधाम, सीतामढ़ी में भव्य मंदिर निर्माण शीघ्र पूरा कराने के लिए कृतसंकल्पित हैं। पुनौराधाम में मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण

अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर ही पुनौरा धाम में होगा मां जानकी मंदिर का निर्माण, नीतीश कुमार ने दी जानकारी

हम सभी बिहारवासियों के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है'।

मिथिला की पुण्य भूमि सीतामढ़ी में स्थित पुनौराधाम को माता सीता की जन्मस्थली माना जाता है। बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौरा गांव में स्थित जानकी जन्मभूमि मंदिर को श्रद्धालु पुनौराधाम के नाम से भी जानते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहीं त्रेता युग में राजा जनक के खेत जोतने के दौरान माता सीता धरती से प्रकट हुई थीं। मिथिला की पावन कथा से जुड़ा इतिहास-पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख शुक्ल नवमी को जब मिथिला के राजा जनक बारिश की कामना में हल चला रहे थे, तभी उनका हल एक मिट्टी के बर्तन या कलश से टकराया। उसे बाहर निकालने पर एक कन्या शिशु प्राप्त हुई। जिसे उन्होंने सीता नाम दिया।

इसी कारण यह स्थान हिंदू धर्म में विशेष पवित्रता और आस्था का केंद्र है। कालांतर में इसी पावन स्थल के नाम पर नगर का नाम सीतामड़ई, फिर सीतामही और अंततः सीतामढ़ी पड़ा। प्रमुख धार्मिक स्थल-सीतामढ़ी के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है।

रक्सौल में नेपाल बार्डर पर इराकी नागरिक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण, 22 जून। बिहार में पूर्वी चंपारण जिला अन्तर्गत रक्सौल में भारत-नेपाल मैत्री पुल के समीप एक इराकी नागरिक को नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से प्रवेश के दौरान पकड़ा गया है। उक्त कारवाई एसएसबी के जवान और हरैया थाना की पुलिस ने बॉर्डर पर रूटीन चेकिंग के दौरान की है। पकड़े गये इराकी नागरिक की पहचान इराक के बगदाद के अल-दोरा निवासी बारा फौजी हामिद अल बयाती के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जांच के दौरान यह पाया गया कि उसका भारतीय वीजा काफी पहले ही समाप्त हो चुका है। बाबजूद इसके वह नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने बताया कि आरोपी के पास यात्रा के कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले हैं।

बिहार, राजस्थान समेत कई राज्यों में भारी बारिश के आसार

यूपी में पश्चिमी और तराई हिस्सों में दो दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली/लखनऊ, 22 जून। देश के विभिन्न हिस्सों में मानसून की सक्रियता ने मौसम को सुहावना बना दिया है। राजधानी दिल्ली सहित कई राज्यों में शनिवार को हुई झमाझम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दिलाई।

दिल्ली में मानसून की शुरूआत अपने सामान्य समय से लगभग तीन दिन पहले होने से शहरवासियों को गर्मी से निजात मिली। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों तक देश के कई हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी ने रविवार के लिए देश के विभिन्न हिस्सों के लिए विस्तृत मौसम पूवानुर्मान जारी किया है। असम, मेघालय, पूर्वी राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पश्चिमी राजस्थान में बिजली चमकने और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

बिहार में रविवार को सात जिलों पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, किशनगंज, अररिया, भागलपुर, बांका और कटिहार में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान में भी मानसून की गतिविधियां जोरों पर हैं। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने रविवार सुबह 8:30 बजे एक तात्कालिक चेतावनी जारी की, जिसमें बारां, झालावाड़ और सिरोही जिलों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश, कुछ स्थानों पर भारी बारिश और 30-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई।

अमित शाह ने एनएफएसयू व सीएफएसएल का किया शिलान्यास

रायपुर, 22 जून। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार को दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे। इस दौरान गृह मंत्री ने नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी और सेंट्रल फोरेंसिक लैब का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय और केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला का भी भूमिपूजन किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज नवा रायपुर के बंजारी में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय एवं केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला के भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। यह ऐतिहासिक पहल न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश के लिए फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। यह संस्थान अत्याधुनिक तकनीकों से लैस कुशल फोरेंसिक विशेषज्ञों को तैयार करेगा, जो अपराध जांच को वैज्ञानिक, सटीक और पारदर्शी दृष्टिकोण से सशक्त बनाएंगे।

रायपुर में एनएफएसयू व सीएफएसएल का शिलान्यास करते केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह व अन्य नेतागण।

27वीं मंजिल पर काम कर रहे दो भाइयों की गिरने से मौत

ग्रेटर नोएडा, 22 जून। ग्रेटर नोएडा स्थित यमुना सिटी के सेक्टर-25 स्थित निर्माणाधीन प्रोजेक्ट एफ प्रीमियर होम्स एंड सोल की 27वीं मंजिल से गिरकर दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। दोनों वहां पर यूपीवीसी ग्लास लगाने का काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि तभी अचानक बिजली आपूर्ति बंद हो गई। अंधेरे में पैर फिसलने से दोनों नीचे गिर गए। आस-पास मौजूद लोग गंभीर अवस्था में दोनों को अस्पताल लेकर पहुंचे।

जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। वहीं मौके पर पहुंचे परिजनों ने कुछ किसान नेताओं के साथ मिलकर हंगामा किया। आर्थिक मदद मिलने के आश्वासन पर परिजन शांत हुए। उसके बाद पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सड़क हादसों को 50 प्रतिशत तक कम करने की पहल

अब अलग विवेचना सेल का गठन, रुकेंगे रोड एक्सीडेंट

लखनऊ, 22 जून (तरुणमित्र)। उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हर रोज प्रदेश के किसी न किसी जिले से ऐसी भीषण सड़क दुर्घटनाओं की खबरें सामने आ रही हैं जिनमें तीन या उससे अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इन हादसों से न सिर्फ पीड़ित परिवारों का जीवन तहस-नहस होता है, बल्कि राज्य की यातायात व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं। इसी के मद्देनजर अब यातायात निदेशालय ने इन घटनाओं के मूल कारणों को समझकर उन्हें रोकने की दिशा में ठोस कदम उठाया है।

प्रदेश में सड़क हादसों का कारण पता करने के लिए यातायात निदेशालय ने विवेचना सेल बनाया है। विवेचना सेल का प्रभारी डीआईजी ट्रैफिक को बनाया गया है, साथ ही तीन या अधिक मौतों वाले हादसे की विवेचना एएसपी की निगरानी में सीओ करेंगे। अभी तक ऐसे हादसों की विवेचना सब इंस्पेक्टर अथवा हेड कांस्टेबिल करते थे। एएसपी और सीओ अधिक मौतों वाले हादसे में देखेंगे कि एक्सीडेंट का मुख्य कारण क्या रहा। रोड इंजीनियरिंग गड़बड़ थी, सड़क पर गड्ढे थे या ओवर स्पीडिंग या नशे में गाड़ी चलाने से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सड़क हादसों में 50 फीसदी कमी लाने के लिए यह पहल एडीजी ट्रैफिक के. सत्यनारायण ने की है। विवेचना सेल का आफिस पुलिस हेडक्वार्टर में ही चौथी मंजिल पर बनाया गया है।

फैसला

- प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर एडीजी यातायात का बड़ा फैसला
- सड़क हादसों की विवेचना में बदलाव, 3 या अधिक मौतों पर एएसपी-सीओ करेंगे जांच
- सड़क दुर्घटना जांच योजना 2023 में हुई थी लागू

डीआईजी ट्रैफिक अरविन्द कुमार इसके प्रभारी हैं। साथ ही एएसपी अनूप कुमार और सीओ सरोज कुमार भी इस सेल में हैं। विवेचना सेल यह देखेगा कि आखिर सड़क हादसे का मुख्य कारण क्या था, सड़क हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, कहीं चालक नशे में तो नहीं था, रांग साइड और ओवर स्पीडिंग की वजह से तो वाहन नहीं भिड़े हैं।

ऐसे ही रोड इंजीनियरिंग, चौराहे की डिजाइन और अन्य कारणों को भी देखा जाएगा। सड़क हादसों के कारण को लेकर विवेचना सेल अपनी रिपोर्ट तैयार करेगा। फिर इस रिपोर्ट पर ट्रैफिक और परिवहन विभाग के अफसरों के साथ विचार-विमर्श कर समाधान निकाला जाएगा।

पटना के गांधी मैदान में 29 को होगी वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ कॉन्फ्रेंस

अररिया 22 जून। वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और संविधान की रक्षा को लेकर आगामी 29 जून को पटना के गांधी मैदान में वक्फ बचाओ, दस्तूर बचाओ कॉन्फ्रेंस का आयोजन की किया जाएगा। पटना में होने वाले कार्यक्रम की सफलता को लेकर रविवार को फारबिसगंज के मदरसा इस्लाहुल मुस्लेमीन में एक बैठक हुई।

बैठक की शुरूआत कुरआन-ए-पाक की तिलावत से हुई और इसमें क्षेत्र के कई उलेमा, समाजसेवी और जागरूक नागरिक शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता इमारत-ए-शरीया बिहार, झारखंड व उड़ीसा के नायब नाज़िम मौलाना सोहराब नदवी ने की। मौलाना सोहराब नदवी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की नजर में अब सुप्रीम कोर्ट की हैसियत कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर तत्काल रोक लगा रखी है, फिर भी सरकार ने मुसलमानों को आदेश दिया है कि वक्फ की जमीनों का रजिस्ट्रेशन छह महीने के भीतर कराएं, जो सीधा-सीधा संवैधानिक व्यवस्था और न्यायपालिका की अवहेलना है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार वक्फ संपत्तियों को निशाना बनाकर मुस्लिम समाज की धार्मिक और सामाजिक पहचान को मिटाने की कोशिश कर रही है। ऐसे समय में समाज का जागरूक और एकजुट होना बेहद जरूरी है।

बैठक में बताया गया कि 29 जून को पटना में होने वाली वक्फ बचाओ दस्तूर बचाओ कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता अमीर-ए-शरीयत हजरत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी साहब करेंगे।

जिले के नियोजित शिक्षकों को मई माह का अभी तक वेतन नहीं

वजीरगंज(गयाजी)। बिहार की सरकार आखिर क्यों नियोजित शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उक्त बातें बिहार राज्य प्रारंभिक नियोजित शिक्षक संघ के मीडिया प्रभारी प्रभाकर कुमार ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

उन्होंने कहा कि गया जिले के सभी कोटि के शिक्षकों को मई माह के वेतन का भुकतान कर दिया गया है, लेकिन नियोजित शिक्षकों को यह कहकर टाला जा रहा है कि आवंटन नहीं है ,जबकि वर्ष 2025-2026 तक का आवंटन मौजूद है।उन्होंने कहा कि 17 वर्षों से सभी नियोजित शिक्षक सरकार के द्वारा दिए गए आश्वासनों पर विश्वास करते हुए सूबे में शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने में लगे हैं। लेकिन सरकार के उपेक्षापूर्ण रवैया व सौतेला व्यवहार से सभी नियोजित शिक्षक मर्माहत हैं।

नई नियमावली ने शिक्षकों को सड़कों पर आने पर मजबूर कर दिया है। बिना शर्त राज्यकर्मी का दर्जा प्राप्त करना हम सभी नियोजित शिक्षकों का लक्ष्य है।हर हाल में सरकार को इस नई अध्यापक नियमावली को वापस लेकर नियोजित शिक्षकों को राज्य कर्मी को दर्जा देना होगा। सरकार द्वारा 2011 से पूर्व बहाल मदरसा शिक्षकों को बिना कोई परीक्षा कंपटीशन दिए राज्यकर्मी का दर्जा के साथ वेतनमान दिया गया।34540 कोटि के शिक्षकों को बिना कोई परीक्षा दिए राज्यकर्मी का दर्जा वेतनमान सब कुछ दिया।

बिहार राज्य प्रारंभिक नियोजित शिक्षकों की बहाली के बाद शिक्षा में कहीं कोई गिरावट नहीं हुई।लेकिन जैसे ही नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा या समान वेतनमान देने की बात आती है तो शिक्षा का स्तर गिर जाता है।सरकार की दोहरी राजनीति नहीं चलेगी।बिहार के शिक्षामंत्री इस मामले में जल्द जबाब दे।उन्होंने कहा कि पूर्व में ही सभी शिक्षक को क्यों नहीं बीपीएससी से परीक्षा ली गई। सड़क से सदन तक सरकार के खिलाफ आंदोलन जारी रखेंगे। उन्होंने यह भी कहते हुए चेताया कि अगर जल्द हमारी मांगों पर सरकार विचार नहीं रखती है तो मजबूरन होकर हम सड़कों से लेकर सदन को घेरने के लिए मजबूर होंगे।

उन्होंने कहा कि जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं वहां के कर्मचारियों के असहयोगात्मक रवैये के कारण अभी तक मई माह का वेतन भुकतान नहीं किया गया है, जिसके कारण नियोजित शिक्षकों के समक्ष आर्थिक तंगी कायम है, अगर एक दो दिन के अंदर नियोजित शिक्षकों को मई माह का वेतन का भुकतान नहीं किया गया तो सभी नियोजित शिक्षक एकजुट होकर चरणबद्ध आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे।

वाहनों का जांच कर काटा गया चालान

थावे(गोपालगंज), 22 जून (तरुणमित्र)। थावे थाना के सामने शनिवार की देर शाम गोपालगंज-मीरगंज एनएच 531 पर वाहन जांच अभियान चलाया गया।

इससे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया.प्रभारी थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार ने बताया कि हेलमेट, सीट बेल्ट, प्रदूषण, बीमा आदि जांच की गई. छह वाहन चालकों का कुल छह हजार रुपये का चालान काटा गया.मौके पर प्रशिक्षु एसआई कृष्ण कुमार आदि पुलिस बल मौजूद थे।

डीएम ने कमला बलान तटबंध के निरीक्षण में रेन कट मरम्मती कराने का दिया निर्देश

दरभंगा, 22 जून (तरुणमित्र)। डीएम कौशल कुमार ने कमला बलान के दायें एवं बायें तटबंध का निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम दायां तटबंध कोठराम चौक से रसियारी तक का निरीक्षण किया।

डीएम ने कमला और कोसी नदी के बीच में बनने वाले पुलों का निरीक्षण किया एवं अधिकारियों को ससमय गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिए। उन्होंने कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल को तटबंधों का सतत अनुश्रवण करने को कहा। साथ ही वर्षा के दौरान होने वाले रेन कट को ससमय मरम्मती करा लेने का निर्देश दिया। डीएम ने कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल

झंझारपुर -1 एवं झंझारपुर -2 से नदी एवं तटबंध के संबंध में जानकारी लिया।

इसके बाद उन्होंने जल संसाधन विभाग के रसियारी में स्थित स्थाई कैंप का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन सलीम अख्तर, कार्यपालक अभियंता, अनुमंडल पदाधिकारी बिरौल, अंचलाधिकारी घनश्यामपुर, गौड़ाबौराम, कुशेश्वरस्थान, तारडीह के अलावे अन्य पदाधिकारी एवं अभियंता उपस्थित थे।

बिहार में पूर्ण बहुमत से बनेगी एनडीए की सरकार, विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं : मृत्युंजय झा

दरभंगा, 22 जून (तरुणमित्र)। भाजपा जिला कार्यालय पर बूथ सशक्तिकरण अभियान को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष प्रो. आदित्य नारायण चौधरी मन्ना की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। उसके बाद कार्यशाला को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रभारी एवं बिहार प्रदेश भाजपा के मंत्री रत्नेश कुशवाहा ने कार्यकताओं को बूथ जीतो, चुनाव जीतो का मंत्र दिया।

उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव से पूर्व अपने - अपने बूथ पर मजबूत कमिटी का गठन करें। भारतीय जनता पार्टी संगठन एवं कार्यकर्ता के आधार पर कार्य करने वाली पार्टी है। उन्होंने बूथ इकाई को मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकत्ताओं को बुथ सशक्तिकरण अभियान को समय से पूरा करने को

कहा। बिहार राज्य संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मृत्युंजय झा ने कहा कि बिहार सरकार ने वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांगता पेंशन की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 किया है यह अत्यंत स्वागत योग्य है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार में एक बार पुनः पूर्ण बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। भारतीय जनता पार्टी पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। कार्यशाला का संचालन जिला उपाध्यक्ष संगीता साह जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष सोनी पूर्वे ने किया।

कार्यशाला में निवर्तमान जिलाध्यक्ष जीवछ सहनी, जिला महामंत्री विजय चौधरी, संतोष पोद्दार, सुजीत मल्लिक?, जिला उपाध्यक्ष राजेश रंजन, श्रवण मिश्रा, सुनील चौधरी, जिला मंत्री राहुल पासवान, रानी झा, मीरा देवी, जिला मीडिया प्रभारी मुकुंद चौधरी आदि मौजूद थे।

जन सुराज जिला कार्यवाहक समिति एवं पदाधिकारियों की हुई घोषणा

गयाजी, 22 जून (तरुणमित्र)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर इन दिनों अपनी बिहार बदलाव यात्रा के तहत लगातार अलग-अलग जिलों और प्रखंडों में लोगों से संवाद कर रहे हैं।अबतक जिन ज़िलों में पदयात्रा हो चुकी है उन जिलों में संगठन विस्तार तेजी से किया जा रहा है। उसी क्रम में रविवार को जन सुराज पार्टी कार्यालय गया में जन सुराज जिला कार्यवाहक समिति एवं पदाधिकारियों की घोषणा की गई।भवानी सिंह को जिला अध्यक्ष, नरेश मांझी को संगठन महासचिव और उर्मिला देवी को महिला अध्यक्ष रवि बरनवाल को मुख्य प्रवक्ता बनाए गए।इस दौरान सैयद मसीहउद्दीन, प्रियंका यादव, अमजद खान जावेद खान, रवि बरनवाल, अभय कुमार अमित कार्तिकेय प्रेस वार्ता कर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की सूची जारी की।

इस दौरान जिला प्रभारी सैयद मसीहुद्दीन कहा कि जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जी की परिकल्पना है कि बिहार के सभी वर्ग के लोगों को उनकी संख्या बल के आधार पर सामान भागीदारी मिले।हमलोग उनकी इस परिकल्पना को लेकर प्रतिबद्ध है।उनकी इस परिकल्पना को अब जमीन पर उतारा जा रहा है।जिलाध्यक्ष भवानी सिंह ने कहा कि मैं इस जिम्मेदारी को पूरी मजबूती से निर्वहन करने का प्रयत्न करूंगा।हमारी कोशिश है कि सभी वर्ग के लोगों को साथ लेकर समुचित विकास की राह पर चला जाए।इस जिससे जिला समेत राज्य के विकास में हमारी भागीदारी बेहतर हो।

जन सुराज के विभिन्न पदों पर निम्नलिखित सदस्यों की नियुक्ति की गई

जिला पदाधिकारियों में इन्हें मिला स्थान जिनमें किसान अध्यक्ष रामलखन दांगी, अभियान समिति के संयोजक जावेद खान, युवा अध्यक्ष अमित शर्मा, मुख्य प्रवक्ता रवि बरनवाल, जिला कार्यालय प्रभारी, डॉक्टर अजीत कुमार, जिला उपाध्यक्ष राकेश सिसौदिया, संतोष दास, रंजन पासवान, अभिमन्यु सिंह, लक्ष्मण चौधरी, रंजीत सिंह,जिला सचिव, वाकर अली, कुमार अभय, जिला प्रवक्ता अमित कार्तिकेय, पूजा कुमारी प्रदेश महिला सचिव प्रियंका यादव, मीरा कुमारी, मंजू देवी, अशोक पासवान, समेत बड़ी संख्या पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।वहीं इस अवसर पर पार्टी के नेताओं ने 30 जून को गुरुआ विधान सभा में होने वाले प्रशांत किशोर की सभा की आगामी रणनीतियों पर चर्चा की और संगठन को मजबूत बनाने के लिए नए कार्यक्रमों की योजना बनाई इस पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन जिला प्रवक्ता अमित कार्तिकेय ने किया।

संक्षिप्त समाचार

तेजस्वी यादव इतने पढ़े-लिखे नहीं हैं कि अखबार में लेख लिख सकें-शाहनवाज हुसैन

गयाजी, 22 जून (तरुणमित्र)। जिले में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन ने विपक्ष पर हमला बोला है।उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव इतने पढ़े-लिखे नहीं हैं कि अखबार में लेख लिख सकें।जो लेख उनके नाम से छपा, वह किसी और से लिखवाया गया है।लेख में कई तथ्यात्मक गलतियां हैं।गयाजी सर्किट हाउस में शाहनवाज ने कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर नीतीश कुमार का स्टैंड हमेशा से क्लियर रहा है।पंचायती राज में अति पिछड़ों को आरक्षण देने वाले वही हैं। 1994 में जब जातीय गणना पर बहस हुई थी, तब भी उन्होंने फ्लोर पर इसका समर्थन किया था।शहनवाज हुसैन श्री विद्या त्रिकोटी कुंकुमार्चन यज्ञ में शामिल होने आए थे।उन्होंने कहा कि स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी का आशीर्वाद लेने जा रहे हैं।भोजपुरी और मैथिली समाज में अब पहले से ज्यादा गहराई से पार्टी जुड़ी।उन्होंने दावा किया कि भाजपा की पकड़ बिहार के हर समाज में है।खासकर भोजपुरी और मैथिली समाज में अब पहले से ज्यादा गहराई से पार्टी जुड़ी है।पिछली बार कुछ कारणों से भोजपुर में कमजोर पड़ गए थे, लेकिन अब हालात बदल गए हैं।मोदी और नीतीश की पकड़ मजबूत हो चुकी है। बुजुर्गों को 1100 रुपए पेंशन मिलने पर प्रदेश सरकार को बधाई भी दी।डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के मेरा बाप चोर वाले बयान पर कहा, हां, बयान दिया है।शाहनवाज ने कहा कि गया से उनका पुराना नाता है।एयरपोर्ट भाजपा की ही देन है।टूरिज्म को लेकर केंद्र और राज्य सरकार गंभीरता से काम कर रही है।विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि एनडीए भारी बहुमत से जीतेगा।भाजपा, जदयू, चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा और जीतनराम मांझी की पार्टी मिलकर चुनाव लड़ेंगी।

सामाजिक न्याय की दिसा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ऐतिहासिक निर्णय-अवध बिहारी पटेल

गयाजी, 22 जून (तरुणमित्र)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि 400 रुपया से बढ़ाकर 1100 रुपया करने पर जदयू कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने कहा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद देते हैं। उन्होंने वृद्धजनों, दिव्यांगजन एवं विधवा महिलाओं को पेंशन राशि 400 से बढ़ाकर 1100 रुपया देने का निर्णय का स्वागत करते हैं। इससे बिहार के 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभुक को फायदा होगा।साथ ही हर ग्राम पंचायत में विवाह मंडप बनाने की घोषणा किए।इसका भी हम स्वागत करते हैं , विवाह मंडप बनने से ग्रामीण इलाकों में गरीब लोगों को शादी विवाह करने में आसानी होगा।श्री पटेल ने कहा की मुख्यमंत्री का सोच है की गरीबों को खास करके महिलाओं को कोई परेशानी न हो उन्होंने घोषणा किया है। की जीविका की समूह को अब तीन लाख से ज्यादा का लोन केवल 7% की ब्याज दर दिया जाएगा।जिससे महिलाएं अपना रोजगार कर सकती है।पहले तीन लाख से ज्यादा का लोन 10% ब्याज पर दिया जाता था। जीविका के सारे कर्मचारी को भता दुगुना कर दिया गया है।इन सारी योजना को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री को जदयू नेता एवं कार्यकताओं ने आभार व्यक्त किया। आभार प्रकट करने में जदयू नेता अरुण राव, अजय कुशवाहा, धनंजय शर्मा, अजीत शर्मा, पूनम कुशवाहा , सोनम दास, शंभू सिंह, मितांबरा लोहड़े, बलिराम चौधरी, बिना देवी, मुन्ना पटवा, विनोद कुमार, श्रीकांत प्रसाद, दयानंद विश्वकर्मा, दिवाकर कुमार, बीरेंद्र शर्मा, राजकुमार शाह, विनोद यादव, रंजीत कुशवाहा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

सरबहदा थाना में लंबित कांडों की समीक्षा की गई

गयाजी, 22 जून (तरुणमित्र)। जिले के एएसपी (ग्रामीण) अनवर जावेद के द्वारा रविवार को सरबहदा थाना में लंबित कांडों की समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान सत्य पाए गए मामलों में फरार एवं वांछित अपराधियों के विरुद्ध गिरफ्तारी, वारंट और कुर्की की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के साथ ही, लंबित सभी बिंदुओं पर शीघ्रता से कार्रवाई करते हुए लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।इसके अतिरिक्त माननीय न्यायालय से निर्गत अधिपत्रों जैसे वारंट, इश्तिहार, कुर्की आदि के त्वरित निष्पादन हेतु भी स्पष्ट निर्देश दिए गए।

रामदास बगही पंचायत के लिए पांचवें दिन मुखिया पद के लिए तीन अभ्यर्थियों ने किया नामांकन

कटेया (गोपालगंज), 22 जून(तरुणमित्र)। कटेया प्रखंड के रामदास बगही पंचायत उपचुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के पांचवें दिन मुखिया पद के लिए तीन अभ्यर्थियों ने नामांकन पर्चा दाखिल किया. पंचायत उपचुनाव में मुखिया के लिए एक तथा वार्ड सदस्य के लिए छह रिक्त पदों पर नामांकन होना है. इसी क्रम में पांचवें दिन गुरुवार को मुखिया पद हेतु रामदास बगही पंचायत से मझवलिया गांव निवासी नरेश बारी, रामदास बगही निवासी बबलू गुप्ता एवं कोल्हुआर बगही निवासी वशिष्ठ शर्मा के द्वारा अपना-अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया गया.वहीं नामांकन प्रक्रिया के चौथे दिन बुधवार को रामदास पंचायत से सुल्तानपुर गांव निवासी तेतरी देवी पति नागेश्वर बीन के द्वारा अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया गया.सोमवार को वार्ड सदस्य पद के लिए एक पर्चा दाखिल हुआ था.जबकि गुरुवार को किसी अभ्यर्थी के द्वारा नामांकन दाखिल नहीं किया गया।

पुलिस ने 7 अपराधियों को किया गिरफ्तार

गयाजी, 22 जून (तरुणमित्र)। जिला पुलिस ने 7 अपराधियों को गिरफ्तार किया है।उनके पास से हथियार, बाइक और मोबाइल बरामद हुआ है।गिरफ्तारी बोधगया और मगध मेडिकल थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से की है।जानकारी डीएसपी धर्मेंद्र भारती ने दी है।

डीएसपी ने कहा कि बीती रात बोधगया थाना क्षेत्र में दोमुहान के पास वाहन चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार 4 युवक पकड़े गए। पकड़े जाने वालों में गौरव कुमार, अर्जुन कुमार, नीतीश कुमार और सूरज कुमार शामिल हैं।सभी सूरजपुरा, बोधगया के रहने वाले हैं।पुलिस ने जब मोबाइल की जांच की, तो उनके मोबाइल में हथियार की तस्वीरें मिलीं। पूछताछ में युवकों ने हथियार छिपा कर रखने की बात कबूल की। यह सूचना मगध मेडिकल थाना को दी गई। फिर वहां की पुलिस ने खिरियावां गांव में छापेमारी की। वहां से 2 देसी कट्टा और एक देसी रायफल बरामद की गई।

इसके बाद विनोवा नगर गांव में छापा मारा गया। वहां से मनीष कुमार, गोलू कुमार और पवन उर्फ चूचू को पकड़ा गया।पवन के घर से एक और देसी कट्टा और 8 एमएम का एक खोखा बरामद किया गया।डीएसपी ने बताया कि पकड़े गए सभी युवक एक गिरोह का हिस्सा है।ये लोग राहगीरों से लूट, छिनतई और चोरी करते थे। लूट के दौरान लोगों को धमकाने के लिए हथियार भी साथ रखते थे। पकड़े गए बदमाशों के खिलाफ मगध मेडिकल थाना में केस दर्ज किया गया है।पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क की तलाश में जुटी है। पुलिस कार्रवाई जारी है।

एक महिला रास्ता भटकी, 112 की पुलिस ने परिजनों से मिलाया

गयाजी, 22 जून (तरुणमित्र)। डायल 112 की ई आरभी एक सिविल लाइन टीम को सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला रास्ता भटक गई है और वह ऐसी भाषा में बात कर रही हैं जिसे आसपास के लोग समझ नहीं पा रहे हैं। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तत्क्षण घटनास्थल पर पहुँची और महिला से संवाद स्थापित करने का प्रयास किया। बातचीत के दौरान पता चला कि महिला आंध्र प्रदेश से हैं और अपने परिवार के साथ विष्णुपद मंदिर दर्शन हेतु आई थीं, जहाँ से वे गलती से अलग हो गई थीं। पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए आंध्र प्रदेश से आए हुए उनके परिजनों से संपर्क किया और जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात विष्णुपद मंदिर जाकर पूछताछ करते हुए महिला के समूह तक पहुँच सुनिश्चित की गई और अंततः महिला को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। डायल 112 की इस संवेदनशील एवं त्वरित कार्रवाई से संतुष्ट होकर महिला के परिजनों एवं उनके समूह ने बिहार पुलिस के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया।

सात दिवसीय राष्ट्रीय संगीत कार्यशाला का हुआ भव्य समापन

ग्वालियर घराना के समीर भालेराव के कार्यशाला की हुई सराहना

दरभंगा, 22 जून (तरुणमित्र)। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय संगीत एवं नाट्य विभाग में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय संगीत कार्यशाला का समापन पंडित समीर भालेराव के शिक्षण से समाप्त हुआ। ज्ञात हो कि 21 जून को विश्व संगीत दिवस और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह एक महत्वपूर्ण दिन है।

संगीत और योग का अन्योन्याश्रय संबंध है। संगीत स्वयं एक योग है। इसमें की जाने वाली गायन की क्रियाएं स्वतः योग का कार्य करती हैं, जो नाद- योग के नाम से जाना जाता है।इस संगोष्ठी का मुख्य विषय था ₹ संगीत शास्त्र और राग परम्परा ₹। उप विषय के अंतर्गत 'बिहार के

विश्वविद्यालयों में संगीत शिक्षा और शिक्षकों का योगदान' भी समाहित किया गया था।

कार्यशाला में आकर्षण का केंद्र रहे ग्वालियर घराना के प्रसिद्ध गायक एवं गुरु पंडित समीर भालेराव की कार्यशाला 21 और 22 जून को आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने प्रतिभागियों को सर्वप्रथम राग विलास खानी तोड़ी सिखाया। रात विलास खानी में बड़ा ख्याल की बंदिश 'नीके घुंघरिया', छोटा ख्याल की बंदिश 'तज रे अभिमान' (तीनताल) तथा ' कोयलिया काहे करत पुकार' (तीनताल) थी। कार्यशाला आरंभ होने से पूर्व विभागीय छात्र - छात्राओं ने भी अपनी प्रस्तुति की। सर्वप्रथम द्वितीय सेमेस्टर के छात्र ऋषभ कुमार झा, सुमन कुमार सिंह और चंद्र प्रकाश ने राग जोग का गायन किया तथा दूसरी प्रस्तुति के अंतर्गत चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र हर्षवर्धन झा, प्रतीक कुमार झा, अमित कुमार झा और आर्यन भट्ट ने राग यमन का गायन प्रस्तुत किया।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. लावण्य कीर्ति सिंह 'काव्या' ने कार्यशाला के सभी विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह विभाग द्वारा किया जाने वाला प्रत्येक आयोजन 'भारतीय ज्ञान प्रणाली को समृद्ध करने की पहल' के अंतर्गत किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी का हृदय से अभिवादन किया।

सीयूएसबी को मधुमक्खी अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड से 30.96 लाख रुपये का अनुदान

टिकारी (गयाजी), 22 जून (तरुणमित्र)। अकादमिक उत्कृष्टता के मार्ग पर अग्रसर दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के कृषि विभाग को मधुमक्खी पालन एवं परागणकर्ता संरक्षण के क्षेत्र में दो नवाचारपरक शोध एवं विकास परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 30.96 लाख का अनुदान प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय को मधुमक्खी पालन के लिए मिले अनुदान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे निरंतर प्रयासों का फल है।

उन्होंने कहा कि ऐसी नवाचारपरक परियोजनाएं ग्रामीण विकास, प्राकृतिक खेती और राष्ट्रीय जैविक मिशन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।सीयूएसबी सतत विकास के साथ-साथ परियोजनाओं के संसाधन सृजन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हमारी प्रतिबद्धता है कि ऐसी परियोजनाओं के माध्यम से विश्वविद्यालय शोध, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में एक नई मिसाल स्थापित करे।

इन परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन के माध्यम से सीयूएसबी न केवल शोध, नवाचार और शिक्षा में एक नई ऊँचाई प्राप्त करेगा, बल्कि ग्रामीण भारत में सतत आजीविका, पर्यावरणीय स्थिरता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में भी महत्त्वपूर्ण योगदान देगा।इस परियोजना को लेकर कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार राणा, कृषि विभाग के अधिष्ठाता, तथा विभिन्न विभागों और संकायों के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

जन संपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि ये दोनों परियोजनाएं विश्वविद्यालय के कृषि विभाग सह-प्राध्यापक डॉ. हेमंत कुमार सिंह द्वारा संचालित की जाएगी, जो इन परियोजनाओं के प्रधान अन्वेषक (पीआई) हैं। परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ. सिंह ने बताया कि स्वीकृत परियोजनाएं क्रमशः हैं; उच्च गुणवत्ता वाले नाभिकीय स्टॉक केंद्र की स्थापना एवं मधुमक्खी-मित्र पुष्प उद्यान का विकास।इन परियोजनाओं का उद्देश्य एपिस मेलीफेरा मधुमक्खी प्रजातियों की संरक्षित, सुदृढ़ एवं उन्नत कॉलोनियों के लिए एक स्थायी नाभिकीय स्टॉक केंद्र की स्थापना करना है, जो गुणवत्तापूर्ण बी-स्टॉक उत्पादन हेतु आवश्यक आधार प्रदान करेगा।साथ ही, परागणकताओं को वर्षभर पुष्टिकारक स्रोत प्रदान करने हेतु मधुमक्खी-मित्र पुष्प उद्यानों की श्रृंखला विकसित की जाएगी।

डॉ. सिंह ने इस परियोजना के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह परियोजना न केवल मधुमक्खियों के स्वास्थ्य और परागण सेवाओं को सुदृढ़ करेगी, बल्कि ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करते हुए कृषि क्षेत्र में नवाचार एवं पर्यावरण संतुलन की दिशा में भी एक ठोस पहल होगी।

प्रमुख लक्ष्य एवं गतिविधियाँ

ग्रामीण युवाओं एवं कृषि विद्यार्थियों को मधुमक्खी पालन, कॉलोनी प्रबंधन, और शहद उत्पादन में प्रशिक्षण एवं कौशल विकास प्रदान करना।जलवायु अनुकूल मदर ऑर्चर्ड की स्थापना, जिसमें उच्च गुणवत्ता की फलदार प्रजातियाँ संरक्षित व प्रवर्धित की जाएंगी, जिससे मधुमक्खियों को पराग व अमृत की सतत उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।प्राकृतिक कृषि, जैविक परागण, तथा जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना।

एसपी ने मीरगंज थाने का किया वार्षिक निरीक्षण

गोपालगंज, 22 जून (तरुणमित्र)। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने मीरगंज थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। उनके आगमन पर थाने के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए सलामी दी। पुलिस अधीक्षक ने थाना सिरिस्ता, दैनिकी रजिस्टर सहित अन्य अभिलेखों का गहन अवलोकन किया और पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की सफाई, रिकॉर्ड रखरखाव और अपराध नियंत्रण को लेकर विशेष ध्यान देने की बात कही। मौके पर हथुआ एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता, सर्किल इंस्पेक्टर, थानाध्यक्ष अनिल कुमार सहित थाने के अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे. पुलिस अधीक्षक ने कर्मियों का मनोबल बढ़ाया और कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

ऑटो की चपेट में आने से ई-रिक्शा पर सवार दो बुरी तरह जख्मी

अररिया, 22 जून (तरूणमित्र)। जिले के बथनाहा थाना क्षेत्र के टॉल प्लाजा के पास रविवार को ई रिक्शा को तेज अनियंत्रित ऑटो ने ठोकर मार दी। जिससे ई रिक्शा पर सवार एक महिला समेत एक युवक बुरी तरह जख्मी हो गया, जिसे इलाज के लिए फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां ऑन ड्यूटी चिकित्सकों के द्वारा घायलों का इलाज किया जा रहा है।

ई रिक्शा पर सवार युवक 19 वर्षीय रवि कुमार पासवान पिता गोनू पासवान अपनी मौसी सीमा देवी को इलाज के लिए बथनाहा एक निजी अस्पताल ले जा रहा था। इसी क्रम में यह हादसा हुआ। फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज करा रहे घायल रवि कुमार पासवान के पिता गोनू पासवान ने बताया कि उनका बेटा अपनी मौसी को लेकर बथनाहा डॉक्टर से दिखाने के लिए ई रिक्शा से जा रहा था कि टॉल प्लाजा के पास पीछे से अनियंत्रित तेज ऑटो ने टक्कर मार दिया। जिससे ई रिक्शा पलट गया और वे लोग घायल हो गए। घटना के बाद फोन पर सूचना देने के बाद दोनों को मौके से उठाकर इलाज के लिए फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों को काफी चोटें आई है और वे लहू लुहान हैं।घटना को बाद ऑटो मौके से तेजी से बथनाहा की ओर भाग निकला।

चार दिनों से लापता युवक का मिला शव, पुलिस मामले की जांच में जुटी

अररिया, 22 जून (तरूणमित्र)। फारबिसगंज नगर परिषद वार्ड संख्या 15 बिरवान चौक के निवासी अंजार अंसारी पिछले चार दिनों से लापता था। जिसका शव रविवार दोपहर सिमराहा थाना क्षेत्र के एबीसी नगर मिश्रिया पुल से पश्चिम मिला। स्थानीय लोगों के द्वारा शव देखे जाने के बाद सिमराहा थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद मौके पर फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा,सिमराहा थानाध्यक्ष प्रेम कुमार भारती, फारबिसगंज थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गई। सूचना पर मृतक के परिजनों को सूचित किया गया।जिसके बाद मृतक का भाई मंजर अंसारी, बहन, पत्नी ने शव का शिनाख्त 37 वर्षीय अंजार अंसारी के रूप में किया।

शव सड़ा हालत में था और उनसे बदबू आ रही थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मृतक के गले पर कटे का निशान है और ऐसी आशंका व्यक्त की जा रही है कि उनकी हत्या कर शव को छिपाने के उद्देश्य से फेंक दिया गया। वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान को लेकर एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया गया,जो मौके पर ब्लड के सैंपल करने सहित अन्य बिंदुओं पर जांच में जुटी है। बिरवान चौक निवासी अंजार अंसारी 19 जून से ही लापता था।मामले को लेकर फारबिसगंज थाना में परिजनों के द्वारा गुमशुदगी का मामला भी दर्ज कराया गया था।

295 लीटर शराब के साथ दो तरस्कर गिरफ्तार

मांझागढ़,22 जून (तरुणमित्र)। बरौली थाने की पुलिस ने वाहन जाच के दौरान 295.200 लीटर अफसर च्वायस विदेशी शराब के दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। शराब के साथ पकड़े गए तस्कर अता अंसारी ग्राम पंडरी तिलक राय , पटहेरवा एवं अमर नाथ सिंह ग्राम रामपुरा महारथ, थाना हटा दोनों जिला कुशीनगर बताए गए है।

बताया जाता कि बरौली पुलिस एनएच 27 पर कृष्णा लाइन होटल के समीप वाहन जांच कर रही थी ,तभी सड़क पर गोपालगंज की तरफ से एक कार आ रही थी. जिसे रोक कर तलाशी ली गई तो कार में छुपा कर रखा गया 295.200 लीटर विदेशी शराब पुलिस ने बरामद किया।

दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया बरौली थानाध्यक्ष पप्पु कुमार ने बताया कि वाहन जांच के क्रम में कार में छुपा ले जा रहे 295.200 लीटर शराब के साथ दो तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. साथ ही कार को भी जब्त कर लिया है. कार चोरी की है।

नीतीश कुमार कथनी नहीं करनी में करते हैं विश्वास : पवन मिश्रा

अररिया, 22 जून (तरूणमित्र)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कथनी में नहीं करनी में विश्वास करते हैं इसी का परिणाम है सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत विधवा महिलाओं, वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों को दी जाने वाली राशि को 400 से बढ़ाकर 1100 प्रति माह किए जाने का निर्णय।यह एक ऐतिहासिक निर्णय है और इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद के पात्र हैं। जदयू के प्रदेश सचिव सह किशनगंज जिला प्रभारी पवन मिश्रा ने ये बातें कही। मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह जनकल्याणकारी कदम न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को संबल प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें सम्मानजनक एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर भी देगा।इस निर्णय से प्रदेश के 1 करोड़ 10 लाख के करीबन जरूरतमंद नागरिकों को सीधे राहत मिलेगी। यह नीतीश सरकार की समावेशी सोच, जनभावनाओं के प्रति एक संवेदनशील नीति और सुदृढ़ सामाजिक सुरक्षा तंत्र का प्रमाण है। नीतीश कुमार ने एक बार फिर से सिद्ध किया है कि वो वोट की नहीं वोटर की चिंता करतें हैं।

संक्षिप्त समाचार

लगाया गया रक्तदान शिविर

भागलपुर, 22 जून (तरूणमित्र)। पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को समर्पित और पूर्व वायु सेना अधिकारी स्मृतिशेष स्व निर्मल कुमार चौबे के स्नेहपूर्ण स्मृति में रविवार को भागलपुर के आईएमए हॉल मे वी केयर के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि भाजपी नेता दिलीप मिश्रा, डॉ हेम शंकर शर्मा, डॉ रेखा झा, डॉ दिव्या सिंह, डॉ सोमेन चटर्जी, डॉ महेश कुमार, डॉ पंकज कुमार एवं डॉ आर पी जयसवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक करना है। आज का लक्ष्य 400 यूनिट रक्त संग्रह करना है। इस दौरान भाजपा नेता ने कहा कि रक्तदान महादान है। क्योंकि रक्तदान कई लोगों को नई जिंदगी दे सकती है। उन्होंने लोगों से यह अपील भी किया कि इस नेक कार्य मे सहयोग करें और आगे आकर रक्त दान करें।

हाइवा ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, दो लोग गंभीर रूप से घायल

भागलपुर, 22 जून (तरूणमित्र)। जिले के नवगछिया अनुमंडल अंतर्गत गोपालपुर थाना क्षेत्र के मंदिर चौक के पास रविवार को तेज रफ्तार हाइवा ने एक ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में ई-रिक्शा पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान ई-रिक्शा चालक संजीव कुमार भगत और आम व्यवसायी मोहम्मद फिरोज के रूप में हुई है। दोनों कुसेला की ओर आम लोड कर जा रहे थे, तभी मंदिर चौक के समीप पीछे से आ रहे हाइवा ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया। दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने हाइवा को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश में छापेमारी कर रही है।

वेलफेयर एसटी हॉस्टल में हुआ पौधरोपण

भागलपुर, 22 जून (तरूणमित्र)। कहलगांव प्लांटेशन प्रोजेक्ट मुहिम के तहत रविवार को तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय क्षेत्र अंतर्गत अवस्थित वेलफेयर एसटी हॉस्टल परिसर में पौधरोपण किया गया। प्रोजेक्ट इंचार्ज और पीजी बॉटनी विभाग के सीनयर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विवेक कुमार सिंह और छात्रावास अधीक्षक डॉ दीपक कुमार दिनकर ने हॉस्टल परिसर में कई छायादार और फलदार पौधे लगाकर प्लांटेशन मुहिम की शुरूआत की। मौके पर आंवला, आम, अमरुद, मोहिगिनी, सागवान आदि पौधे लगाए गए। प्रोजेक्ट इंचार्ज डॉ विवेक कुमार सिंह ने बताया की वेलफेयर हॉस्टल परिसर में करीब पांच सौ पौधे लगाने की योजना है। दो-तीन दिनों के भीतर सभी पौधे लग जायेंगे। प्लांटेशन के लिए हॉस्टल का परिसर काफी उपयुक्त और सुरक्षित है। उन्होंने कहा की विश्वविद्यालय परिसर एवं सभी महाविद्यालयों के परिसर को ग्रीन कैम्पस बनाया जाएगा। इसके लिए पहल जारी है। छात्रावास अधीक्षक डॉ दीपक कुमार दिनकर ने कहा ककि हर परिसर हरा परिसर, जल जीवन हरियाली और बर्थ-डे प्लांट बैंक स्कीम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छात्रावास परिसर में लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है। उन्होंने हॉस्टल के छात्रों से भी अपील किया है की वे भी कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। इस अवसर पर गौतम कुमार, शीश पासवान, किशोर पासवान, पवन कुमार, धर्मेंद्र कुमार, छोटू कुमार समेत कई छात्र मौजूद थे।

मरिया परमान नदी पर निर्माणाधीन पुल का विधायक ने किया औचक निरीक्षण

अररिया, 22 जून (तरूणमित्र)। फारबिसगंज विहायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने मरिया परमान नदी पर कोठीहाट किसान चौक पथ में निमार्णाधीन उच्च स्तरीय पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने चल रहे निर्माण कार्य और मटेरियल की भी जांच की और निर्माण कार्य में लगे एजेंसी को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।विधायक विद्यासागर केशरी ने बरसात से पूर्व गुणवत्तापूर्ण कार्य संपन्न करने का दिशा निर्देश दिया। मौके पर विधायक ने कहा कि इलाके के लोगों की पुल निर्माण की मांग वर्षों से थी।पुल निर्माण को लेकर उनके सार्थक पहल के बाद निर्माण कार्य शुरू हुआ है और इस पुल के निर्माण से दर्जनों गांव के ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत होगी।उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य को लेकर पुल निर्माण कार्य में लगे एजेंसी को बरसात से पहले गुणवत्तापूर्ण पुल निर्माण का निर्देश दिया गया है। विधायक के साथ भाजपा नेता मनोज झा और अन्य ग्रामीणों के साथ निर्माण कार्य में लगे एजेंसी के कर्मचारी मौजूद थे।

चकरदाहा के समीप मवेशी लदा पिकअप गाड़ी पलटा, एक मवेशी की मौत

अररिया, 22 जून (तरूणमित्र)। फारबिसगंज-नरपतगंज मुख्य मार्ग में चकरदाहा में एनएच 27 फोरलेन सड़क पर रविवार को मवेशी लदा पिकअप गाड़ी पलट गया। जिससे पिकअप पर सवार एक मवेशी की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि तीन मवेशी के पैर टूटने से घायल हो गए। पिकअप पर करीबन बीस मवेशी सवार था और उन्हें पिकअप पर दो खांचा बनाकर अमानवीय तरीके से लोड किया गया था। गाड़ी पर अधिकांश भैंस के बच्चे पररू सवार था। जिन्हें सिमराहा के हलहलिया स्थित मांस फैक्ट्री ले जाया जा रहा था। हादसे के बाद दूसरी गाड़ी से मवेशी को लोड कर सिमराहा के हलहलिया मांस फैक्ट्री वध करने के लिए भेजा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद नरपतगंज थाना पुलिस की गश्ती गाड़ी मौके पर पहुंची थी और वह देखकर बिना किसी कार्रवाई के वहां से निकल गई।स्थानीय नागरिकों ने बताया कि गाड़ी पर भैंस के अधिकांश बच्चे लोड थे और गाड़ी में तख्ता लगाकर दो खांच बनाकर अमानवीय तरीके से रखा गया था,जो स्पष्ट रूप से पशु क्रूरता अधिनियम का उल्लंघन था। उल्लेखनीय हो कि मांस फैक्ट्री में मवेशी के बच्चों और दुधारू पशु के काटने पर रोक है। केवल बीमार और लाचार बूढ़े पशुओं के वध करने का लाइसेंस में जिक्र है। बावजूद इसके बड़े पैमाने पर पुलिस और प्रशासन के सहयोग से मांस फैक्ट्री में दुधारू पशु से लेकर बच्चों तक का वध किया जाता है।

पेंशन भुगतान में अनियमितता को लेकर धरना

भागलपुर, 22 जून (तरूणमित्र)। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय का विवादों से चोली-दामन का नाता रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जवाहरलाल पर पेंशन भुगतान में अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए सिंडिकेट के सदस्य रविवार को कुलपति आवास परिसर में धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों में निर्लेश कुमार, मोहम्मद मुश्फिक आलम, के. के. मंडल और मुकेश कुमार जैसे वरिष्ठ सदस्य शामिल थे। इन्होंने कुलपति पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिना घूस दिए पेंशन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इतना ही नहीं सदस्यों ने बताया कि कुलपति अपने आवास को ही कार्यालय बना लिए हैं।

अगर प्रशासनिक भवन में बैठते तो परीक्षा विभाग में जो धांधली हुआ था वह धांधली नहीं होता। सदस्यों का आरोप है कि कुलपति ने अपनी जिम्मेदारी से हटकर दलाली की भूमिका अपना ली है। प्रदर्शन के दौरान सदस्यों ने चेतावनी दिया कि यदि उनकी मांगें शीघ्र पूरी नहीं की गईं तो वे चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। उनका कहना है कि यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय के तमाम सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हक से जुड़ा गंभीर मामला है। अब तक विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अगर उनकी मांगों की अनदेखी हुई तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है।

राजद नेता आयुष अग्रवाल ने मातृ शक्ति के साथ किया सीधा संवाद, तेजस्वी की घोषणाओं की दी जानकारी

अररिया, 22 जून (तरूणमित्र)। फारबिसगंज प्रखंड के भागकोहलिया पंचायत में राजद नेता इंजीनियर आयुष अग्रवाल ने रविवार को मातृ शक्ति के साथ सीधा संवाद किया।जिसमें उन्होंने राजद नेता तेजस्वी प्रसाद की घोषणाओं की जानकारी दी। जनसंपर्क के तहत मातृ शक्तियों के साथ सीधा संवाद किया गया।

इंजीनियर आयुष अग्रवाल ने माई-बहिन-मान योजना के तहत महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों की चर्चा की। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में राजद प्रतिबद्ध है। उन्होंने 200 यूनिट मुफ्त बिजली योजना का भी उल्लेख करते हुए कहा कि यह आमजन को सीधी राहत देने वाली योजना है, जिससे मध्यम और गरीब वर्ग के लोगों को महंगाई से कुछ राहत मिलेगी। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि में वृद्धि की घोषणा को उन्होंने नेता प्रतिपक्ष की संवेदनशील सोच का परिणाम बताया।

इंजीनियर अग्रवाल ने बेटी योजना की भी जानकारी दी, जिसे विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और भविष्य निर्माण को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से बेटियों को ना सिर्फ आत्मनिर्भर बनाया जाएगा, बल्कि समाज में उनकी भागीदारी भी बढ़ेगी। जनसंवाद के दौरान आयुष अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि नेता प्रतिपक्ष माननीय तेजस्वी प्रसाद यादव की मेहनत और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि बिहार की एनडीए सरकार दबाव में आकर सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि की घोषणा कर रही है। पिछले 20 वर्षों से नीतीश सरकार सोई रही। न उनके पास जनहित की सोच थी, न ही कोई नीति। लेकिन तेजस्वी जी की साफ नीयत और मजबूत इरादों ने नीतीश सरकार को बैकफुट पर ला दिया है। कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं ने राजद की नीतियों का समर्थन करते हुए बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया।

हथियार के साथ दवा कारोबारी के घर लूट का असफल प्रयास

अररिया, 22 जून (तरूणमित्र)। फारबिसगंज थाना क्षेत्र के परवाहा वार्ड संख्या बारह में बीती रात आठ से दस की संख्या में हथियार से लैस बदमाशों ने एक दवा कारोबारी के घर धावा बोलकर लूट का असफल प्रयास किया। बदमाशों ने घर की महिला को अपने कब्जे में लेकर उनके ऊपर चाकू से प्रहार कर उन्हें घायल कर दिया।

जिसका इलाज फाबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। रविवार को दवा कारोबारी विकास मिश्रा ने थानाध्यक्ष को आवेदन देकर घटना की जानकारी देते हुए अपने और अपने परिवार के सुरक्षा की मांग की। थानाध्यक्ष को दिए आवेदन में पीड़ित दवा कारोबारी विकास मिश्रा ने बताया कि बीती शनिवार की देर रात खाना वगैरह खाकर उनकी पत्नी निक्की मिश्रा घर के पिछले दरवाजा को खोलकर बाथरूम की ओर हाथ पैर धोने के लिए जा रही थी कि इसी क्रम में आठ से दस की संख्या में बदमाशों ने हथियार के साथ उनपर धावा बोल दिया। बदमाशों के बंदूक और चाकू से लैस होने की बात कही जा रही है।

बदमाशों ने निक्की मिश्रा पर हमला बोलते हुए घर के अंदर प्रवेश किया। बदमाशों के चंगुल में निक्की मिश्रा के चिल्लाने की आवाज सुनकर विवेक पिछले दरवाजे की ओर दौड़ा तो बदमाशों को घर के अंदर प्रवेश करते देखा। बदमाशों ने उसके ऊपर बंदूक तान दिया,लेकिन उन्होंने चिल्लाते हुए मुख्य दरवाजे की ओर भागने लगे। जिसके बाद अड़ोस पड़ोस के लोग जमा हो गए। अड़ोस पड़ोस के लोगों को देखकर बदमाश फायरिंग करते हुए पिछले दरवाजे से भाग निकला और इस दौरान पत्नी निक्की मिश्रा पर चाकू से प्रहार कर उन्हें घायल कर दिया। हालांकि बदमाश कुछ भी लूटपाट करने में असफल रहे। विवेक मिश्रा ने बताया कि तान्या इंटरप्राइजेज के नाम से वह दवा का होलसेल का काम करता है और बदमाश लूटपाट के ख्याल से ही उनके घर पर धावा बोला था।

कुख्यात शराब तस्कर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

पूर्णिया, 22 जून (तरूणमित्र)। भवानीपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर कुख्यात शराब तस्कर राजीव साह के पुत्र सुजीत कुमार को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। सुजीत अपने पिता के साथ मिलकर लंबे समय से अवैध शराब कारोबार में संलिप्त था। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सोनदीप पंचायत के धत्ताटोला स्थित राजीव साह के घर में अवैध शराब भंडारण की सूचना मिलने पर अवर निरीक्षक विकास कुमार के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की। पुलिस को देख दो लोग भागने लगे, जिनमें से एक राजीव साह का पुत्र सुजीत कुमार को पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी के बाद जब घर की तलाशी ली गई, तो विभिन्न ब्रांडों की भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई। सुजीत कुमार के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पूर्व में भी भवानीपुर थाना पुलिस ने सुजीत कुमार और उसके भाई अजीत कुमार के घर से बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की थी।

शौचालय साफ करने जा रही मलवाहन गाड़ी से टकराई मोटरसाइकिल, महिला की मौत

अररिया, 22 जून (तरूणमित्र)। फारबिसगंज प्रखंड के अड़राहा पंचायत के वार्ड संख्या 01 में रविवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका 12 वर्षीय पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब रानीगंज प्रखंड के जगता पंचायत वार्ड संख्या 02 निवासी मो. जगीर अपनी पत्नी और बेटे के साथ मोटरसाइकिल से घीवहा स्थित अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मो. जगीर जैसे ही अड़राहा गांव के समीप पहुंचे, सामने से एक मलवाहन गाड़ी सड़क पर तेज रफ्तार से गुजर रही थी। यह मलवाहन गाड़ी शौचालय की सफाई के लिए जा रही थी। उसी दौरान जगीर की मोटरसाइकिल असंतुलित होकर सीधे मलवाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल पर बैठी महिला सड़क पर गिर पड़ी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान मो. जगीर की पत्नी महरुम के रूप में की गई है। वहीं दुर्घटना में घायल 12 वर्षीय पुत्र को गंभीर अवस्था में सड़क से उठाकर स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक उपचार के लिए अनुमंडलीय अस्पताल फारबिसगंज भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही सामाजिक कार्यकर्ता प्रभात यादव मौके पर पहुंचे और घायल बच्चे को एंबुलेंस की व्यवस्था कर अस्पताल भिजवाया।

अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने बच्चे की हालत गंभीर देखते हुए तुरंत अररिया सदर अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि बच्चे के सिर और शरीर में गंभीर चोटें आई हैं और उसका इलाज जारी है। इधर, मृतका के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। घटना के बाद ट्रैक्टर मलवाहन? चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश जारी है। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। सामाजिक कार्यकर्ता प्रभात यादव ने इस दुखद हादसे पर गहरा शोक जताया है और प्रशासन से मांग की है कि मृतक महिला के परिजनों को त्वरित मुआवजा प्रदान किया जाए। साथ ही घायल बच्चे के इलाज की संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि ऐसे मलवाहन वाहनों के संचालन के दौरान सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए।

घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा के नियमों की घोर अनदेखी हो रही है। न तो भारी वाहनों के संचालन के लिए मार्ग निर्धारित हैं और न ही ट्रैफिक संकेतकों की व्यवस्था। नतीजतन, छोटी-छोटी लापरवाहियां जानलेवा साबित हो रही हैं। मृतक महिला के पति मो. जगीर इस दुर्घटना के बाद मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुके हैं। परिजनों और गांव वालों ने उन्हें सांत्वना दी, लेकिन पत्नी की मौत और बेटे की गंभीर स्थिति ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

प्रदेश के हर मतदाता तक 2025 में 225 और फिर से नीतीश का संदेश पहुँचाना है - उमेश सिंह

नीतीश कुमार हैं तो बिहार की तरक्की और उन्नति सुनिश्चित है - ललन कुमार सर्राफ

पटना , 22 जून (तरुणमित्र)। रविवार को जनता दल (यू0) द्वारा प्रदेश के कई विधानसभा क्षेत्रों में पंचायतवार/वार्डवार बूथ समिति की प्रथम चरण की बैठक का आयोजन लगातार दूसरे दिन भी सफलतापूर्वक किया गया, जिसमें बूथ जीतो - चुनाव जीतो कार्ययोजना पर गहन चर्चा हुई। बैठक के दौरान माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों के जन-कल्याणकारी एवं विकासोन्मुख शासन की उपलब्धियों को बुकलेट के माध्यम से प्रत्येक घर तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

साथ ही विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम, झूठ और दुष्प्रचार का तथ्यपरक जवाब देने, 15 वर्षों के कुशासन की सच्चाई से नए पीढ़ी के युवाओं को अवगत कराने को लेकर विचार-विमर्श हुआ। उक्त बैठकों में संबंधित क्षेत्रों के माननीय जनप्रतिनिधिगण, प्रदेश कमिटी के सदस्यगण, विधानसभा प्रभारीगण एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। इसके साथ ही, पार्टी के प्रदेश कार्यालय से माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर बैठको को संबोधित किया, साथ ही जरूरी दिशा निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि विकसित बिहार की संकल्पना को साकार करने के लिए 2025 में बिहार की बागडोर एक बार फिर माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को सौंपने का संकल्प लेना है। उन्होंने कहा कि बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बड़े प्रयासों की आवश्यकता होती है।

वर्ष 2025 का चुनाव बिहार को नई दिशा देगा, इसलिए नई पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में हम सभी साथियों की अहम भूमिका सुनिश्चित होनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने जोर देते हुए कहा कि हमारे नेता समाज के सभी तबकों को साथ लेकर चलते हैं। बीते 20 वर्षों के शासन में प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचा है। अतः हमें हर मतदाता तक पहुँचकर 2025 में 225 और फिर से नीतीश का संदेश पहुँचाना है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष झूठ पर आधारित राजनीति के सहारे सत्ता में वापसी का सपना देख रहा है। ऐसे लोगों से सचेत रहने और उनकी असलियत को बेनकाब करने की आवश्यकता है। विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री ललन कुमार सर्राफ ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में बिहार का स्वर्णिम काल चल रहा है।

केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार है, और हमारा प्रदेश तेज गति से प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार हैं, तो बिहार की तरक्की और उन्नति सुनिश्चित है। इसलिए सभी साथियों को चाहिए कि वे समर्पित भाव से अपने नेता के हाथों को और अधिक मजबूत बनाएं। बैठक के अवसर पर बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, वरीय नेता श्री अनिल कुमार, परमहंस कुमार एवं मीडिया सेल के प्रदेश अध्यक्ष श्री मनीष मंडल उपस्थित रहे।

दुष्कर्म का आरोपी 03 घंटे के अंदर गिरफ्तार

भागलपुर, 22 जून (तरूणमित्र)। भागलपुर के डीएसपी 2 राकेश कुमार ने रविवार को बताया कि बबरगंज थाना पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को 03 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। डीएसपी ने बताया कि बबरगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति के द्वारा एक लिखित आवेदन दिया गया। जिसमें उल्लेख किया गया है कि मेरी नाबालिग लड़की के साथ पड़ोस में रहने वाला एक युवक के द्वारा दुष्कर्म किया गया है। इस संबंध में बबरगंज थाना में सुसंगत धाराओं में मामला पंजीकृत किया गया। बबरगंज थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार द्वारा तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार तथा पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी में तथा राकेश कुमार पुलिस उपाधीक्षक नगर-02 के नेतृत्व में बबरगंज थाना की पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 03 घंटे में नामजद अभियुक्त मो साकिब को विधिवत गिरफ्तार किया गया। एफ एस एल टीम द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन किया गया एवं नाबालिग लड़की का विधिवत चिकित्सीय परीक्षण कराया गया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार

सोमवार, 23 जून 2025

विक्रम संवत्- 2082, आषाढ़ कृष्ण पक्ष- त्रयोदशी

अमेरिकी हमले के बाद

अमेरिका ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला करने के बाद ये कहा है कि ईरान को अब शांति का रास्ता अपनाना चाहिए, अन्यथा उसपर इससे भी बड़े हमले हो सकते हैं। अमेरिका ईरान पर हमले के संकेत पिछले एक हफ्ते से दे रहा था। उसने इसके लिए दो हफ्ते के अंदर की डेडलाइन भी तय कर दी थी, लेकिन उसने इसके पहले ही ईरान पर हमला कर दिया। ईरान पर अमेरिकी हमले के फौरी तौर पर दो अर्थ हैं, पहला यह कि इससे अब ईरान सहम जाएगा और पश्चिम एशिया में अमेरिकी धाक बनी रहेगी। दूसरा अर्थ है कि अमेरिका ने बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया है, जो अंततः उसके पराभव का कारण बन सकता है। इन दो विपरीत परिस्थितियों के अलावा भी संभावनाएँ हैं, जो शेष विश्व की प्रतिक्रिया और वैश्विक नेतृत्व की समझदारी पर निर्भर करेंगी, इसमें चीन, रूस और यूरोपीय संघ की भूमिकाएँ भी हैं। ईरान की तीन नाभिकीय साइटों पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर शांति स्थापित नहीं हुई, तो ईरान की दूसरी साइटों को भी अमेरिका निशाना बनाएगा। इसके बाद अमेरिकी सेना ने ईरान में तीन परमाणु स्थलों-फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर हमला किया। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने बयान जारी कर पुष्टि की कि ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर इस्लामिक ईरान के दुश्मनों द्वारा परमाणु अप्रसार संधि सहित अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के विरुद्ध हिंसक हमला किया और वह अंतर्राष्ट्रीय न्यायालयों में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। अमेरिकी और इजराइली हवाई हमलों से ईरान की परमाणु सुविधाओं को जो नुकसान पहुँचा है और शीर्ष परमाणु वैज्ञानिकों की हत्या हुई है, उसके कारण ईरान में शायद परमाणु हथियार बनाने की क्षमता नहीं है। फिर भी वह उस दिशा में आगे बढ़ सकता है और ऐसा करने के लिए उसे बाहर से मदद भी मिल सकती है। फिलहाल सभी की निगाहें फोर्डो पर टिकी हैं। क्योंकि यह संभव है कि ईरान के पास गुप्त परमाणु स्थल, जिनका उद्देश्य हथियार बनाना हो, जिसके बारे में अमेरिका और इजराइल को पता न हो, हालांकि ऐसे स्थानों के बारे में कोई सार्वजनिक सबूत सामने नहीं आया है। यदि ऐसा हुआ तो ईरान अमेरिकी हमले के मद्देनजर अपने परमाणु कार्यक्रम को गति देने के लिए अपने पास बचे हुए संसाधनों का उपयोग कर सकता है। यह भी जानना जरुरी है कि इस क्षेत्र में ईरान के सहयोगी, जैसे यमन में हूती, लेबनान में हिजबुल्ला और इराक के सशस्त्र समूह, लड़ाई में शामिल नहीं हुए हैं। अब यह कहा जा रहा है कि युद्ध के दौरान ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या भी कर दी जाए, तो ईरानी सेना की सबसे शक्तिशाली शाखा इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कोर देश पर नियंत्रण कर सकती है। वे पश्चिमी देशों के अनुकूल सरकार बना सकते हैं। संभावना यह भी है कि अयातुल्ला अली खामनेई की जगह कोई और ज्यादा चरमपंथी व्यक्ति देश का नेतृत्व करके लंबी लड़ाई का आधार तैयार करे। ऐसी लड़ाई के लिए भी बाहरी सहायता चाहिए। चीन और रूस उसके साथ हैं, पर वे लंबी कट्टरपंथी लड़ाई में साथ नहीं दे पाएँगे क्योंकि उनकी दिलचस्पी भी कारोबार और व्यापार में है। उधर यह भी सामने आया है कि यदि ईरानी सेना जल्दी से खुद को मजबूत नहीं करेगी, तो ईरान अराजकता या गृहयुद्ध में फँस सकता है।

शुरू हो गया खेल !

धमकी और धमाका ।
शुरू हो गया खेल ।।
अपने अपने स्तर पर ।
रहे सब धकेल ।।
है बमबारी चरम ।
खतरा भी मंडराया ।।
बैठकों का दौर ।
डर का भी तो साया ।।
दूर दूर तक कोई ।
दिखतता नहीं उपाय ।।
हैं हम ही अब ताकतवर ।
खुल कर दिया बताय ।।
दोराहे पर दुनिया ।
सब कुछ रही निहार ।।
कब किधर और कैसे ?
हो जाए प्रहार ।।

कृष्णेन्द्र राय

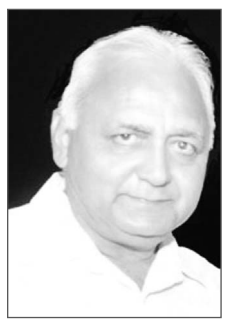

तनवीर जाफरी

कौन देश तय करेगा परमाणु शस्त्र कौन रखे ?

इस्राईल-ईरान के बीच छिड़े आधुनिक युद्ध ने पूरे विश्व को स्तब्ध व चिंतित कर दिया है। इस्राईल गत कई वर्षों से ईरान को युद्ध में खींचने की पूरी कोशिश कर रहा था परन्तु ईरान सीधे युद्ध में कूदने से बचता आ रहा था। परन्तु गत 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला कर दिया।

इस हमले के कुछ ही समय बाद इस्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने एक टीवी प्रसारण में इस हमले को उचित ठहराते हुये ईरान पर परमाणु बम बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और अपनी चिंता दोहराई कि ईरान का परमाणु बम इस्राईल को नष्ट कर सकता है। इस्राईल ने ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सेना कमांडर भी मार दिये। इस्राईल ने 13 जून को ईरान पर हमला उस समय किया जबकि दो दिन बाद ही यानी 15 जून को ईरान और अमरीका के मध्य परमाणु समझौता होने की तारीख तय थी और यह समझौता किसी निष्कर्ष पर पहुँचने की उम्मीद भी की जा रही थी। परन्तु इस्राईल ने समझौते के पहले ही हमला कर ईरान को बड़ा धोका दे दिया।

इस्राईली हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस हमले की पहले से जानकारी थी और इस हमले में कई ईरानी कट्टरपंथी (परमाणु वातार्कार) मारे गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह समझौता नहीं करता, तो और बड़े हमले झेलने पड़ सकते हैं। यही नहीं बल्कि ट्रंप ने इस्राईल की पीठ थपथपाते हुये इस्राईली हमलों को 'शानदार' बताया और कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा छोड़नी होगी। साथ ही ट्रंप ने अमेरिका को इस्राईल का सबसे बड़ा सहयोगी भी बताया। साफ है ईरान पर इस्राईल द्वारा धोखे से किये गये इस हमले का अमेरिका भी बराबर का साझीदार है। अब जरा 2003 के उस दौर को भी याद कीजिये जब इराक में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन, ने यह दावा किया था कि सद्दाम हुसैन के पास रासायनिक, जैविक और संभवतः परमाणु हथियार भी हैं जो वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं। यह दावा खुफिया जानकारी पर आधारित बताया गया था। इसी 'खुफिया जानकारी' को बहाना बनाकर अमेरिका ने 'ऑपरेशन इराकी फ़्रीडम' के नाम से इराक पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की और इराक को तबाह कर के छोड़ा। यहाँ तक कि स्थानीय अदालत का गठन कर सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ा दिया। इराक में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां

रासायनिक, जैविक और सामूहिक विनाश के हथियार होने की जानकारी गलत साबित हुई। वहां ऐसे हथियार होने के कोई सबूत नहीं मिले। जगजाहिर है कि अमेरिका द्वारा इराक पर सैन्य कार्रवाई वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और मध्य पूर्व में अमेरीकी सामरिक प्रभाव बढ़ाने की इच्छा के तहत की गयी। इराक की तबाही व सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने यह तर्क भी दिया था कि सद्दाम हुसैन का तानाशाही शासन इराकी जनता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक था।

बहरहाल आज वही अमेरिका जिसने केवल इराक ही तबाह करने की कोशिश नहीं की बल्कि वह जापान पर 6 और 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराने का भी गुनहगार है। वह अमेरिका जो कोरिया, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, क्यूबा, कांगो, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया, ग्रेनेडा, लेबनान, सीरिया, लीबिया, अल साल्वाडोर, निकारागुआ, ईरान (1987) पनामा, इराक, कुवैत, सोमालिया,बोस्निया, सूडान, अफगानिस्तान, योगोस्लाविया जैसे देशों पर हमले करने व वहां की सत्ता को अस्थिर करने का जिम्मेदार हो, क्या वह अमेरिका तय करेगा कि किस देश को परमाणु शस्त्र रखना चाहिए और किसे नहीं ? या फिर फिलिस्तीन की जमीन पर अमेरिका ब्रिटेन की शह पर कब्जा जमाये बैठा वह अवैध देश इस्राईल जिसपर गजा में लगभग 82,000 लोगों को मारने व लगभग 20 लाख लोगों को बेघर कर क्षेत्र में मानवीय संकट खड़ा का आरोप है वह तय करेगा कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिए और किसे नहीं? जो देश स्वयं पूरे विश्व में अस्थिरता फैलाने, क्षेत्रीय संघर्ष भड़काने, शस्त्रों के व्यवसाय तथा तेल जैसी सम्पदा पर गिद्ध दृष्टि रखते हों पड़ोसी देशों में फूट डलवाकर युद्ध भड़काना ही जिनका वयवसाय बन चुका हो वह देश कैसे निर्धारित कर सकते हैं कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिये किसे नहीं? आज विश्व में जिनदेशों के पास परमाणु शस्त्र हैं उनमें सबसे बड़ा जखीरा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। इसके अतिरिक्त रूस, चीन, फ्रांस, यूके (ब्रिटेन), इस्राईल, उत्तर कोरिया, भारत व पाकिस्तान जैसे देश भी परमाणु शस्त्र धारक देशों में गिने जाते हैं। बावजूद इसके कि ईरान अभी तक यह कहता आया है कि उसके द्वारा किया जा रहा परमाणु संवर्धन उसकी ऊर्जा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिये है। फिर भी यह क्यों जरूरी नहीं कि मानवता का सबसे बड़ा हत्यारा देश इजराईल जो भूखे, निहत्थे बच्चों व बुजुर्गों औरतों का लगातार नरसंहार करता आ रहा, जो अपनी सैन्य शक्ति और अमेरिका की शह के बल पर अपने कब्जे की जमीन का लगातार विस्तार करता जा रहा हो जो उसे पनाह देने वाले देश फिलिस्तीन के लोगों को ही उनकी मातृभूमि से बेदखल करने की साजिश रच रहा हो,जो अमरीका के इशारे पर पूरे मध्य एशिया में फूट डालने वाली राजनीति कर रहा हो आखिर क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिये उसके सामने ईरान जैसे देश का डटकर खड़ा होना जरूरी क्यों नहीं ? क्या इस पूरे मध्य क्षेत्र को अमेरिका इस्राईल के रहमो-करम पर जीने के लिये छोड़ देना चाहिये? ताकि जब चाहें और जिस देश को चाहें गजा, यमन व लेबनान बना सकें ?

निश्चित रूप से युद्ध से बुरी कोई स्थिति नहीं होती। हमेशा इस त्रासदी का शिकार बेकुसूर महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग होते आये हैं। युद्ध से मानवता आहात होती है। सही मायने में तो पूरे विश्व को ही न केवल परमाणु शस्त्र मुक्त बल्कि पूरा विश्व निःशस्त्र भी होना चाहिये। परन्तु अमेरिका इजराईल जैसे देशों द्वारा जब अपनी ताकत का दुरूपयोग दशकों से किया जाता रहा हो और यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा हो ऐसे में इन्हें 'वाक ओवर' देने के बजाये इनके सामने अपने स्वाभिमान के लिये संकल्पबद्ध होकर खड़े होना कौन सा जुर्म है ? अमेरिका व इस्राईल के सामने ईरान के सिर उठाकर खड़े होने जैसे फौलादी इरादों की आज दुनिया सराहना कर रही है। परन्तु यह देश आज कभी ईरान के निष्कासित रजा शाह पहलवी के पुत्र के काँधे पर सवार होकर तो कभी भीतरी फूट डालकर कभी मोसाद का इस्तेमाल कर ईरान को अस्थिर करने की पुरजोर कोशिश में लगा है। इनकी गिद्ध दृष्टि इस बात पर टिकी है कि किसी तरह वर्तमान संकल्पवान व स्वाभिमानी ईरानी सत्ता को बेदखल कर अपनी पिट्ठू सरकार बनाई जाये और ईरान को अस्थिर कर यहाँ भी मनमर्जी से तेल दोहन किया जा सके। परन्तु शहादत को अपना आभूषण समझने व दास्तान ए करबला से प्रेरणा लेना वाला यह देश अमेरिका व इजराईल की घुड़कियों को कुछ भी नहीं समझ रहा। क्या ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार नहीं? क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश ही यह तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे और कौन न रखे ?

(ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।)

फिर लहराया देश का कूटनीतिक परचम

भविष्य की आहट

डा. रवीन्द्र अरजरिया

समूची दुनिया में जंग के हालात पैदा होते जा रहे हैं। कहीं सत्ता के लिए गृह युद्ध की परिस्थितियां हैं तो कहीं पडोसियों के साथ संघर्ष का माहौल है। कहीं वर्चस्व की लडाई हो रही है तो कहीं अहंकार का परचम फहरा रहा है। ऐसे में व्यक्तिगत जीवन को विलासता के हिडोले पर पहुंचाने के लिए विदेशों में जाकर नौकरियां करने से लेकर शिक्षा लेने वालों की भीड़ अब देश के लिए संकट बनती जा रही है। स्वयं के निर्णय पर परदेश जाने वाले जब वहां संकट में घिर जाते हैं तब उनके परिजनों से लेकर विपक्षी नेताओं तक का दबाव सरकार पर डाला जाने लगता है।

सुरक्षित वापसी का जिम्मा सरकार पर थोपा जाता है। इन प्रयासों में आने वाला खर्च भी टैक्सदाताओं की खून-पसीने की कमाई से चुकाया जाता है। विदेश नीति के तहत सरकार के कूटनैतिक प्रयास तेज किये जाते हैं। अतीत गवाह है कि रूस-यूक्रेन जंग में वहां से भारतीयों को निकालने में सरकार को भारी मशक्कत का सामना करना पड़ा था। उस दौरान नापाक धरती के वाशिन्दों तक ने भारतीय झंडे की आड़ में सुरक्षित वापिसी की थी। उसकी पुनरावृत्ति एक बार फिर हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध छिड़ गया। वहां पर फंसे लोगों को निकालने का एक बार फिर दबाव बनाया गया। सरकार ने 'आपरेशन सिंधु' के तहत कूटनैतिक प्रयासों से लेकर निजी संबंधों तक की दुहाई दी। परिणामस्वरूप केवल भारतीयों के लिए ही ईरान से एयर स्पेस खोला। वहां के भारतीय दूतावास के माध्यम से नागरिकों को पहले अर्मेनिया और फिर कतर के रास्ते स्वदेश लाया गया था किन्तु अब ईरान की महन एयर की चार्टेर्ड प्लाइट्स का उपयोग किया जा रहा है। अभी तक तीन चरणों में लोगों की वतन वापिसी हुई है।

दहशत के माहौल से वापिस आने वालों ने देश में पहुंचते ही सरकार को सुख-सुविधाओं की सूची पकड़ा दी। घरों तक पहुंचने के लिए बसों से यात्रा नहीं करेंगे, हवाई यात्रायें उपलब्ध कराई जायें, आरामदायक विश्राम हेतु आवास दिया जाये, मनचाहा भोजन कराया जाये। जम्मू-कश्मीर स्टूडेन्ट्स एसोसिएशन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर ईरान से सुरक्षित वापिस लाये गये छात्रों की चार दिन की यात्रा को थकाऊ बताया तथा उन्हें बसों के स्थान पर हवाई यात्रा उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने तो सरकार पर वापिस आये लोगों के पुनर्वास तथा पढ़ाई का जुम्मा तक थोप दिया।

उल्लेखनीय है कि कश्मीर से हिन्दुओं को भगाने वाले कट्टरपंथी परिवारों के हजारों छात्र वर्तमान में तेहरान, शीराज और कुम जैसे शहरों की शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश लिए हुए हैं। देश में सक्रिय अनेक आतंकवादी संगठन अपने युवा सदस्यों को पढ़ाई के नाम पर ईरान जैसे देशों में भेजकर प्रशिक्षिण दिलवाते हैं। वहां पर अत्याधुनिक हथियारों को चलाने, घातक बम बनाने तथा साइबर उपकरणों की प्रयोगात्मक शिक्षा दी जाती है। एक्सपोजर विजिट के नाम पर अन्य कट्टरपंथी देशों की यात्रायें भी करायी जातीं हैं जहां आतंकी संगठनों के उनका सीधा सम्पर्क हो जाता है। एक ओर देश के अन्दर राष्ट्रद्रोहियों की गतिविधियां सुनियोजित षडयंत्र के तहत चल रहीं है वही दूसरी ओर वर्तमान परिस्थितियों में भारत की विदेश नीति, कूटनीति और व्यवहारिक नीति दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। जहां इजरायल-हमास, इजरायल-ईरान और रूस-यूक्रेन जैसे युद्ध लम्बे समय से चल रहे हैं वहीं भारत ने पाकिस्तान को चन्द घंटों में ही सबक सिखाकर अपना परचम फहरा दिया। दुनिया के चौधरी बनने का सपना सजोने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आइना दिखाया। उनकी मध्यस्थता वाली घोषणा को सिरे से नकारा। उनके आमंत्रण को पूर्व निर्धारित व्यस्तताओं का हवाला देकर अपना इरादा जाहिर कर दिया। वैश्विक स्तर पर भारत की उभरती छवि से जहां अनेक विकसित राष्ट्रों के सीने पर सांप लोट रहे हैं वहीं उन राष्ट्रों के लिए काम करने वाले मीरजाफरों की जमातें आन्तरिक कलह के लिए देश के अन्दर धरातल तैयार करने में जुटीं हैं। वर्तमान में ईरान से लौटे कश्मीरी छात्रों व्दारा पैदा किया गया घटनाक्रम एक बानगी है जिसमें अहसान फरामोशों की जमात सुरक्षाकवच में आते ही अपना असली रंग दिखाने लगी है। विदेश प्रवास पर जाने के पहले क्या भारत सरकार से कोई अनुमति, स्वीकृति या अनुबंध किया था कि मुसीबत की घडी में सरकार उत्तरदायी होगी जिसके आधार पर दावेदारी निर्धारित की जा रही है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नयी आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।)

आपातकाल विस्मृत न हो

डॉ. आशीष वशिष्ठ

अंग्रेजों से आजाद होने के बाद भारत लोकतांत्रिक देश तो बन गया, लेकिन ठीक 25 साल बाद तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी की ओर से थोपी गई इमरजेंसी में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ गई थी। 25 जून 1975 की आधी रात में अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए इंदिरा ने तानाशाही का ऐसा नमूना पेश किया, जो उस पीढ़ी के लोग अब भी नहीं भूल पाए हैं।

बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। इस कदम के बाद सदन में कांग्रेस सांसदों ने विरोध किया। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। संयोगवश, इंडिया ब्लॉक के सदस्यों ने एक दिन पूर्व 24 जून को सदस्य के रूप में शपथ लेते समय संविधान की प्रतियां उठाई थीं। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए? क्या कांग्रेस चाहती है कि आपातकाल पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। लेकिन आपातकाल के भुगतभोगी आम लोगों और नेताओं का मानना है कि अतीत की भूलों को विस्मृत करने से उनके दोहराए जाने का खतरा बढ़ जाता है। वास्तव में कांग्रेस और उसके नेता आपातकाल की गलती को स्वीकार नहीं करते। अगर वह अपनी गलती स्वीकार करते तो वह यह कहने की हिम्मत जुटाते कि 49 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से देश पर आपातकाल थोपने और राजनीतिक विरोधियों, मीडिया एवं जनता के खिलाफ दमन का चक्र चलाना एक भूल थी।

कांग्रेस को आपातकाल की याद दिलाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि पिछले कुछ समय से वह संविधान के खतरे में होने का फर्जी हौवा खड़ा कर उसके प्रति प्रतिबद्धता जताने में लगी हुई है। यह ठीक है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का संख्या बल बढ़ा है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह दबे-छिपे स्वर में आपातकाल को सही ठहराने की कोशिश करती दिखने लगे। उसकी यह कोशिश तो आपातकाल के स्मरण को और अधिक आवश्यक ठहराती है। यदि वह संविधान के प्रति इतनी ही अधिक प्रतिबद्ध है तो फिर यह क्यों नहीं स्वीकार करना चाहती कि इंदिरा गांधी ने अपनी संसद सदस्यता खारिज किए जाने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए आपातकाल का सहारा लिया और इस क्रम में इसी संविधान को कुचला और उसकी प्रस्तावना को मनमाने तरीके से बदल दिया। नयी पीढ़ी तो आपातकाल की विभीषिका से बिल्कुल अपरिचित है। बातचीत के क्रम में इस पीढ़ी ने आपातकात शब्द जरूर सुना होगा लेकिन 25-26 जून, 1975 की रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल के दंश की कई पीढ़ियां भुक्तभोगी हैं। आपातकाल के दौरान पूरा देश कारागार में परिवर्तित हो गया था। विपक्ष के सभी नेताओं को रात में ही जगा कर नजदीकी जेल में जबरन उन्हें डाल दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस और जमात-ए-इस्लामी सहित 26 संगठनों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया।

आपातकाल के मुखर आलोचक रहे फिल्मी कलाकारों को भी इसका दंश झेलना पड़ा। किशोर कुमार के गानों को रेडियो और दूरदर्शन पर बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। देव आनंद को भी अनौपचारिक प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था। आपातकाल की कहानी को बार-बार दोहराना इसलिए भी जरूरी है कि आज की युवा पीढ़ी कम से कम यह जान ले कि जो आजादी और स्वतंत्रता उसे अनायास मिली है, सहज सुलभ है, वह दरअसल कितने बलिदानों से मिली है और उसे कायम रखने के लिए कितनी लड़ाइयां हुई हैं! लोगों को पता चलना चाहिए कि संविधान की हत्या किसे कहते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के शब्दों में, "आपातकाल की घोषणा ने देश की लोकतांत्रिक संरचना को हिला कर रख दिया। लोकतांत्रिक व्यवस्था के कमजोर पक्षों पर व्यापक विचार विमर्श हुआ और देश ने दोबारा कभी भी इसे नहीं लगाए जाने का प्रण किया। यह प्रतिज्ञा तभी बनी रहेगी जब देश बार बार उस आपातकाल से मिलने वाले सबक को याद करता रहेगा। खास कर, युवाओं को आजाद भारत के उस काले अध्याय की जानकारी और उससे मिले सबक को जानना होगा।" देश में आपातकाल लागू होने के बाद कई त्रासद घटनाएं हुईं। दिल्ली का तुर्कमान गेट कांड भी इनमें एक था। मुस्लिम बहुल उस इलाके को संजय गांधी ने दिल्ली के सौंदर्यीकरण के नाम पर खाली करा दिया। यह काम लोगों की सहमति से नहीं, बल्कि जबरन किया गया गया। बुल्डोजर से लोगों के घर ढहाए गए। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया। विरोध के दौरान पुलिस ने लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस ने गोलियां भी चलाईं। चार लोगों की जान चली गई। संजय गांधी ने तब तक परिवार नियोजन का अभियान छेड़ दिया था। सड़क से भिखारियों, झोपड़पट्टी के लोगों और राहगीरों को पकड़ कर जबरन नसबंदी के टार्गेट पूरे किए जाने लगे। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 18 अक्टूबर 1976 को नसबंदी अभियान का विरोध कर रहे आंदोलकारियों पर पुलिस ने सीधी फायरिंग कर दी थी। जिसमें 42 बेगुनाहों की मौत हो गई थी। मृतकों की स्मृति में यहां शहीद चौक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान देशभर में 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी। तत्कालीन अटार्नी जनरल नीरेन डे ने तब सुप्रीम कोर्ट में यह कबूल किया था कि जीने का अधिकार स्थगित है। यदि स्टेट आज किसी की जान भी ले ले तो भी उसके खिलाफ कोई व्यक्ति कोर्ट की में नहीं जा सकता। ऐसे मामलों को सुनने के कोर्ट के अधिकार खत्म कर दिए गए हैं। ऐसा तो अंग्रेजों के राज में भी नहीं था। विलायती शासन में भी कम से कम जनता को कोर्ट में जाने की छूट तो मिली हुई थी। आपातकाल की अवधि के दौरान सत्ता के दुरुपयोग, कदाचार और ज्यादतियों के विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेसी शाह की अध्यक्षता में शाह आयोग का गठन किया था। आयोग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि आपातकाल के दौरान एक लाख से ज्यादा लोगों को निवारक हिरासत कानूनों के तहत गिरफ्तार किया गया था। 24 जून 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इमरजेंसी का जिक्र करते हुए कहा- "जो लोग इस देश के संविधान की गरिमा को समर्पित हैं, जो लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर निष्ठा रखते हैं, उनके लिए 25 जून न भूलने वाला दिवस है।" इमरजेंसी के विरोध में केंद्र की बीजेपी सरकार ने हर साल 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है।

असल में, 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का मकसद संविधान की हत्या करने वालों और इस घटना से लोगों को हुई तकलीफों के बारे में आज की पीढ़ी को परिचित कराना है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, जब भी मैं निराशा होता हूं, तब इतिहास के पन्नों को पलटकर सत्य और प्रेम की जीत को दोहराने वाले तथ्यों का स्मरण करता हूं। इतिहास के पन्नों पर आतातायी और हत्यारे भी रहे हैं और कुछ पल के लिए वो अजेय भी दिखे लेकिन यह खास ख़्याल रखें कि अंत में उनका खात्मा हुआ है। जीत हमेशा सत्य की हुई है। हमें अपने कटु अनुभवों से सीख लेने की आवश्यकता है, ताकि न्यू इंडिया के सपने को साकार कर सकें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।)

सूडोकु नवताल- 7469

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7468 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

आज का राशिफल

मेष: पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

वृष: अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी।

मिथुन: रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कर्क: उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

सिंह: सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

कन्या: घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी

तुला: वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा

वृश्चिक: अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

धनु: बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी।

मकर : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा।

कुम्भ: बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे।

मीन: जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी।

पं0 सुभाष पाण्डेय: हस्तरेखा विशेषज्ञ, मो. 8808052918

नेपाल से लाई जा रही शराब की बड़ी खेप बरामद

पूर्वी चंपारण,22 जून (तरूणमित्र)। रक्सौल में आबकारी विभाग ने बड़ी कारवाई करते हुए नेपाल से बोलेरो पर लाद कर लाई जा रही शराब की बड़ी खेप बरामद किया है। इसकी पुष्टि करते हुए रक्सौल के आबकारी इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रक्सौल के सिसवा बॉर्डर के रास्ते शराब की खेप भारत में प्रवेश करने वाली है। सूचना मिलते ही विभाग ने तत्काल एक विशेष टीम गठित कर सिसवा सीमा क्षेत्र में निगरानी तेज कर दी। इसी दौरान एक बलेरो वाहन नंबर इफ 24ढ 5647 को संदिग्ध अवस्था में सीमा पार करते हुए देखा गया। जब पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, तो उक्त वाहन

रामगढ़वा की ओर भागने लगा। जिसका पीछा किया गया और कुछ दूरी पर जाकर वाहन को पकड़ लिया। हालांकि, पुलिस को पीछा करते देख तस्कर वाहन को छोड़कर मौके से फरार हो गये। जांच के दौरान वाहन से कुल 75 कार्टून में भरी 675 लीटर नेपाली शराब बरामद की गई। पूरा वाहन शराब से लदा हुआ था, जिसे तस्करी के इरादे से भारत में लाया जा रहा था।

इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद ने बताया कि जब्त शराब और वाहन को विभागीय प्रक्रिया के तहत कब्जे में ले लिया गया है। साथ ही फरार तस्कर की पहचान और वाहन मालिक की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई से सीमा क्षेत्र में सक्रिय शराब तस्करों को बड़ा झटका लगा है। उन्होने कहा सीमाई क्षेत्र में विभाग चौकसी बरत रहा है।यह कारवाई आगे भी जारी रहेगा।

15 हजार की इनामी महिला स्मैक तस्कर ने न्यायालय में किया आत्मसमर्पण

पूर्वी चंपारण,22 जून (तरूणमित्र)। जिला के हरैया थाना कांड संख्या-14/24 की वांछित एवं 15 हजार की ईनामी अभियुक्त पथली खातून उर्फ.अनवरी खातून पिता-नईम मिया,ग्राम बड़ा परेवा, थाना-हरैया ने पुलिस दबिश के कारण न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। उल्लेखनीय है,कि पथली खातुन लंबे समय से मादक द्रव्यो की तस्करी में संलिप्त थी।पुलिस इसे लंबे समय से तलाश रही थी।बीते दिनो पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने इसके उपर 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

ह्यूमैनिटी टीम ने किया श्यामलाल चिकित्सा महाविद्यालय के ब्लड बैंक का निरीक्षण

पत्रकार नगर,खगड़िया,22 जून (तरूणमित्र)। जिले की एक मात्र रक्तसेवी संस्था ह्यूमैनिटी ब्लड डोनर्स ग्रुप की कार्यकारिणी टीम ने श्यामलाल चंद्रशेखर चिकित्सा महविद्यालय के ब्लड बैंक का निरीक्षण किया।

लगभग पिछले सात सालों से ये टीम खगड़िया जिलावासियों के लिए वरदान साबित हो रही है।आज इस मौकापरस्त दुनिया मे जहां लोग अपने रिश्तेदारों के लिए ब्लड देने से भागते हैं वहीं इस टीम ने लगभग 4000 परिवार को नई जिंदगी दी है।डॉ विवेकानंद और इंजीनियर धर्मेंद्र कुमार के साथ ह्यूमैनिटी के संस्थापक मनीत सिंह मन्नू,अध्यक्ष

डॉ जैनेन्द्र नाहर,सचिव नवीन गोयनका,उपाध्यक्ष प्रणव प्रभात, अमित बजाज और विकाश कुमार ने पूरा हॉस्पिटल भ्रमण किया और आगे रक्तदान करने की प्रक्रिया पे चर्चा भी की। आने वाले समय मे कॉम्पोनेन्ट मशीन से लैस ये ब्लड बैंक भी खगड़िया वासियों के लिए नई सौगात लेकर आया है,अब प्लाज्मा प्लेटलेट्स के लिए मरीजों को मुंगेर या बेगूसराय का रुख नही करना पड़ेगा।सारी सुविधाएं मरीजों को खगड़िया में ही उपलब्ध हो जायेंगी।

एसपी ने किया तुरकौलिया थाना का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

मोतिहारी पु.च.,22 जून (तरूणमित्र)। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने शनिवार को तुरकौलिया थाना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सर्किल इंस्पेक्टर, थानाध्यक्ष एवं सभी अनुसंधानधारियों के साथ लंबित कांडों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने विशेष रूप से हत्या, लूट, बलात्कार, अपहरण और एनडीपीएस जैसे गंभीर मामलों में फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि शराब कारोबारियों एवं भूमाफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। जो शराब माफिया लंबे समय से फरार हैं और न्यायालय में

हाजिर नहीं हो रहे हैं, उनके विरुद्ध संपत्ति कुर्की के लिए न्यायालय से याचना पत्र दायर किया जाए।

एसपी ने बताया कि तुरकौलिया थाना में करीब 1200 मामले लंबित हैं। उन्होंने सभी मामलों में शीघ्र आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित करने के निर्देश दिए। साथ ही शराब विनिष्टीकरण से संबंधित मामलों में लंबित प्रस्तावों को भी जल्द से जल्द न्यायालय में प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने थाना क्षेत्र के सभी पंचायतों में सक्रिय शराब माफियाओं की पहचान कर उनके विरुद्ध विशेष अभियान तेज करने का भी निर्देश दिया। एसपी के निरीक्षण से पुलिस महकमे में सक्रियता बढ़ी है और लंबित मामलों में जल्द प्रगति की उम्मीद जताई जा रही है।

गांधी इंटर विद्यालय में मना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बेलदौर , खगड़िया,22 जून (तरूणमित्र)। प्रखंड मुख्यालय के गांधी इंटर विधालय के खेल मैदान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लोगों ने योगाभ्यास कर तन एवं मन को निरोग रखने का संकल्प लिया। जानकारी के मुताबिक शनिवार की अहले सुबह उक्त खेल मैदान में योग प्रेमियों की भीड़ उमड़ पड़ी एवं योग प्रशिक्षक दिलीप कुमार साह के देखरेख में योग प्रेमियों ने कठिन से कठिन योग का अभ्यास कर इसके लाभ से अवगत हुए।

इस दौरान योग प्रेमियों ने उनके निर्देशन पर कपाल भाती, प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका आदि योग का अभ्यास कर इनके फायदे की जानकारी ली। वही योगाभ्यास कराते प्रशिक्षक दिलीप कुमार ने बताया कि योग करने तन एवं मन निरोग रहता है इसकी पुरी गारंटी है। इन्होंने बताया कि जटिल से जटिल विमारियो का उपचार योग से संभव है इसके लिए भोजन एवं दिनचर्या को दुरुस्त करते नियमित योगाभ्यास की जरूरत है।

इस दौरान योग प्रेमियों ने भी एक एक कर बतायें जा रहे योग का अभ्यास कर शरीर में बेहतर अनुभूति का अहसास कर नियमित रूप से इसका अभ्यास का करने का निर्णय लिया।इस दौरान योग के महत्ता की जानकारी देते रक्तदाता सन्नी कुमार ने युवाओं को रक्तदान के फायदे बताए एवं शरीर को निरोग एवं दुसरे को जीवनदान देने के लिए रक्तदान करने की अपील की ।

वही शिविर में ही एक दर्जन युवाओं ने रक्तदान करने का संकल्प लेकर समाजसेवी सह रक्तदाता मनोज कुमार के पर्यवेक्षण में रक्तदान करने भागलपुर के लिए रवाना हो गए। मौके पर योग प्रेमी अशोक हितेषी, सन्नी कुमार,बालो साह ,श्रवण भगत, शिवकुमार अग्रवाल ,दिलीप भगत समेत दर्जनों योग प्रेमी मौजूद थे।

प्रशासन के पहल पर कुरसाहा में महिला ने आत्मदाह की घोषणा वापस लिया

मोहिउद्दीननगर (समस्तीपुर),22 जून (तरूणमित्र)। कुरसाहा में रास्ते के विवाद को लेकर एक महिला ने सामूहिक आत्मदाह की घोषणा की थी जिसकी सूचना पर स्थानीय पुलिस व अंचल के राजस्व पदाधिकारी ने आकर मामले को सुलझाने का आश्वासन देकर आत्मदाह को वापस करवा दिया। महिला की पहचान कुरसाहा गांव निवासी पप्पू कुमार की पत्नी बबीता देवी के रूप में हुई है। उक्त महिला ने पूरे परिवार के साथ रास्ते के विवाद को लेकर आत्मदाह की घोषणा की थी। बताया जाता है उनके घर के सामने सरकारी जमीन है जिस पर शिव कुमार अतिक्रमण करते हुए करकट का सेड खड़ा कर दिया है जिससे उन्हें आने जाने में परेशानी होती है।

इस संबंध में आरओ सृष्टि सागर ने बताया कि इसमें अतिक्रमण बाद भी चला है। जिसमें 30 जून तक इसे खाली करवाने की बात कही गई। इस पर बबीता देवी ने आत्मदाह करने की घोषणा वापस कर लिया है। वहीं आरओ ने बताया कि 10 जुलाई तक इस मामले का समाधान कर दिया जाएगा। मौके पर थाना अध्यक्ष गौरव प्रसाद, नंदकिशोर कापर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्वच्छताकर्मियों के मांगों लेकर पप्पू डोम का होगा शंखनाद

हरिशेखर यादव

परवत्ता,खगड़िया,22 जून (तरूणमित्र)। परबत्ता नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत वार्डों में काम करने वाले स्वच्छता कमी को कई माह से बेतन व कार्य नहीं करने का प्रशासन द्वारा आदेश देने को लेकर आक्रोशित दिखे । इस संबंध में परवत्ता नगर क्षेत्र के अंतर्गत अगवानी ग्राम पहुंचकर स्वच्छता कर्मियों से मिले और स्वच्छता कर्मियोंर्मियों ने अपनी अपनी आपबीती कहानी बताते हुए कहा हमारा नेता पप्पू डोम हम लोग के समस्या को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। बोले बिपिन मल्लिक प्रशासन के द्वारा हम लोगों को झूठा आश्वासन देकर दिगभ्रमित करते जा रहे हैं क्वहीं कई महिला स्वच्छता कर्मियों ने भी अपने-अपने विचारों को रखा जबकि राजद के प्रदेश सचिव पप्पू डोम ने कहा स्वच्छता कर्मियों के मांगों को लेकर प्रशासन को अल्टीमेटम दिए गए है, अश्वासन मिला है और ससमय मांगें पुरी नहीं होने पर 4 तारीख को बृहत पैमाने पर आन्दोलन का शंखनाद किया जाएगा । राजद नेता ने कहा आज हमारे समाज से छुआ छुत के साथ ही सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा आंदोलन का रूपरेखा तैयार करने को लेकर डोर टू डोर समस्याओं को लेकर जा रहे हैं तथा आंदोलन को लेकर जागरूक भी कर रहे हैं । मौके पर कई स्वच्छता कर्मी व महिला मौजुद रहे ।

विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की होगी भारी जीत : ललन

मोतिहारी , 22 जून (तरूणमित्र)। आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार में इंडिया गठबंधन की भारी जीत होगी। जिसमें भारत की कम्युनिस्ट पार्टी(मार्क्सवादी) भूमिका अदा करेगी। उक्त बातें भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के द्वारा आयोजित चांदमारी मोतीहारी स्थित जिला कार्यालय में जिला कमिटी के बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी राज सचिव कामरेड ललन चौधरी ने अपने संबोधन में कहीं ।

श्री चौधरी ने जनता के सवालों पर निचले स्तर पर आंदोलन करने हेतु योजना तैयार कर आंदोलन में लग जाने हेतु कार्यकताओं से अपील की । उन्होंने राज्य सरकार के द्वारा 400 से 1100 ? सामाजिक सुरक्षा पेंशन किए जाने पर चर्चा करते हुए कहा कि सड़क से लेकर विधानसभा तक माकपा के द्वारा आंदोलन करने के परिणाम स्वरूप राज्य सरकार ने यह

ऐलान किया है जो ना काफी है। पार्टी ने केरल के तर्ज पर ?3000 सामाजिक सुरक्षा का मांग कर रहा था किंतु राज्य सरकार ने उतना नहीं किया है जो अगली सरकार जो हमारे समर्थन से बनेगा वह पूरा करेगी। बैठक में जिला मंत्री सत्येंद्र कुमार मिश्रा के द्वारा जिला के अंदर किए गए कामों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया । जिस पर जिला जिला कमिटी सदस्यों ने विस्तार से बहस कर प्रतिवेदन को पास किया। साथ ही आगामी 9 जुलाई के मजदूर आंदोलन को समर्थन करने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही जिले के सभी 12 विधानसभा क्षेत्र में 1 जुलाई से चुनाव अभियान शुरू कर देने का निर्णय लिया गया। बैठक का अध्यक्षता राजमंगल प्रसाद एवं संचालन जिला मंत्री सत्येंद्र कुमार मिश्रा ने की।

बैठक में धनंजय पूरी, अशोक पाठक, बंकिम चंद्र दत्त, मुकेश कुमार, संतोष कुमार ,मोहम्मद एजाज उल हक, हरेंद्र प्रसाद सिंह, अनिल कुमार, निर्मला चांदनी, ध्रुव त्रिवेदी, दिलीप कुमार, सुरेश सिंह, संजीव कुमार सहित अन्य लोगों ने अपना विचार व्यक्त किया।

छेड़खानी के आरोपी को स्थानीय पुलिस ने धर दबोचा

सुगौली,पू.च:,22 जून (तरूणमित्र)। थाना क्षेत्र के श्रीपुर बाजार से छेड़खानी के आरोपी को स्थानीय पुलिस ने धर दबोचा। बताया जाता है कि प्रखंड के द0 श्रीपुर पंचायत के वार्ड नं0 3 श्रीपुर बाजार निवासी गैसुल आजम गांव के ही एक नाबालिग बच्ची के साथ छेड़खानी कर रहा था।जिसे एक बच्चे ने देख लिया और लोगो को बताया। उस खबर को सुनते ही लोग दौड़ पड़े और उसे पकड़ लिया। घटना की सूचना थानाध्यक्ष अवनीश सिंह को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी व पुलिस बल को भेजा। पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी ली और नाबालिग का बयान दर्ज किया।

संक्षिप्त समाचार

तीन वारंटी समेत एक प्रेमी को बेलदौर पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेलदौर, खगड़िया,22 जून (तरूणमित्र)। तीन वारंटी समेत एक प्रेमी को बेलदौर पुलिस ने गिरफ्तार कर प्रशासनिक प्रक्रिया पूरा करते हुए न्यायिक हिरासत भेज दिया। जानकारी के मुताबिक बेलदौर थाना क्षेत्र के पीरनगरा गांव निवासी अखिलेश यादव एवं उनके पुत्र फंटूश कुमार एवं नगर पंचायत बेलदौर क्षेत्र के भैंसा डीह गांव निवासी दिनेश चौधरी को गिरफ्तार किया गया। बताते चलें कि वर्षों से मामला दर्ज था जो पुलिस के नजारे से छुपकर चलते थे। जिसे बीते शुक्रवार की रात्रि गिरफ्तार किया गया। वहीं प्रेमी फुलवरिया गांव निवासी मुन्ना उर्फ मुन्ना शर्मा को गिरफ्तार किया गया। जिसे प्रशासनिक प्रक्रिया पूरा करते हुए न्यायिक हिरासत भेज दिया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष परशुराम सिंह ने बताया कि तीन वारंटी समेत एक प्रेमी को गिरफ्तार किया गया। जिसे प्रशासनिक प्रक्रिया पूरा करते हुए न्यायिक हिरासत भेज दिया।

एएनएम अनिता का आकस्मिक निधन

बेलदौर,खगड़िया,22 जून (तरूणमित्र)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलदौर में कार्यरत एएनएम अनिता कुमारी का आकस्मिक निधन शुक्रवार की रात को हो गई। जिसकी सूचना मिलते ही शनिवार को उनके पनसलवा गांव स्थित आवास पर अंतिम दर्शन करने के बाद शुभ चिंतकों ने शोक संवेदना प्रकट किया। जानकारी के मुताबिक एएनएम कविता कुमारी हृदय रोग से ग्रसित थी, जिसका दाह संस्कार कर दिया गया। एएनएम की मौत पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी डॉ मुकेश कुमार ने बताया 2019 से बेलदौर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत थी। मौत की खबर सुनकर बीएचएम अशोक यादव, एएनएम नीलम कुमारी, सोनी, सौरव कुमार भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, मुखिया डोली कुमारी आदि ने गहरी शोक संवेदना प्रकट किया।

शिक्षक एकता सह अधिकार महासम्मेलन 9 जुलाई को पटना में

तुरकौलिया पु.च.,22 जून (तरूणमित्र)। अराजकीय प्रारंभिक शिक्षकों एवं चतुर्थ वर्गीय कर्मचारीयों का सबसे बड़ा संगठन बिहार राज्य अराजकीय प्रारंभिक शिक्षक संघर्ष मोर्चा 9 जुलाई 2025 दिन बुधवार को श्री कृष्णा मेमोरियल हांल पटना में शिक्षक एकता सह अधिकार महासम्मेलन का आयोजन करेगा जिसका उद्घाटन बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा एवं शिक्षा मंत्री सुनील कुमार मौजूद रहेंगे उनके साथ ही साथ कई केंद्रीय प्रांतीय नेता भी भाग लेंगे उक्त सम्मेलन में राज्य के विभिन्न जिलों से भारी संख्या में शिक्षक चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी उनके परिवार व आश्रित भाग लेंगे यह जानकारी मोर्चा के संस्थापक सह महामंत्री श्रवण कुमार कुशवाहा ने दी जिसे उपमहामंत्री सह मीडिया प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी मौके पर मोर्चा के अध्यक्ष अर्जुन ठाकुर वीर बहादुर सिंह राजकुमार मनोज कुमार चन्द्रिका चौधरी अमरेदर कुमार सिंह कंचन प्रसाद सत्येन्द कुमार कन्हैया वर्मा जितेंद्र कुमार संजय कुमार शर्मा अरविंद कुमार घोष आदि सैकड़ो शिक्षक मौजूद थे।

शॉपिंग सेंटर के मालिक पर हुआ जानलेवा हमला

सुगौली,पू.च:,22 जून (तरूणमित्र)। नगर के ताज चौक स्थित ताज शॉपिंग सेंटर के प्रोपराइटर पर शनिवार की रात बाइक सवार दो अपराधियों के द्वारा दो गोली चलाये जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामला राष्ट्रीय उच्च पथ 527 डी के ताज चौक की है।शॉपिंग सेंटर के मालिक फैसल यूसुफ ने बताया कि वह अपनी शॉपिंग सेंटर रात के करीब 10.30 बजे बन्द कर अपने घर के लिए निकल रहे थे। सीढ़ी से नीचे उतरने के क्रम में एक कॉल आया और सीढ़ी पर हीं रुक कर बात करने लगे। इसी बीच उन पर जानलेवा हमले की नीयत से अज्ञात अपराधियों ने दो गोली चलाई। पर निशाना चूक जाने से एक गोली सीढ़ी की मार्बल पर लगी और दूसरी हवा में निकल गई। जिससे उनका परिवार दहशत में है। साथ हीं चौक के अन्य व्यवसायी भी डरे-सहमे हुए हैं। मॉल मालिक ने बताया कि उन्हें ऐसा नही लगा कि उन पर गोली चलाई गई है। प्रत्यक्षदर्शियों में अफरोज आलम व अन्य ने बताया कि रक्सौल की ओर से आयी उजले रंग की बाइक पर सवार हेलमेट लगाये दो युवक थे। जिनमे से पीछे बैठे युवक ने हथियार निकाल कर दो फायरिंग की और छपवा चौक की ओर निकल गए।

पंचायत उपचुनाव विभिन्न पदों के लिए 17 ने किया नामांकन

संग्रामपूर,22 जून (तरूणमित्र)। प्रखण्ड में सरपंच दो पंचायत समिति व वार्ड सदस्य एक एक व पंच दो पदों के लिए शुक्रवार की नामांकन के अंतिम तक 17 प्रत्याशियों ने नामजदगी का पर्चा दाखिल किया। जानकारी देते हुए आरओ सह प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अनुराग आदित्य ने बताया कि पूर्वी मधुबनी पंचायत में सरपंच पद के लिए हीरा देवी,हरेंद्र कुमार शर्मा,रमाकांत गिरी व महेन्द्र साह व उतरी मधुबनी पंचायत में सरपंच पद के लिए सरोज दुवे, प्रभावती देवी,लालबाबू सिंह, जयजेश कुमार, सुदिश हाजरा, अनिल कुमार सिंह,महबूब आलम खा ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वही बरवा पंचायत में पंचायत समिति पद के एक पद के लिए श्री भगवान राम,राजेन्द्र रजक,राजू राम ने नामजदगी का पर्चा दाखिल किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

महेशखूंट, खगड़िया, 22 जून (तरूणमित्र)। शनिवार को डी०ए०वी० पब्लिक स्कूल, दयानंद नगर महेशखूंट के सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्व प्रथम विद्यालय के प्राचार्य हिमांशु नारायण ने सभी छात्रों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्हें योग के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग हमें निरोग रखता है तथा यह हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ हमारे मानसिक स्वास्थ्य को भी पोषित करता है। प्राचार्य महोदय ने अधिक से अधिक छात्रों को नियमित योग करने हेतु भी प्रोत्साहित किया उन्होंने कहा कि योग को हमारी संस्था के द्वारा मूल्य परक शिक्षा में शामिल किया गया है जिसे इस वर्ष अभ्यास

में रखा जाएगा। योग दिवस के उद्देश्य को बताते हुए उन्होंने कहा कि इस योग दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को निरोग एवं ऊजार्वान बनाना है जिसके लिए हमें समाज को जागरूक करना पड़ेगा।

योग केवल योग दिवस के दिन तक ही सीमित ना रहे बल्कि हम सभी को अपनी दिनचर्या में इसे शामिल करना चाहिए। यह प्राचीन भारत की एक अद्वितीय कला है जो मनुष्य और प्रकृति के मध्य सामंजस्य स्थापित करता है। ज्ञातव्य हो कि डी०ए०वी० संस्था के द्वारा क्लस्टर एवं राष्ट्रीय स्तर पर योग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता रहा है । इस अवसर पर विद्यालय के चार हाउस के छात्र एवं छात्राओं के मध्य योग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया । छात्रों के मध्य योग दिवस के अवसर पर योग का महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया और छात्रों ने योग से संबंधित पोस्टर भी बनाए । इस अवसर पर विद्यालय परिसर में हवन- पूजन भी किया गया। पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व प्राचार्य ने स्वयं किया तथा कार्यक्रम का संयोजन विद्यालय के शारीरिक एवं खेलकूद शिक्षक राकेश कुमार, सुमित कुमार सिंह और राजा कुमार के द्वारा किया गया।

थाना परिसर में लगी जनता दरबार,सात में चार का हुआ निष्पादन

सुगौली,पू चः,22 जून (तरूणमित्र)। स्थानीय थाना परिसर में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों फरियादी अपनी जमीन से जुड़ी समस्या लेकर पहुंचे। पहुंचे मामलों की सुनवाई अंचलाधिकारी कुंदन कुमार और थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने की। अंचलाधिकारी श्री कुमार ने बताया कि मनसिंघा के शेख अतिउल्लाह और शेख असलम खां के बीच,छपवा चौक के नसीम अंसारी और शेख मैनुद्दीन के बीच और दक्षिणी सुगांव के सतन पासवान और रामजीवन हजरा के बीच के जमीनी विवाद की सुनवाई की गई और मामले की समीक्षा के दौरान तीनों पक्षों को सक्षम न्यायालय में जाने का निर्देश दिया गया।वहीं एक अन्य मामले में श्रीपुर रामपुर के केदार सिंह और भुआली मांझी के बीच के जमीनी विवाद की सुनवाई कर दोनों पक्षों को जमीन की सीमांकन कराने का आदेश दिया गया। उन्होंने बताया कि तीन अन्य मामलों की सुनवाई जारी रखते हुए दोनों पक्षों को अगले जनता दरबार में उपस्थित होने को कहा गया।

सुनवाई के दौरान अंचल कार्यालय के प्रधान सहायक प्रेम किशोर सिंह और अखिलेश कुमार उपस्थित रहे।जनता दरबार में सुनवाई के लिये लोग अपनी जमीन सम्बन्धी समस्याओं को लेकर लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। जहां अधिक से अधिक समस्याओं का समाधान कराया जा रहा है।

छठे दिन भी जारी रही आवास कर्मियों की हड़ताल, सरकार से मांगा जवाब

पत्रकार नगर,खगड़िया, 22 जून (तरूणमित्र)। राज्य ग्रामीण आवास कर्मी संघ (सगासा), बिहार के बैनर तले जिले के सभी आवास कर्मियों की बेमियादी हड़ताल शनिवार को छठे दिन भी जारी रही। जिला उपभोक्ता फोरम कार्यालय स्थित शिव मंदिर के उत्तरी भाग में संघ के जिला अध्यक्ष आचार्य राकेश पासवान शास्त्री के नेतृत्व में कर्मियों ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए जबर्दस्त धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मियों ने सरकार की दोहरी नीति के खिलाफ नारेबाजी करते हुए 16 सूत्री मांगों को लेकर तीव्र रोष प्रकट किया। इन मांगों में सेवा स्थायिकरण, पुरानी पेंशन की बहाली, मृतक कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा पर नौकरी, सम्मानजनक मानदेय वृद्धि, सेवा समाप्ति व एफआईआर की कार्रवाई को रद्द करने तथा राज्यकर्मी का दर्जा देने जैसी अहम मांगे शामिल हैं। संघ के जिला अध्यक्ष आचार्य राकेश पासवान शास्त्री ने कहा, 'बिना किसी पूर्व स्पष्टीकरण के आवास सहायकों को सेवा मुक्त कर उन पर एफआईआर दर्ज करना पक्षपातपूर्ण है। यह न केवल सरकार के नियमन के विरुद्ध है बल्कि मानवाधिकार व अशोक चौधरी समिति के निदेर्शों की भी उलंघन व अवहेलना है। यदि सरकार हमारी मांगों पर शीघ्र विचार नहीं करती तो अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने विभागीय सचिव की अध्यक्षता वाली समिति की

निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए कहा कि विगत दो वर्षों से संविदा कर्मियों के पारिश्रमिक निर्धारण पर कोई निर्णय नहीं हुआ है, जिससे आवास कर्मियों का भविष्य अधर में लटका है। इस मौके पर जिला संयोजक संतोष आर्या, उपाध्यक्ष अभिषेक कुमार, जिला सचिव मधुसूदन कुमार,कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, चन्दन कुमार एवं आकाश कुमार सहित कई पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कई प्रखंडों में कर्मियों के खिलाफ बिना निष्पक्ष जांच कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि जायज मांगें नहीं मानी गईं, तो वे आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं।

धरना स्थल पर उपस्थित सैकड़ों कर्मियों ने सरकार जवाब दो न्याय दो, संविदा को पमानेंट करो जैसे गगनभेदी नारे लगाते हुए सरकार से तत्काल सकारात्मक कार्रवाई की मांग की।

अभिषेक कुमार, धीरज कुमार, लेखा सहायक रजनीश मिश्रा, ग्रामीण आवास सहायक कुमारी कोमल, रुबी कुमारी, असद उल्लाह शाद, राकेश कुशवाहा, सुनील पासवान,उदय पासवान,देव कुमार, सतीश कुमार, सुरेश कुमार, सुरेंद्र कुमार दास, मनोज कुमार, पिंटू ठाकुर, बॉबी कुमारी, पिंकी कुमारी, रितु गुप्ता,इन्दू कुमारी, रूबी कुमारी अकेली,ई. रंजीत कुमार, राजीव कुमार यादव,असद उल्लाह शाद, प्रियतम कुमार, गणित कुमार, सुमन यादव, डॉ. प्रवीण कुमार, अमरजीत कुमार, राजू कुमार, संजय कुमार सिंह, निर्मल कुमार, सुधीर कुमार,सुमन महतो, कुमार राम,अभय कुमार, राहुल देव ठाकुर, अशोक मरांडी, बमशंकर झा, ललन कुमार निराला, स्मिता कुमारी, पवन कुमार, नीलकमल, राजीव झा, रंजीत झा,निर्मल कुमार, धर्मेंद्र यादव, नवीन, चुनचुन सिंह आशीष, सज्जन, राजीव कुमार, अशोक मरांडी ललन कुमार, राजीव रंजन, नीतेश दास, निलेश कुमार, एवं अनिकेत कुमार सहित शत-प्रतिशत आवास कर्मी शामिल थे। संघ ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक सरकार मांगपत्र पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहेगा।

NOTICE

It is for general information that I, Uttam Kumar S/o Late Sh. Ashutosh Singh R/o House No-72, Gram-Bhawani Bigha, Thana-Silao, Post-Nanand, Distt.-Nalanda, Bihar-803115, declare that name of my father has been wrongly written as Ashutosh Kumar in my Matriculation Certificate. The actual name of my father is Ashutosh Singh, which may be amended accordingly.

दिनारा के अर्थू में सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण
मंत्री ने कहा–'हर हीरा पहले पत्थर होता है'

दिनारा, 22 जून (तरूणमित्र)। 'हर हीरा पहले एक पत्थर होता है, उसे तराशने के बाद ही उसकी असली चमक सामने आती है। –बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी मंत्री कृष्ण कुमार उर्फ मंटू पटेल ने उक्त बातें रविवार को दिनारा प्रखंड के अर्थू गांव में आयोजित एक भव्य समारोह में कही। अवसर था लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा के अनावरण का। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई, जहां मंत्री का पारंपरिक सम्मान अंगवस्त्र और बुके भेंट कर किया गया। कार्यकताओं ने माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

मंत्री पटेल ने अपने संबोधन में कहा, यह केवल एक मूर्ति का अनावरण नहीं है, यह प्रतीक है उस महान व्यक्तित्व की उपस्थिति का, जिन्होंने भारत की नींव रखी। अब यह प्रतिमा गांववासियों को प्रेरणा देगी कि हर घर शिक्षित हो और हर बेटा-बेटी समाज में निखरे। उन्होंने कहा कि एक भारत का निर्माण सरदार पटेल ने किया और अब श्रेष्ठ भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगे हैं। उन्होंने कहा, अब लड़ाई तलवार से नहीं, कलम से होगी। शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है। हर बच्चा एक संभावित हीरा है, जरूरत है उसे तराशने की, सवांरने की। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री ने गुजरात में सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा बनवाई, उसी तरह अर्थू में भी 25 से 30 फीट ऊंची भव्य मूर्ति का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने भलुनीधाम पोखरा के घाट निर्माण की भी घोषणा की और जनता से आशीर्वाद मांगा। कार्यक्रम का आयोजन राजू सिन्हा ने किया, जबकि अध्यक्षता पूर्व पैक्स अध्यक्ष मनोज पटेल ने की। संचालन संजय वर्मा द्वारा किया गया। मौके पर विनय पटेल, मांती मौर्या, ज्वाला सिंह, राजू सिंह, संजय प्रधान, चक्रवर्ती चौधरी, राजेश पटिदार, अभिषेक पटेल, राजेश्वर चौधरी, पूर्व मुखिया रामू सिंह, मनीष देव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

योग हमारे शरीर मन और आत्मा को एक साथ जोड़ने का काम करता है : न्यायधीश

संतोष कुमार सिंह

समस्तीपुर, 22 जून (तरूणमित्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति की ओर से शनिवार को सिविल कोर्ट दलसिंहसराय के परिसर मे न्यायिक अधिकारी, न्यायालय कर्मी समेत अधिवक्ताओं ने योगाभ्यास किया. जागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए काजल सोनावाला, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी सह अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति के सचिव ने कहा कि योग का अर्थ एकसाथ होना है. यह हमारे शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़ने का एक तरीका है। तथा जीवन जीने का एक तरीका है जो हमें शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से स्वस्थ रहने में मदद करता है और हमें स्वस्थ और संतुलित जीवन जीना सिखाता है। योग हमें अपनी सांसें, विचारों और भावनाओं को नियंत्रित करना सिखाता है। इससे हम सभी परिस्थितियों में शांत रहना और अपना ध्यान केंद्रित करना सीखते हैं। योग निर्देशक ने सभी न्यायिक पदधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं अन्य लोगों को विभिन्न प्रकार का योग, आसन सिखाया।

मुंसिफ स्पर्श अग्रवाल ने स्वस्थ्य निरोगी जीवन हेतु सभी न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं आमलोगों को प्रतिदिन योग करने तथा योग को अपने दिनचर्या में शामिल करने की अपील किया तथा कार्यक्रम में योग के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।कार्यक्रम में बिहार जन सेवा मंच, दलसिंहसराय की ओर से भरपूर सहयोग किया गया।

कार्यक्रम में अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी काजल सोनावाला, मुंसिफ स्पर्श अग्रवाल, प्रशिक्षु न्यायिक पदाधिकारी अनुज कुमार, अधिवक्ता संघ, दलसिंहसराय के महासचिव राजीव रंजन सिन्हा, योग इंस्ट्रक्टर मौसम कुमारी, बिहार जन सेवा मंच से मृत्युंजय कुमार सिंह, रघुनाथ कुमार सिंह, अधिवक्तागण, सुखराम मोची, संतोष कुमार सिंह इत्यादि कर्मचारीगण श्रीराम सिंह, मक्केश्वर प्रसाद, रामविनोद महतो, विशालदीप मुन्ना, चाँद इत्यादि उपस्थित थे।

विष्णु सुगर मिल्स गोपालगंज में जुनियर केन मैनेजरों की भरमार

गोपालगंज, 22 जून (तरूणमित्र)। विष्णु सुगर मिल्स लिमिटेड गोपालगंज प्रबंधन के अजब गजब कारनामे हैं. यहां तो जुनियर केन मैनेजरों की भरमार है.नित्य नये जुनियर केन मैनेजरों को बहाल होने में भी देर नहीं और हटने में भी देर नहीं होती. पद ओहदा बड़ा है पर इसकी बुनियाद बहुत कमजोर है. जिस मिल कर्मी को हटाना रहता है उसे जुनियर केन मैनेजर का पद दे दिया जाता है और एक हीं झटके में टर्मिनेशन की चिठ्ठी थमा दी जाती है. लगता है इस मिल में अन्य कोई पद है ही नहीं।

हाल के दिनों में तीन तीन मिल कर्मियों को टर्मिनेट किया गया जो सब जुनियर केन मैनेजर के पद पर नियुक्त बताये जाते हैं. हटाने का काम अकेले डिप्टी जेनरल मैनेजर एपी सिंह के द्वारा किया जाता रहा है. जिन मिल कर्मियों को हाल के दिनों में एपी सिंह ने टर्मिनेट किया उनमें जुनियर केन मैनेजर उतम श्रीवास्तव, जुनियर केन मैनेजर सोनु कुमार वर्मा और जुनियर केन मैनेजर प्रसून्न शुक्ला शामिल हैं. गोपालगंज जिले का यह अद्भुत मिल प्रबंधन किसी कर्मचारी को हटाने के पूर्व स्पष्टीकरण भी नहीं लेता. सीधे कार्यालय में बुलाकर टर्मिनेशन लेटर पर हस्ताक्षर करवा लिया जाता है और जरा भी आनाकानी की तो लप्पड़ थप्पड़ भी पड़ते हैं. यह अजूबा मिल प्रबंधन आज भी दैनिक मजदूरों को महज दो सौ रुपए दिहाड़ी देता है. कोई आवाज नहीं उठा सकता. यहां का श्रमिक संगठन और मिल प्रबंधन एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं. कम मजदूरी भुगतान के लिए कभी श्रमिक संगठन मिल प्रबंधन के विरुद्ध आवाज भी नहीं उठा पाता. निरीह मजदूरों का शोषण और उन्हें हटाये जाने पर भी श्रमिक संगठन चुप्पी साध लेता है. दैनिक मजदूरों को महज दो सौ रुपए दिहाड़ी दिया जाता है जो श्रम कानून का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन है।

ईंट भट्ठा संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी व गबन की एफआईआर

नासरीगंज रोहतास, 22 जून (तरूणमित्र)। स्थानीय थानाक्षेत्र के एक ईंट भट्ठा संचालक के खिलाफ थाने में धोखाधड़ी और गबन की एफआईआर दर्ज हुई है। जिले के नटवार थानाक्षेत्र के नटवार निवासी शैलेंद्र कुमार चौबे ने थाने में आवेदन देकर औरंगाबाद जिला अंतर्गत नबीनगर के नगर थानाक्षेत्र के माधे गांव अशोक कुमार को नामजद किया है। बताया गया है कि आरोपित स्थानीय थाना के धनावं इंग्लिश में स्थित एक ईंट भट्ठा का मालिक व संचालक है। शैलेंद्र कुमार चौबे से ईंट भट्ठा संचालक ने भट्ठा लगाने के लिए 11 लाख 84 हजार रुपए लिए। लेकिन रुपए वापस मांगने पर ईंट भट्ठा संचालक ने रूपय वापस लौटाने से इनकार कर दिया। पीड़ित ने एफआईआर के लिए दिये गये आवेदन के साथ ही पैसा दिये जाने का साक्षय भी प्रस्तुत किया है। इस मामले में थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पीड़ित का आवेदन प्राप्त हुआ है। और केस दर्ज कर मामले की गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है।

झूठे मुकदमे की वापसी की मांग को लेकर डीवाईएफआई का थाना घेराव

समस्तीपुर, 22 जून (तरूणमित्र)। दलसिंहसराय छात्र नेता कुन्दन यादव पर दर्ज झूठे मुकदमे (थाना कांड सं. 196/25) की वापसी की मांग को लेकर एसएफआई (SFI) एवं डीवाईएफआई (DYFI) की दलसिंहसराय अंचल कमिटी द्वारा आज जोरदार प्रदर्शन करते हुए प्रखंड कार्यालय का घेराव किया गया। सरदारगंज एनएच चौक से एक विशाल जुलूस निकाला गया, जिसमें छात्र-युवाओं की बड़ी संख्या ने हिस्सा लिया। झूठा मुकदमा वापस लो, दलसिंहसराय थाना की कार्यशैली में सुधार करो, पुलिस प्रशासन की मनमानी बंद करो जैसे नारों के साथ जुलूस महावीर चौक, मालगोदाम चौक, थाना गेट होते हुए प्रखंड कार्यालय तक पहुंचा। प्रदर्शन के पश्चात सभा का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता राहुल कुमार एवं नीलकमल ने की। सभा को संबोधित करते हुए ऊत्रक्ष जिलाध्यक्ष महेश कुमार ने कहा, बिहार में भ्रष्टाचार,

दलाली और अपराध का गठजोड़ हर स्तर पर हावी है। एक जनप्रतिनिधि के इशारे पर झूठा मुकदमा दर्ज करवाना निंदनीय है। थाना प्रभारी ने बिना किसी जांच के मुकदमा दर्ज कर न्याय की पूरी प्रक्रिया का मजाक बना दिया है।

एडवा की राज्य सचिव नीलम देवी ने आंदोलन को समर्थन देते हुए पुलिस प्रशासन की तीव्र आलोचना की और कहा कि यह मामला सत्ता-संरक्षित दमन का एक उदाहरण है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर मुकदमे की तत्काल वापसी की मांग की। सभा में DYFI जिला मंत्री उमेश शर्मा, कोषाध्यक्ष भोला राम, संजय कुमार, बबलू कुमार, राजवेन्द्र कुमार, विधानचंद, रविशंकर कुमार, संजय पासवान, विपीन कुमार, कुन्दन पासवान, नरेश दास, महेन्द्र सिंह, अरुण, अबधेश राय, धरवेंद्र राय, अरसद आलम, गुलशेर, मोहम्मद सोनू, अमित सिंह, कन्हैया यादव, विकास यादव, नवनित यादव, समेत कई नेताओं और कार्यकताओं ने फर्जी मुकदमे की वापसी की एक सुर में मांग की।

बिहार के बच्चों को बिहार में ही मिलेगी नौकरी–प्रशांत
जगजीवन स्टेडियम में जन सुराज के सभा में उमड़ा जनसैलाब

करगहर, 22 जून (तरूणमित्र)। रोहतास जन सुराज के सुत्रधार प्रशांत किशोर का आगमन करगहर के बाबू जनजीवन राम स्टेडियम में रविवार को आगमन हुआ। जहां जन सुराज के हजारों कार्यकताओं ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। हैं, रेलवे की बात करते हैं। वहीं बिहार में पांच किलो अनाज व रेल के ठहराव की बात करते हैं। हिन्दू मुस्लिम का बात करते हैं। बिहार के बच्चों को नौकरी नहीं पलायन की बात करते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वृद्धा पेंशन में के तौर पर चार सौ रुपए देती थी

जगजीवन स्टेडियम में हजारों की संख्या में भीड़ का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सभा स्थल पर ग्यारह बजे से हजारों की संख्या में विधानसभा के अलग-अलग जगहों से महिला पुरूषों का भीड़ लगा रहा। वहीं शाम में पहुंचे प्रशांत किशोर का काफिला कोचस से करगहर पहुंचा जहां जेसीबी से फूल माला का पुष्प वर्षा किया गया। इस दौरान प्रशांत किशोर ने लोगों से बिहार की बदहाली पर केन्द्र व बिहार सरकार को खुब कोसा।

उन्होंने कहां कि गुजरात में कंपनी डेभलोपमेंट की बात करते मगर हम इस तरह मुद्दे को उठाये की मजबूरन उन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाना पड़ा। अपने बच्चों की भविष्य के लिए जाति पर वोट मत किजिए। अगर पलायन शिक्षा, स्वास्थ्य रोजगार चाहिए तो अपनी सोच को बदलना होगा। बदलाव यात्रा का आयोजक जन सुराज जिला युवा अध्यक्ष सत्यम पांडेय, विनय कुमार सिंह, शाहाबाद प्रभारी रोहित पांडेय, संजय पांडेय, जिलाध्यक्ष हीरालाल कुशवाहा, प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा पासवान, जिला संयोजक संजय बैठा सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिलाधिकारी ने किया योगाभ्यास

गोपालगंज, 22 जून (तरूणमित्र)। गोपालगंज के जिला पदाधिकारी पवन कुमार सिन्हा ने योगाभ्यास के साथ हीं मतदाताओं के लिए एक स्लोगन की शुरूआत की. जिला पदाधिकारी पवन कुमार सिन्हा ने कहा है कि 'जीवन के लिए योग, लोकतंत्र के लिए वोट' अति आवश्यक है. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शहर के अंबेडकर भवन में योगाभ्यास के बहाने विशेष मतदाता जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया. डीएम पवन कुमार सिन्हा ने युवाओं से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अपील की. जिला पदाधिकारी पवन कुमार सिन्हा ने कहा कि योगाभ्यास से जीवन निरोगी बन जाता है वैसे हीं लोकतंत्र में वोट से देश, राज्य और वहां रहने वाले लोगों की किस्मत संवरती और बिगड़ती है. शनिवार को आयोजित योगाभ्यास के साथ

लोकतंत्र में भागीदारी की प्रेरणा दी गई.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पुरुषों और महिलाओं ने जमकर योगाभ्यास के गुर सीखे. इसके लिए अनेक प्रशिक्षक भी लगे रहे. बैकुंठपुर प्रखंड के गम्हारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर बैकुंठपुर के दिघवा दुबौली और हेल्थ वेलनेस सेंटर राजापटी में विमलेश कुमार बीटू ने पुरुषों और महिलाओं को योग करने के गुर सिखाए और इसके फायदे भी गिनाए।

लापता चार नाबालिग लड़कियों की सकुशल बरामदगी

डेहरी रोहतास, 22 जून (तरूणमित्र)। बीते दिनों लापता नाबालिक चार लड़कियों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है।पुलिस सूत्रों ने बताया उक्त काण्ड के वादी के द्वारा थानाध्यक्ष नौहट्टा को लिखित सूचना दी गई की उनकी नाबालिग पुत्री सहित उनके गॉव की पॉच नाबालिग लड़कियों दिनांक-19 जून को सुबह 10:00 बजे घर से घास काटने निकली थी जो अभी तक घर लौट कर नहीं आई है, काफी खोजबीन करने के बाद भी कुछ पता नहीं चल रहा है।मामले की गंभीरता को देखते हुए पु०नि० सह अंचल निरीक्षक मो० सुहैल अहमद, अमझोर अंचल के नेतृत्व में लापता बच्चियों की सकुशल बरामदगी हेतु एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया जिसमें थानाध्यक्ष नौहट्टा तथा तकनिकी सहायता के लिए जिला आसूचना इकाई की टीम को भी शामिल किया गया।गठित टीम को प्राप्त आसूचना एवं उनके तकनिकी विश्लेषण के उपरांत यह ज्ञात हुआ कि लापता पाँचों लड़कियाँ दिनांक-19 जून को सासाराम रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़कर गुजरात के गांधीनगर चली गई है। इस आसूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए गांधीनगर पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर उन्हें घटना की जानकारी दी गई एवं प्राप्त आसूचना से अवगत कराया गया।

सारण में बना इंजन दक्षिण अफ्रीका की रेल को खींचेगा,बिहार गौरवान्वित

सत्य प्रकाश

गोपालगंज, 22 जून (तरूणमित्र)। देश दुनिया में सारण भी अपनी पहचान खड़ा करेगा. यह हकीकत है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण अब सारण की पहचान देश दुनिया में स्थापित होगी. सारण के मढ़ौरा में बना रेल इंजन अफ्रीका की रेल को खींचेगा. मढ़ौरा की लोकोमोटिव फैक्ट्री से निर्मित पहला 'इवोल्यूशन सिरीज' इंजन गिनी देश के सिमन्डो लौह अयस्क परियोजना में उपयोग के लिए रवाना होगा. यह डील तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक की है।

कुल एक सौ पचास लोकोमोटिव के निर्यात के लिए भारत और दक्षिण अफ्रीका का समझौता हो गया है। सीवान के जसौली में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयोजित जनसभा में इस आशय का ऐतिहासिक और सारण को गौरवान्वित बना देने वाला ऐलान किया था. वैश्विक अद्यौगिक हब के रूप में अब बिहार की पहचान बनेगी. यह कदम बिहार के अद्यौगिक पुनर्जागरण की शुरूआत है. यह वही बिहार है जिसने जिसने दशकों पहले तक पलायन, अपमान, बेरोजगारी का दंश झेला. गरीबी का प्रतीक माना गया और आज यह बिहार अफ्रीका जैसे महाद्वीप में अपनी पहचान

खड़ा कर रहा है जहां 'मेड इन सारण ' के रेल इंजन दौड़ेंगे. बिहार मखाना और लीची हीं नहीं मैन्युफैक्चरिंग का निर्यातक होगा. इस इंजन को मात्र एक महीने में तैयार किया गया है. यह पल 'मेक इन बिहार' की बड़ी उपलब्धि में शामिल होगा. कॉमर्शियल हेड अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि 'इस इंजन को एक हफ्ते बाद यहां से पहले गुजरात के मुंद्रा जिले में रेलवे रूट से रवाना किया जाएगा।

इसके बाद वहां से शिप के जरिए दक्षिण अफ्रीका भेजा जाएगा. अब बिहार के युवा सिर्फ नौकरी तलाशने की नहीं, नौकरी देने की क्षमता का भी प्रदर्शन करेंगे।

बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन एवं तालाबंदी का आह्वान

सुपौल, 22 जून (तरूणमित्र)। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा निर्देशित सभी जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वाधान में बिहार के सभी जिला मुख्यालय के रोजगार केंद्र पर बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन एवं तालाबंदी का आह्वान किया गया था। इसी कड़ी में सुपौल जिला में सुपौल विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी मिन्नत रहमानी के नेतृत्व में हजारों की संख्या में बेरोजगार युवा एवं कांग्रेस के कार्यकताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय सुपौल से विरोध प्रदर्शन करते हुए रोजगार केंद्र सुपौल तक पहुंचा। जहां रोजगार केंद्र के मुख्य द्वार से तालाबंदी करते हुए बेरोजगारी के खिलाफ वर्तमान सरकार का पुरजोर विरोध किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रत्यासी मिन्नत रहमानीप्रभारी भरत शंकर जोशी, ए आई सी सी प्रभारी ज्योति खन्ना, जितेश मिश्रा, जिला अध्यक्ष सुर्यनारायण मेहता, कार्यकारी जिला अध्यक्ष राजनारायण गुप्ता, जय प्रकाश चौधरी, रंजीत मिश्रा, सुभाष सिंह, अनोखा सिंह, शत्रुघन चौधरी, जितेंद्र झा, पीताम्बर पाठक, पप्पू वर्मा, प्रमोद यादव, सोनू आजाद, अमरदीप चौधरी, चुनचुन कुमार, मो. अरवाज, रौनक कुमार, राजा कुमार, मो एहसान, आदित्य यादव, राजकुमार, मो फिरदौस, मो. अनवारुल, मो. सुलेमान, दिवाकर कुमार, आशीष यादव, कारण कुमार, विकाश चौधरी, अमित चौधरी, संजय पासवान, मो. इरशाद, लक्ष्मण शाह, मो. शौकत, अर्जुन कुमार जायसवाल, सैफ अली, सुमार कुमार, मांगेंन सादा, संजीत सादा, बाबुल राम, जितेंद्र चौधरी, नीतीश शाह उपस्थित थे।

एसपी ने मीरगंज थाने का किया वार्षिक निरीक्षण

गोपालगंज, 22 जून (तरूणमित्र)। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने मीरगंज थाने का वार्षिक निरीक्षण किया. उनके आगमन पर थाने के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए सलामी दी. पुलिस अधीक्षक ने थाना सिरिस्ता, दैनिकी रजिस्टर सहित अन्य अभिलेखों का गहन अवलोकन किया और पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की सफाई, रिकॉर्ड रखरखाव और अपराध नियंत्रण को लेकर विशेष ध्यान देने की बात कही. मौके पर हथुआ एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता, सर्किल इंस्पेक्टर, थानाध्यक्ष अनिल कुमार सहित थाने के अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे. पुलिस अधीक्षक ने कर्मियों का मनोबल बढ़ाया और कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

क्रीड़ा भारती एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन

सुपौल, 22 जून (तरूणमित्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को स्थानीय श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी के प्रांगण में क्रीड़ा भारती एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समिति के तत्वाधान में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन रंभा सिन्हा ने किया। योग शिक्षिका सपना जायसवाल ने योगाभ्यास एवं प्राणायाम एवं ध्यान रंभा सिन्हा ने करवाया।

मौके पर क्रीड़ा भारती के जिलाध्यक्ष राजेश मोहनका ने उपस्थित लोगों से कहा योग को अपनी जीवन का अभिन्न अंग बनाने की अपील की। उन्होंने कहा आज हमारे लिए गौरव की बात है भारत के प्रयास से ही भारतीय संस्कृति विश्व पटल पर जगमगा रही है।योग शिक्षिका सपना जायसवाल ने कहा नित्य योग करने से शरीर,मन, मस्तिष्क को मिलते हैं फायदे। योग शिक्षिका रंभा सिन्हा ने कहा योग के साथ-साथ प्राणायाम एवं ध्यान करने से ही पूर्ण लाभ मिलता है।

प्राणायाम स्वसन क्रिया के माध्यम से मानव संरचना के स्थल एवं सूक्ष्म स्तरों में निहित सभी प्रकार के प्राणों को संचालित व नियंत्रित करता है। कार्यक्रम में उपस्थित उपाध्यक्ष उपेन्द्र सिंह, नलिन जायसवाल, विकास जी, डॉ उमाशंकर साह, संतोष प्रधान,केशव जी, रंजन कुमार, मिथिलेश कुमार, संयुक्त सचिव किशोर कुमार साकेत, चन्द्रकान्त झा, मोहन जायसवाल, रुबी जायसवाल, राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी के अध्यक्ष उमाशंकर ठाकुर, राजेश मल्लिक,सोनल मोहनका, पूनम मोहनका,रंजीत झा, डॉ सुधीर गुप्ता, सुनील कुमार मंडल, शत्रुघ्न चौधरी, डॉ सुभाष कुमार, योगेन्द्र साह,दिनेश मिश्र,बुलेट आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

स्वत्याधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं समूह सम्पादक कैलाशनाथ के द्वारा अजीमाबाद प्रिन्टर 5-47 प्लाट न0 905 वाचस्पती कॉलनी रोड कुम्हरार गुमटी संदलपुर रोड, पटना से मुद्रित होकर 302, रघुवंशम अपार्टमेन्ट किदवईपुरी, पटना से प्रकाशित। कार्यकारी संपादक-योगेन्द्र विश्वकर्मा। फोन/फैक्स 0612-2522597, 2529927 मो. 8578001500 पोस्ट पंजीयनः CO- 174/2002 आर.एन.आई BIHHIN/2002/9030, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद पटना न्यायालय के अधीन होंगे। email ID-tarunmitrapatna@gmail.com

सेवाभाव के साथ उपचार ही शीर्ष प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

एमजीयूजी परिसर के हॉस्पिटल व गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय के चिकित्सकों के साथ सीएम योगी ने की बैठक

गोरखपुर, 22 जून (तरूणमित्र)। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) परिसर के हॉस्पिटल एवं गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय के चिकित्सकों का आह्वान किया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोई भी मरीज उपचार के बिना वापस न जाए। सेवाभाव के साथ उपचार ही शीर्ष प्राथमिकता होनी चाहिए। पैसा किसी के भी इलाज में बाधक नहीं बनना चाहिए। मुख्यमंत्री शनिवार रात एमजीयूजी परिसर के मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल और गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय के करीब सवा सौ चिकित्सकों के साथ बैठक कर रहे थे। गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में हुई बैठक में सीएम योगी ने कहा कि भौगोलिक रूप से अलग-अलग होने के बावजूद दोनों चिकित्सालय एक यूनिट हैं। दोनों को मिलकर और समन्वय बनाते हुए उपचार करना है। उन्होंने बताया कि गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय की भांति बालापार स्थित एमजीयूजी परिसर के हॉस्पिटल में भी अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं। अगले माह से सीटी स्कैन, एमआरआई की सुविधा भी शुरू हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी चिकित्सकों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि एमजीयूजी के मेडिकल कॉलेज/हॉस्पिटल के पास योग्य चिकित्सकों की फौज है। यहां मेदांता अस्पताल के चिकित्सकों की सेवा भी ऑनलाइन आईसीयू में उपलब्ध है। एम्स के रिटायर्ड चिकित्सक भी सेवा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा सामूहिक प्रयास से इमरजेंसी सेवा को निरंतर उत्कृष्ट बनाते रखने की आवश्यकता है। सीएम योगी ने चिकित्सकों से उनका फीडबैक भी लिया और कहा कि हर मरीज को तत्काल फर्स्ट एड मिलना चाहिए। गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक बालापार के हॉस्पिटल में भी मरीजों को देखें। गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय में जगह न होने पर बालापार के हॉस्पिटल में भर्ती कर मरीज को सभी सुविधा दें। कोई भी मरीज उपचार बिना वापस न जाए। यह ध्यान रखें कि मरीजों की सेवा ही दोनों अस्पतालों के ध्येय है। पैसा किसी की दवा में बाधक न बने। मुख्यमंत्री के साथ हुई इस बैठक में एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, मेडिकल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु दीक्षित, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, एमजीयूजी के मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. रोहित एलानी, डॉ. राकेश सिंह, डॉ. मनोज गुप्त, डॉ. एपी त्रिपाठी, डॉ. घनश्याम सिंह, डॉ. समृद्धि, डॉ. सीवी मद्धेशिया, डॉ. केके शाही सहित करीब सवा सौ चिकित्सक मौजूद रहे।

तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ

संतकबीरनगर, 22 जून (तरूणमित्र)। कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा प्रायोजित एवं महाराजगंज हैंडीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड महाराजगंज के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम (सी0डी0ए0पी0) का उद्घाटन स्थानीय सूरज मैरेज हाल के सभागार में फीता काटकर मुख्य अतिथि संगीता गुप्ता सभासद नगर पालिका परिषद महराजगंज के द्वारा दिनांक 20 जून को किया गया। उक्त अवसर पर विशिष्ट आतिथि के रुप में सुप्रसिद्ध समाजसेवी धर्मेंद्र कुमार उपस्थित रहे। तदोपरांत उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत बुके देकर आयोजक कम्पनी के निदेशक मण्डल के द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि संगीता गुप्ता सभासद नगर पालिका परिषद महाराजगंज ने कहा कि इस प्रकार के महत्वाकांक्षी योजना का लाभ लेकर हस्तशिल्पियाँ एक सफल हस्तशिल्पी बनकर अपना, समाज का एवं देश का विकास करें। साथ ही मुख्य अतिथि ने हस्तशिल्पियों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। आगे उन्होंने कहा कि सदियों से भारत की पहचान हस्तशिल्प के कारण अद्वितीय हुआ करती थी जो वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विकासशील स्थिति में पहुच चुका है जिसका भारतीय अर्थव्यवस्था एवं शिल्पियों के आर्थिक स्तर के उत्थान में काफी योगदान रहा है। इस प्रकार के शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम से हस्तशिल्पियों को स्वावलंबन के साथ साथ इस कला का पुर्ण रूप से वाणिज्यिक उपयोग कर सफल उद्यमी बन जीवन स्तर को सुदृढ करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। उक्त के क्रम में आज दिनांक 21 जून को हस्तशिल्प सेवा केंद्र वाराणसी से आए श्री शेर सिंह सी.टी .ओ. ने कार्यक्रम का निरीक्षण किया। उक्त अवसर पर शेर सिंह सी.टी .ओ. ने पत्रकार वार्ता में कहा कि 20 चयनित हस्तशिल्पियों हेतु यह तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम एनएचडीपी के अधीन ए0एच0वी0वाई योजना के अंतर्गत जनपद महाराजगंज में संचालित है तथा यह कार्यक्रम तीन दिवसीय है जो कि अनवरत दिनांक 22 जून तक चलेगा। इस अवसर पर मास्टर क्राफ्ट परसन/रिसोर्सपरसन के रूप में वाराणसी से दुर्गा प्रसाद एवं रमेश कुमार, रुही एव नजमा खातून ने अपने अपने शिल्प का सजीव प्रदर्शन किया तथा विस्तारपूर्वक शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम की परिभाषा उसके लाभ तथा उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया।

चोरी की 2 घटनाओं का पुलिस ने किया खुलासा

देवरिया, 22 जून (तरूणमित्र)। जनपद की भलुअनी पुलिस ने चोरी की 2 घटनाओं का खुलासा किया करते हुए बाल अपचारी सहित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है तथा चोरी का 1 टूल्लू व 1 मोटर पंप बरामद किया है। भलुअनी पुलिस ने मु0अ0सं0-105/2025 धारा 305 बी0एन0एस0 व मु0अ0सं0 109/2025 धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त अंकित उर्फ लालू पुत्र स्व0 भागीरथी व एक बाल अपचारी को मुखबिर की सूचना पर बढ़ुपुरवा गाँव के पास से गिरफ्तार करते हुए उनकी निशानदेही से उसी गाँव के सिवान में सरपत में छिपा कर रखे गए चोरी का विद्युत मोटर पम्प व एक टूल्लू पम्प बरामद किया है। राजेन्द्र प्रसाद ने 12 जून को अज्ञात चोर द्वारा मकान के बाउण्ड्री के अन्दर घुसकर विद्युत मोटर चोरी करना व पोखरी पर लगे विद्युत मोटर चुरा लेने के सम्बन्ध में केस दर्ज कराया था। उक्त सूचना पर भलुअनी पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त चोरी गये विद्युत मोटर पंप व टूल्लू पंप को बरामद कर चोरों को गिरफ्तार कर लिया।

आयुषी ने नीट परीक्षा में 17130 रैंक प्राप्त किया

देवरिया, 22 जून (तरूणमित्र)। जनपद के विकास खंड बैतालपुर के ग्राम भालीचौर के स्व. शम्भू नरायन सिंह उर्फ झुल्लूर बाबू की पौत्री आयुषी सिंह ने नीट परीक्षा प्रथम प्रयास में ही अपने कैटगरी में आल इंडिया में 17130 रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रौशन किया है। इन्होंने हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा पीएन एकाडमी देवरिया से टाप कर उत्तीर्ण किया है। इनके पिता श्री राम प्रताप सिंह वर्तमान में पशुपालन विभाग में क्लर्क के पद पर विकास भवन देवरिया पदस्थ हैं। इनकी माता रागिनी सिंह गृहिणी हैं। स्थानीय विधायक जय प्रकाश निषाद ने इनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी। पशुपालन विभाग के लोकेश सिंह, कृष्णकांत तिवारी, राजनारायन चतुर्वेदी, निशाकान्त तिवारी, पीयूष श्रीवास्तव, विवेक यादव व राकेश कुमार भारती आदि ने नीट परीक्षा में सफल होने पर खुशी जताई एवं भविष्य में चिकित्सा क्षेत्र में विशेष पहचान बनाकर समाज सेवा करने हेतु कहा।

पगरा पड़री में सड़क से हटाया गया अतिक्रमण

राजापाकड़/कुशीनगर , 22 जून (तरूणमित्र)। पगरा पड़री ग्राम पंचायत के बसंतपुर रामलगन राय गांव में सड़क पर किए गए अतिक्रमण को शनिवार को हटवा दिया गया। यह कार्रवाई राजस्व विभाग की टीम द्वारा तहसील दिवस व समाधान दिवस पर की गई शिकायत के आधार पर की गई।ग्रामीण रामनरेश ने उच्चाधिकारियों को कई बार प्रार्थना पत्र देकर सड़क से कब्जा हटवाने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि गाटा संख्या 60, रकबा 0.470 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेख में सड़क के रूप में दर्ज है, जिस पर पिच मार्ग बना है। इसके बावजूद कुछ लोगों ने सड़क के किनारे झोपड़ी और पुआल रखकर अवैध कब्जा कर लिया था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार ने नायब तहसीलदार कुन्दन वर्मा के नेतृत्व में प्रभारी राजस्व निरीक्षक अश्वनी राय, वेदप्रकाश उपाध्याय, लेखपाल रजनीश उपाध्याय, शैलेश मिश्र, विजयदेव सिंह, बबीता गौतम व प्रियंका त्रिपाठी की टीम गठित की। शनिवार को दोपहर बाद राजस्व टीम पटहेरवा पुलिस के सहयोग से मौके पर पहुंची और अतिक्रमणकारियों आस मोहम्मद, ईसा व सबुजनी द्वारा सड़क पर डाली गई झोपड़ियां व पुआल आदि हटवाया।

सुरेन्द्र ने मुख्यमंत्री के सामने उठाया भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही का मुद्दा

बस्ती , 22 जून (तरूणमित्र)। भारतीय जनता पार्टी गोरखपुर क्षेत्र सोशल मीडिया के क्षेत्रीय सह संयोजक सुरेन्द्र चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गोरखपुर में शिष्टाचार भेंट किया।सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि बस्ती जनपद से जुड़े कई अहम समस्याओं, स्थानीय प्रशासन की उदासीनता, अपराध की बढ़ती घटनाओं और बुनियादी सुविधाओं की घोर अनदेखी, मुण्डेरवा में जल निगम की बंद टंकी को शुरू कराने, जैसे अनेक मुद्दों को उन्होने मुख्यमंत्री के समक्ष रखा।

उन्होने मुख्यमंत्री को विस्तार से अवगत कराया कि किस प्रकार बस्ती जनपद में शासन की योजनाएं फाइलों और रिपोर्टों में तो जिंदा हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर न जनता को राहत मिल रही है और न प्रशासन से संतोषजनक प्रतिक्रिया। सुरेन्द्र ने बताया कि वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वे अति शीघ्र अधिकारियों से वार्ता कर जांच कराते हुये दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करायेंगे।

संक्षिप्त समाचार

करोड़ों की बंजर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा, कड़ी कार्रवाई करे प्रशासन

बस्ती , 22 जून (तरूणमित्र)। मुंडेरवा नगर पंचायत की करोड़ो की सरकारी बंजर भूमि पर अवैध कब्जा करने का मामला सामने आया है। हल्लौर नगरा निवासी रामनानंद यादव ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर तत्काल कार्यवाही की मांग किया है। मिली जानकारी के अनुसार, रमेश चौधरी नामक व्यक्ति, जो पहले से ही खाता संख्या 10, गाटा संख्या 183 में अपने हिस्से का मालिक है। उसके द्वारा कथित रूप से इससे कहीं अधिक भूमि पर अवैध कामर्शियल दुकान एवं मकान बनवाया जा रहा है जिसका नक्शा संदिग्ध है।यह भूमि निवासी तिघरा, जगरनाथपुर, परगना महुली पश्चिम, जनपद बस्ती में स्थित है। सुशीला, पत्नी उजागिर इसकी स्वामी हैं। इसमे 5 बिस्वा इन्होने बैनामा ले रखा है और कब्जा इससे दोगुने रकबे पर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि रमेश चौधरी और उनके परिवार के दबंग रवैये के चलते आसपास के लोग भयभीत हैं और विरोध करने से कतरा रहे हैं।आरोपी बेहद दबंग और जासलाज किस्म का व्यक्ति है। स्थानीय निवासियों की मांग है कि जिला प्रशासन तत्काल प्रभाव से राजस्व टीम भेजकर भूमि की पैमाइश कराए और जो भी हिस्सा अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है उसे तत्काल खाली कराया जाए। यह कदम ना सिर्फ सरकारी संपत्ति की रक्षा करेगा, बल्कि भविष्य में नगर पंचायत मुंडेरवा की जरूरतों के लिए ।

हरिओम योगा सेवा संस्था ने ग्यारहवां योग दिवस मनाया

तमकुहीराज/कुशीनगर , 22 जून (तरूणमित्र)।योगाचार्य निक्की मद्धेशिया द्वारा कसया में स्थित कुशीनगर वृद्धाश्रम के प्रांगण में योग करवाया गया। योगाभ्यास कर रहे लोगों को योग के बारे मे बताते हुए योगाचार्य निक्की मद्धेशिया ने कहा कि योगभारत की ऋषि परम्परा के अमूल्य उपहार है योग ने विश्व को मानसिक, आध्यात्मिक और शारीरिक उन्नयन की राह दिखाई है। इस अवसर पर हम सब को मिलकर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में सहभागी बनें।''पहला सुख निरोगी कायाः यह एक प्रसिद्ध कहावत है जो स्वास्थ्य के महत्व को दशार्ती है।इसका अर्थ है कि जीवन का सबसे पहला सुख निरोगी शरीर है।इसके बाद ही अन्य सुखों का आनंद लिया जा सकता है। आज के दौर में भागदौड़ भरी जिंदगी हैं,खानपान दुरूस्त नहीं हैं। योग करने से शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्नचित्त रहेगा।इसलिए योग करना अति आवश्यक है।

दुकान के अंदर से कूड़ा नहीं उठाने पर मनबढ़ो ने नगर निगम कर्मी का सिर फोड़ा

गोरखपुर (मेडिकल कॉलेज), 22 जून (तरूणमित्र)। गुलरिहा क्षेत्र के हरसेवकपुर नंबर दो में रविवार की दोपहर कूड़ा ढोने वाली गाड़ी के ड्राइवर और उसके साथी पर मनबढ़ो ने हॉकी से हमला कर दिया, जिसमें ड्राइवर का सिर फट गया। पिछले एक महीने से दुकान के अंदर का कूड़ा भी उठाने के लिए मनबढ़ दबाव बना रहे थे, मना करने पर ड्राइवर और साथी कर्मी पर हमला कर दिया ।घायल ड्राइवर गुलरिहा पुलिस को लिखित तहरीर दी है।जानकारी के मुताबिक,सिकंदर निषाद नगर निगम में कूड़ा उठाने वाली गाड़ी का ड्राइवर है। रविवार को क्षेत्र के हरसेवकपुर नंबर दो चंडी माता मंदिर के पास के दुकान के बाहर साथी कर्मी संग कूड़ा उठाने गया था। आरोप है कि कुछ दुकानदार द्वारा पिछले एक माह से दुकान के अंदर का कूड़ा उठाने के दबाव बनाया जा रहा था। ड्राइवर व उसके साथी कर्मी राजकिशोर ने दुकान के अंदर का कूड़ा उठाना अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर बताकर मना किया तो आदर्श फर्नीचर के मालिक और उसके कुछ अज्ञात साथियों ने हॉकी से नगर निगम के कर्मियों पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें ड्राइवर का सिर फट गया। घायल ने गुलरिहा पुलिस को लिखित तहरीर दी है।

वारंटी अभियुक्तों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही 8 वारंटी गिरफ्तार

संतकबीरनगर, 22 जून (तरूणमित्र)। पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर * संदीप कुमार मीना* द्वारा वारंटी (एनबीडब्लू) अभियुक्तों के विरूद्ध दिनाँक 22.06.2025 की रात्रि को चलाए गये अभियान के अन्तर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा कुल 08 वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तार अभियुक्तों को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश कर विधिक कार्यवाही की जायेगी । जिसका विवरण थानावार निम्नवत है-थाना बखिरा पुलिस द्वारा 04 वारण्टीगण नाम पता झ 01.मो0 आसिम पुत्र वली मो0 निवासी मलिक जोत थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगर 02.रामजतन पुत्र आसरे निवासी लडुआ महुआ थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगर 03.कृपाल निषाद पुत्र बलिराज निवासी बंजरिया थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगर 04.दशरथ निषाद पुत्र राजाराम निवासी संतकबीरनगर ।

श्री एकडेमी एंड ब्यूटी पार्लर महिलाओं का सवार रहा भविष्य- विधायक

तमकुहीराज/कुशीनगर , 22 जून (तरूणमित्र)।फाजिलनगर में संचालित श्री एकेडमी एंड ब्यूटी पार्लर महिलाओं के भविष्य को सवार रहा है।श्री एकेडमी में ट्रेनिंग प्राप्त कर रही महिलाएं अपने भविष्य को सवार कर सम्बलता प्राप्त कर रही हैं। उक्त बातें रविवार के दिन फाजिलनगर नगर पंचायत में श्री एकेडमी एंड ब्यूटी पार्लर द्वारा आयोजित प्रमाण पत्र एवं प्राइज वितरण कार्यक्रम के बतौर मुख्यातिथि फाजिलनगर विधायक सुरेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहीं। विधायक ने कहा की श्री एकेडमी एंड ब्यूटी पार्लर की संचालिका शशि पांडे ने सरकार के रोजगार सृजन के कदम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं जो सराहनीय के पात्र हैं। विशिष्ट अतिथि मेहन्द्र उपाध्याय ने कहा कि महिलाओं के भविष्य सवारने के लिए यह सुनहरा अवसर है,महिलाओं व बच्चीयों को चाहिए की आत्म स्वालम्बन बनने के लिए अधिक से अधिक श्री एकेडमी में ट्रेनिंग प्राप्त कर अपने भविष्य को उज्जवल करें। इस दौरान विधायक ने ट्रेनिंग प्राप्त जया साहनी, नर्गिस फिरदौस, नेहा जायसवाल को ट्रेनिंग का प्रमाण पत्र भी दिया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता पाशुपति नाथ जायसवाल, महिला भाजपा नेत्री रानी शुक्ल,सभासद कमलेश वर्मा,आदि के साथ ट्रेनिंग प्राप्त कर रही शशि गुप्ता, अमिसून्यनेशा, गुडिया खातून,नीशू शर्मा, सुमित्रा कुशवाहा,पुजा गोड,सीमा गोड़ आदि मौजूद रहीं। श्री एकेडमी एंड ब्यूटी पार्लर के डायरेक्टर मुकेश पांडे ने एकेडमी पर आये सभी आगुंतकों के प्रति आभार प्रकट किया और बताया की श्री एकेडमी एंड ब्यूटी पार्लर श्री एजुकेशनल ट्रस्ट एंड बेलफेयर शोसाईटी द्वारा संचालित होता है। हमारा केंद्र फाजिलनगर छोटाब्रिज के दक्षिण द्वितीय तल पर है।

पत्रकारों का सम्मान व कार्ड वितरण समारोह संपन्न, दिवंगत पत्रकारों को दी श्रद्धांजलि

उतरौला (बलरामपुर),22जून(तरुण मित्र)। तहसील सभागार उतरौला में रविवार को उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन की उतरौला इकाई द्वारा भव्य कार्ड वितरण एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिवंगत पत्रकारों—स्वर्गीय श्री विश्वनाथ त्रिपाठी, स्वर्गीय श्री फरीद आरजू, स्वर्गीय श्री अब्दुल करीम सिद्दीकी एवं स्वर्गीय श्री आमिर माविया को स्मरण करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पण के साथ हुआ। उपस्थित पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु प्रार्थना की।मुख्य अतिथि के रूप में जगपाल सिंह, विशिष्ट अतिथि आलोक कुमार गुप्ता रहे। मंच पर जिला महामंत्री राजेश खुराना, जिला उपाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी, तहसील संरक्षक राकेश कुमार श्रीवास्तव, तहसील अध्यक्ष नूर मोहम्मद, तहसील महामंत्री गिरीश कुमार मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार हरीश कुमार गुप्ता व सुशील कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। सभी

अतिथियों का अंगवस्त्र, बैच व फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया।कार्यक्रम का कुशल संचालन वरिष्ठ पत्रकार इमरान अली शाह ने किया। इसके उपरांत वर्ष 2025-26 के नवीनीकृत पत्रकार परिचय पत्रों का वितरण मुख्य अतिथि जगपाल सिंह द्वारा किया गया।इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, ःपत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता ही समाज को जागरूक व सशक्त बनाती है। ऐसे आयोजन पत्रकारों को नई ऊर्जा और आत्मबल प्रदान करते हैं।ःवरिष्ठ पत्रकार सुशील कुमार श्रीवास्तव ने कहा, ःपत्रकारों का यह मंच न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन का भी केंद्र है। हमें अपनी लेखनी से समाज के हर वर्ग की आवाज को बुलंद करना है।ःवरिष्ठ पत्रकार हरीश कुमार गुप्ता ने कहा, ःपत्रकारों को अपनी गरिमा, निष्ठा और सत्य के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखनी चाहिए। पत्रकारिता के क्षेत्र में नई पीढ़ी को भी आगे लाने का प्रयास जरूरी है।ःवरिष्ठ पत्रकार गिरीश कुमार मिश्रा ने कहा, ःपत्रकार समाज का दर्पण है, और यह दर्पण तभी प्रभावी बनता है जब वह स्पष्ट, सत्य और निर्भीक हो।ःवरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा, ःएसोसिएशन को स्थानीय समस्याओं पर गंभीरता से काम करना चाहिए और प्रशासन के साथ तालमेल बनाकर आमजन की आवाज उठानी चाहिए।ःविशिष्ट अतिथि आलोक कुमार गुप्ता ने कहा, ःपत्रकार समाज के प्रहरी हैं, उन्हें सम्मान देना समाज की जिम्मेदारी है। समाज में पारदर्शिता और उत्तरदायित्वबोध लाने में पत्रकारों की भूमिका अतुलनीय है ।

प्रसव के दौरान नवजात की मौत, परिजनों ने स्टाफ नर्स पर लगाया लापरवाही का आरोप

उतरौला(बलरामपुर)22 जून (तरुणमित्र)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बनगंवा (तकिया) निवासी अहसान अली ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महदेइया बाजार में तैनात स्टाफ नर्स मंजू त्रिपाठी पर गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि प्रसव के दौरान लापरवाही और बाहर से मंगाए गए इंजेक्शन व दवाओं के चलते उनकी नवजात संतान की मौत हो गई।पीड़ित अहसान अली के मुताबिक, उनकी पत्नी कुलसुम बानो (27) गर्भवती थीं और नौ माह का समय पूरा हो चुका था। 9 जून की रात करीब दो बजे प्रसव पीड़ा शुरू हुई, तो परिजन उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महदेइया बाजार ले गए। वहां ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ नर्स मंजू त्रिपाठी ने सरकारी संसाधनों का उपयोग न कर अस्पताल के पास स्थित एक निजी मेडिकल स्टोर से नौ इंजेक्शन और करीब 1200 रुपये की दवाएं मंगवाईं।परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन देने के बाद गर्भवती की तबीयत बिगड़ती गई और अंततः नवजात की मौत हो गई। वहीं, नॉर्मल डिलीवरी के दौरान अस्पताल में न तो पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराई गई और न ही किसी डॉक्टर को बुलाया गया।परिजनों का कहना है कि डिलीवरी से पहले कराए गए अल्ट्रासाउंड में बच्चा स्वस्थ था और पेट में हरकत कर रहा था। बावजूद इसके स्टाफ नर्स ने दावा किया कि बच्चा चार दिन पहले ही गर्भ में मर चुका था। आरोप यह भी है कि नर्स ने अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट जबरन अपने पास रख ली और दस्तावेज तक नहीं दिए। यहां तक कि एक कागज पर अंगूठा भी लगवा लिया गया।एंबुलेंस की मांग करने पर 1000 रुपये मांगे गए, जिसके बाद परिजन निजी वाहन से प्रसूता और मृत नवजात को घर ले गए। इस पूरे मामले की जांच और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पीड़ित परिवार ने शिकायत दी है।स्टाफ नर्स मंजू त्रिपाठी ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।

स्वच्छ बस्ती, सुंदर बस्ती अभियान चलाकर किया जागरूक

बस्ती , 22 जून (तरूणमित्र)। सामाजिक संस्था बस्ती विकास समिति एवं छात्र युवा दल द्वारा जनजागरूकता अभियान के तहत एक कदम स्वच्छता की ओर ःस्वच्छ बस्ती, सूंदर बस्ती अभियानः चलाकर आज वार्ड नम्बर चार पाण्डेय बाजार में साफ सफाई कर लोगों को जागरूकता पर्चा देते हुए इधर उधर, सड़क पर कूड़ा करकट न फेकने का निवेदन किया गया।संस्थापक राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छ बस्ती सुंदर बस्ती अभियानः चलाने का मुख्य उद्देश्य बस्ती को स्वच्छ और सुंदर बनाना है। इस अभियान के तहत लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताकर जागरूक किया जा रहा है और उन्हें अपने आसपास के क्षेत्रों को साफ रखने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है।समिति उपाध्यक्ष अंकुर वर्मा ने कहा कि हमारा कोशिश है कि बस्ती को पूरे प्रदेश में स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर लाया जाये यह केवल एक कार्यक्रम नही बल्कि स्वच्छता के प्रति एक नई पहल है।छात्र युवा दल जिलाध्यक्ष पवन वर्मा ने कहा कि अभियान के तहत शहर के सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक स्थानों मे सफाई अभियान चलाया जा रहा है। शहर को साफ-सुथरा व प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए हमें अपने आस-पास की सफाई पर खुद ही सफाई होगा।

स्वस्थ हृदय तो स्वस्थ जीवन : डा पंकज

गोंडा , 22 जून (तरूणमित्र)। दिल का ख्याल रखना आपकी भी जिम्मेदारी है इसी भावना के साथ आज बग्गी रोड, धानेपुर गोंडा स्थित डॉ. रोज अली मेमोरियल हॉस्पिटल में निःशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव संस्थापक, जैनस इनीशिएटिव्य द्वारा किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में 250 लोगों को ईसीजी, ब्लड शुगर, बीपी जांच एवं निःशुल्क परामर्श की सुविधा प्रदान की गई।शिविर के मुख्य अतिथि अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी/जिला क्षय रोग अधिकारी ने कहा,ऐसे शिविरों से समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है। हृदय रोग जैसे गंभीर विषय पर समय रहते ध्यान देना आवश्यक है। बदलती जीवन शैली असंतुलित खानपान और तनावपूर्ण दिनचर्या के चलते युवाओं में दिल से जुड़ी बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं इस विषय पर लोगों को जागरूकता का अभाव है डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान समय में हृदय रोग केवल वृद्धावस्था की बीमारी नहीं रही, यह युवाओं में भी तेजी से फैल रहा है। इस कारण समय-समय पर जांच और जागरूकता अत्यंत जरूरी है।शिविर का उद्देश्य झ ग्रामीण व शहरी जनमानस को हृदय रोगों के प्रति जागरूक करना एवं प्राथमिक जांच की सुविधा सुलभ कराना। और लोगों को संदेशःदेना है कि स्वस्थ हृदय, स्वस्थ जीवन। समय रहते जांच कराएं और दिल का रखें विशेष ख्याल। रेड क्रॉस के मंडलीय प्रभारी कसिम सिद्दीकी ने कहा ऐसे आयोजन आगे की समस्या पर की जाती रहेंगे ताकि अधिक से अधिक लोग हृदय रोगों के बचाव के प्रति जागरूक हो सके डॉ एहसान ने बताया युवाओं में हृदय रोग की बढ़ती समस्या को देखते हुए समय पर जांच एवं जागरूकता अत्यंत आवश्यक है ।

अधेड़ की हत्या के एक आरोपित गिरफ्तार

गोरखपुर (मेडिकल कॉलेज) , 22 जून (तरूणमित्र)।गुलरिहा क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर दो मे बृहस्पतिवार की दोपहर खेत में मूंगफली बुवाई के दौरान पट्टीदार आपस में भीड़ गए थे। मारपीट में घायल छोटेलाल (50 वर्ष) की शनिवार की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर परिजन भटहट टिकरिया फोरलेन जाम कर दिया था। मामले में गुलरिहा पुलिस ने हत्या की धारा बढ़ाते हुए एक आरोपित सुरेश को गिरफ्तार कर ली। जिसे रविवार को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दी। वही अन्य दो आरोपित मारपीट में घायल है जिनका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है, एक आरोपित फरार चल रहा है।जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर दो टोला ढड़वनवा निवासी अरविंद प्रजापति का आरोप है कि बच्चों के विवाद को लेकर पट्टीदार निरहू,सुरेश,दिनेश व पिंटू गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे से मारपीट दिए। जिसमें उसके पिता छोटेलाल घायल हो गए। घायल का इलाज मेडिकल कालेज में चल रहा था। शनिवार की सुबह इलाज के दौरान छोटेलाल की मेडिकल कालेज में मौत हो गई। गुलरिहा पुलिस ने चार के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज की थी। पोस्टमार्टम के बाद शव मिलने पर परिजन आरोपितों की गिरफ्तारी व हत्या की धारा बढ़ाने की बात को लेकर भटहट-टिकरिया फोरलेन जाम कर दिया। पुलिस के आश्वाशन पर जाम खुलवाया जा सका। गुलरिहा पुलिस ने चारों आरोपितों के खिलाफ हत्या की धारा बढ़ाते हुए रविवार की सुबह एक आरोपित सुरेश प्रजापति को गिरफ्तार करते हुए आला कत्ल बरामद जेल भेज दी। आरोपित पक्ष के पिंटू व निरहू मारपीट में घायल है जिनका मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है। जबकि दिनेश फरार चल रहा है। वही दूसरे पक्ष के पिंटू का आरोप है कि बृहस्पतिवार को अपने खेत में मूंगफली बोने गए थे,पट्टीदार छोटेलाल,उसके दोनों बेटे अरविंद व राजेश समेत उमेश तथा गणेश जमीनी विवाद को लेकर लाठी डंडे से मारपीट दिए।

शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी का हुआ आयोजन

शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी दौरान मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष अजीत ने किया संबोधित

मोतीगंज (गोंडा) , 22 जून (तरूणमित्र)। सेवानिवृत शिक्षक इकबाल हसन की अध्यक्षता में बेलसर के जयनारायण सदन पर शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि ने उपस्थित समस्त सेवानिवृत्त शिक्षकों का माल्यार्पण कर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अजीत सिंह ने कहा कि शिक्षकों की विभिन्न समस्याएं जैसे पुरानी पेंशन बहाली, कैश लेस चिकित्सा सुविधा एवं समान कार्य के लिए समान वेतन की लड़ाई संगठन जारी रखेगा। उन्होंने आगे कहा कि आगामी 25 जून को प्रयागराज में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रदेश सम्मेलन एवं शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन किया गया है जिसमें प्रदेश स्तर की समस्याओं के साथ-साथ गोंडा जनपद की समस्याएं जैसे मंडल मुख्यालय पर उप शिक्षा निदेशक एवं संयुक्त शिक्षा निदेशक का पद सृजित करना तथा 1991 जनपद के पूर्व के आठ शिक्षकों का जिनका विनियमितिकरण अभी तक नहीं हो पाया है आदि समस्याओं को प्रदेश सम्मेलन में उठाया जाएगा। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक गोंडा से अपेक्षा किया कि आगामी जुलाई से प्रवेश के नाम पर छात्रों से किसी प्रकार की अवैध वसूली न हो तथा विद्यालयों में राजकीय प्रशासन की ही पुस्तक लगाई जाए जिससे छात्रों पर अतिरिक्त बोझ न आए। गोष्ठी को संबोधित करते हुए शिक्षक तेज प्रताप सिंह ने कहा कि संगठन के बल पर ही हम सभी को अच्छी पेंशन और सम्मान मिल रहा है उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित नवीन शिक्षकों से संगठन की मुख्य धारा से जुड़ने पर बल दिया। सेवानिवृत शिक्षक रामदास गुप्त ने कहा कि पूर्व में हम लोगों को नाम मात्र का वेतन मिलता था और शिक्षक बेचारा कहा जाता था आज संगठन के बदौलत हम शिक्षकों को सब कुछ मिला हुआ है। कार्यक्रम के दौरान समस्त शिक्षकों ने मुख्य अतिथि अजीत सिंह को जनपद स्तर पर शिक्षक हितों के लिए सदैव उत्कृष्ट कार्य करने पर उन्हें पुष्प माला अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अशोक कुमार ने किया। इस अवसर पर सेवानिवृत शिक्षक राजबहादुर सिंह, तेज प्रताप सिंह, ओमप्रकाश गुप्ता, जय सिंह बहादुर सिंह, रामफेर गुप्त, रामनारायण वर्मा, कृष्ण कुमार सिंह, धीरेंद्र कुमार सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, मोहम्मद यूनुस, जय नारायण सिंह, मोहम्मद इसरार, मनोज कुमार गुप्ता, मो. हनीफ, आदित्य गुप्ता, प्रशांत दुबे, सिद्धांत सोनी डॉक्टर अब्दुल हमीद, राज किशोर सिंह कल्पना शास्त्री आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

देवरिया, 22 जून (तरूणमित्र)। जिला कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक पार्टी कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने की। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कहा कि कांग्रेस में हर जाति-वर्ग के समर्पित कार्यकताओं की बड़ी टोली है। संगठन सृजन अभियान के तहत हमारा फोकस जिला से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है। कांग्रेस पृष्ठभूमि वाले लोगों को ज्यादा तरजीह देने की बात कही और बेदाग,संघर्षशील, समर्पित कैडर में से ही पदाधिकारियों को चुना जायेगा जो बेहतर परिणाम आगे दे सकें। कहा कि बूथ से जिला स्तर तक पार्टी संरचना को पुनर्जीवित करने के लिए शुरू किया गया अभियान पारदर्शी, समावेशी और विचारधारा आधारित कांग्रेस पार्टी में संगठन से जुड़े सामाजिक और जन-स्वीकार्यता के आधार पर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया जायेगा।इसी क्रम में आज जिला कांग्रेस कार्यालय पर जन सूचना अधिकार उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त प्रदेश महासचिव नौशाद खान एपी का देवरिया प्रथम आगमन पर फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत प्रदेश महासचिव ने कहा कि कांग्रेस ने आज एक कार्यकर्ता को सम्मान देकर कार्यकताओं के मनोबल को ऊंचा करने का काम किया है।

विश्वास और भरोसा... इन दो शब्दों के साथ जीते हैं यशस्वी जायसवाल, टैटू से हुआ खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया ने शानदार शुरुआत की है. मैच के पहले दिन भारतीय टीम ने तीन विकेट खोकर 359 रन बना लिए हैं. कप्तान शुभमन गिल 127 और उप कप्तान ऋषभ पंत पहले दिन 65 रन बनाकरनाबाद रहे. इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने शतक ठोकर इंग्लिश गेंदबाजों को चौंका दिया. उन्होंने 101 रनों की शानदार पारी खेली. इस दौरान उनको लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है. उनके शरीर पर बने टैटू ने उनके जीवन से जुड़े अहम पलों को दुनिया के सामने लाकर रख दिया है. टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 159 गेंदों में 16 चौकों और एक छक्का की मदद से 101 रनों की पारी खेली. इंग्लैंड में यशस्वी का ये पहला शतक है. इस दौरान यशस्वी के शरीर पर बने टैटू को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है. उन्होंने अपने दोनों हाथों पर तारीख के साथ कुछ लिखवाए हैं. इन तारीखों का इस सलामी बल्लेबाज के जीवन से अहम कनेक्शन है.

16 अक्टूबर 2019 को उन्होंने झारखंड के खिलाफ लिस्ट ए टूर्नामेंट में 203 रन की पारी खेली थी. इससे यशस्वी को भरोसा हुआ कि वे दुनिया के बेस्ट बल्लेबाजों के बीच बल्लेबाजी कर सकते हैं. वहीं सात मई 2022 को उन्होंने IPL में राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ 68 रन की पारी खेली थी और पहला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीता था. इससे उनका अपने ऊपर विश्वास बढ़ा था.

यशस्वी ने बताई वजह

टीम इंडिया के इस बल्लेबाज ने अपने शरीर पर भी टैटू गुदवा रखे हैं. यहां उन्होंने IPL, रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी डेब्यू की तारीखों को लिखवा रखा है. एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया था कि मैंने इन्हें अपने हाथ पर स्थायी रूप से लिखवाने का फैसला किया. मेरे लिए खुद पर भरोसा और विश्वास काफी जरूरी है. ये मुझे याद दिलाते हैं कि मैं क्या हूं और क्यों मुझे हमेशा खुद पर ट्रस्ट और विश्वास करना चाहिए. अब मेरे जीवन के लिए ये दोनों शब्द काफी अहम हैं. उन्होंने बताया कि मई 2022 के बाद से उनके जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया. उन्होंने कहा कि अन्य खिलाड़ियों की तरह मैं भी अच्छा करना चाहता था, लेकिन कहीं न कहीं खुद पर विश्वास कम था. जब मैं नाकाम होता था तो खुद से पूछा करता था कि क्या इस काबिल हूं या नहीं?

भूटिया के आरोप बेबुनियाद, एआईएफएफ की छवि खराब कर रहे - कल्याण चौबे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। भूटिया के लगाए आरोपों के बाद कल्याण चौबे ने उन्हें एआईएफएफ की 2 जुलाई को होने वाली बैठक में आमंत्रित किया है। बाइचुंग भूटिया को 2022 में एआईएफएफ के अध्यक्ष के चुनाव में कल्याण चौबे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद भूटिया उनके आलोचक रहे हैं। हाल के दिनों भारतीय फुटबॉल टीम का प्रदर्शन खराब रहा है, जिसके बाद वह और ज्यादा आक्रामक हो गए हैं। कल्याण चौबे ने कहा, हम दो नारों में विश्वास करते हैं - पहला फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है और दूसरा भारतीय फुटबॉल, एक साथ आगे बढ़ें। ये नारे हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि एक साथ काम करके हम भारतीय फुटबॉल को और ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहां हर नागरिकों को बोलने की स्वतंत्रता का संवैधानिक अधिकार है। एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में बाइचुंग भूटिया के पास अपने विचार व्यक्त करने, चिंताओं को उठाने और विभिन्न एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठकों में भारतीय फुटबॉल के विकास और प्रदर्शन की दिशा में रचनात्मक योगदान देने के लिए एक उपयुक्त और सशक्त मंच तक पहुंच है। उन्हें 2 जुलाई की बैठक में बुलाया गया है। चौबे ने कहा कि यह देखा गया है कि सितंबर 2022 के चुनावों में हार के बाद से बाइचुंग भूटिया ने लगातार और जानबूझकर एआईएफएफ पर निराधार आरोप लगाए हैं और महासंघ की विकृत छवि पेश की है। इस तरह की हरकतें न केवल महासंघ की प्रतिष्ठा को धूमिल करती हैं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय फुटबॉल पर नकारात्मक रौशनी में भी डालती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय फुटबॉल की विकास और बेहतरी के लिए एआईएफएफ हमेशा भूटिया के रचनात्मक सुझावों का स्वागत करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अधिकांश कार्यकारी समिति की बैठकों में, उनका योगदान मुख्य रूप से ठोस प्रस्ताव पेश करने की बजाय पूरे बोर्ड द्वारा सामूहिक रूप से लिए गए निर्णयों का विरोध करने पर केंद्रित रहा है। कल्याण चौबे ने 13 जून को दिल्ली के प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बाइचुंग भूटिया द्वारा संचालित वाणिज्यिक फुटबॉल अकादमियों की सीरीज की आलोचना की थी और फुटबॉल स्कूलों पर परिवारों की भावनाओं से खेलकर अनुचित लाभ उठाने का आरोप लगाया था। कल्याण चौबे द्वारा लगाए आरोपों का बाइचुंग भूटिया ने शुक्रवार को जवाब देते हुए कलकत्ता जर्नलिस्ट्स क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, एआईएफएफ एक सर्कस में बदल गया है और कल्याण चौबे जोकर की तरह कार्य कर रहे हैं।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्टः

लीड्स में ऋषभ पंत ने धोनी का रिकॉर्ड किया ध्वस्त, इंग्लैंड में रचा इतिहास

भारत की पहली पारी 471 पर सिमटी

लीड्स, एजेंसी। इंग्लैंड के लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों का जलवा लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। पहले दिन यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल ने बेहतरीन शतक लगाकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। वहीं, दूसरे दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ऐतिहासिक शतक जड़ा। पंत ने दूसरे दिन के पहले ही सत्र में 146 गेंदों पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। यह तीसरी बार है जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में छक्के से शतक पूरा किया है। दिलचस्प बात यह है कि तीनों बार उन्होंने इंग्लैंड के ही स्पिन गेंदबाजों–आदिल राशिद, जो रूट और शोएब बशीर की गेंद पर यह कारनामा किया है। यह पंत का टेस्ट करियर का सातवां शतक है।

तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

इस शतक के साथ ऋषभ पंत ने महेंद्र सिंह धोनी का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पंत अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए हैं। धोनी ने अपने करियर में 90 टेस्ट मैचों में 6 शतक लगाए थे, जबकि पंत ने सिर्फ 44 टेस्ट मैचों में ही 7 शतक पूरे कर लिए हैं। यह पंत का इंग्लैंड की सरज़मीं पर तीसरा टेस्ट शतक है और SENA देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में कुल मिलाकर उनका पांचवां शतक है। इससे साफ जाहिर होता है कि विदेशी पिचों पर उनका बल्ला खूब बोलता है।

कभी बिस्किट के पैकेट के लिए खेला करते थे जावेद हुसैन, आज रग्बी प्रीमियर लीग में हैं नंबर-1 भारतीय

मुंबई, एजेंसी। रग्बी प्रीमियर लीग-2025 (आरपीएल) के एक हफ्ते में हैदराबाद हीरोज अपने सभी चार मैच जीत चुकी है। टीम 15 प्वाइंट्स के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। हैदराबाद हीरोज की सफलता का श्रेय काफी हद तक जावेद हुसैन को जाता है, जिनका सफर असाधारण रहा है। चार मुकाबलों में 20 प्वाइंट्स के साथ जावेद प्वाइंट्स टेबल में सातवें पायदान पर हैं। वह इस सीजन लीग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले भारतीय हैं। नई दिल्ली के वसंत कुंज में रहने वाले जावेद एक बहुत ही साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। झुग्गी में पले-बढ़े जावेद के

घर के पीछे एक जंगल था, जहां उन्हें मजबूरन शौच के लिए जाना पड़ता था, क्योंकि उनके घर शौचालय नहीं था। धीरे-धीरे एक एनजीओ (अर्थ फाउंडेशन) आया, जिसने जंगल को साफ करते हुए यहां एक मैदान बनाया। दिल्ली हरिकेंस रग्बी क्लब के कोच एनजीओ के सहयोग से यहां आए और बच्चों को ट्रेनिंग देनी शुरू की। जावेद वहां अपने दोस्तों को खेलते हुए देखा करते थे, लेकिन यह खेल उनकी समझ में नहीं आ रहा था। इसके साथ ही वह खुद से बड़े बच्चों से डरते थे। एक दिन कोच ने जावेद को देखा और कहा कि वह ट्रेनिंग के बाद उन्हें टाइगर बिस्किट का पैकेट देंगे। ...फिर क्या था, बिस्किट के लालच में जावेद ने रग्बी खेलना शुरू कर दिया। शुरुआत में जब जावेद खेलते थे, तो परिवार के पास ज्यादा पैसे नहीं होते। इसके बावजूद उनके पिता ने बेटे के लिए हर संभव कोशिश की।

40 साल की उम्र में फॉफ डुप्लेसिस ने ठोका टी20 करियर का 7वां शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। मेजर लीग क्रिकेट 2025 के 10वें मैच में टेक्सास सुपर किंग्स के कप्तान फॉफ डुप्लेसिस का बल्ला सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के

खिलाफ जमकर गरजा। डुप्लेसिस ने इस मैच में टीम के लिए कप्तानी पारी खेलते हुए शतक लगाया और पहले बैटिंग करते हुए सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 198 रन बनाए। इस मैच में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के कप्तान मैथ्यू शॉर्ट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

इस मैच में सुपर किंग्स के कप्तान डुप्लेसिस ने अपना शतक 50 गेंदों पर पूरा किया और 51 गेंदों पर 100 रन की पारी खेली। सुपर किंग्स के लिए इस सीजन में ये उनका पहला शतक रहा जबकि अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 7 छक्के और 6 चौके भी लगाए। उनका स्ट्राइक रेट इस दौरान 196.08 का रहा। ये डुप्लेसिस के टी20 क्रिकेट करियर का 7वां शतक रहा जो उन्होंने 40 साल की उम्र में लगाया। अपना 7वां शतक उन्होंने 417वें टी20 मैच में लगाया।

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के खिलाफ मैच में डुप्लेसिस ने डेवोन कॉनवे के साथ पारी की शुरुआत की और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 97 रन की अच्छी साझेदारी भी हुई। हालांकि कॉनवे ने सिर्फ 23 रन की पारी खेली, लेकिन कप्तान डुप्लेसिस दूसरे छोर से रन बरसाते नजर आए। सैतेजा मुक्कामल्ला ने 24 गेंदों पर 38 रन की तेज पारी खेली जबकि मार्कस स्टोइनिस एक रन पर आउट हो गए। इसके बाद डेरिल मिचेल 10 रन जबकि केल्विन सैवेज 19 रन बनाकर नाबाद रहे।

वियतनाम में अंडर-23 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिलाओं ने ट्रॉफी जीती

वुंग ताऊ (वियतनाम), एजेंसी । भारतीय महिला अंडर-23 पहलवानों ने वर्तमान में वुंग ताऊ (वियतनाम) में चल रही अंडर-23 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश को

गौरवान्वित किया, उन्होंने कुल 10 पदक जीते। कौशल और दृढ़ संकल्प के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, भारतीय महिला कुश्ती टीम ने सभी 10 भार वर्गों में पदक हासिल करते हुए चैंपियन ट्रॉफी जीती - चार स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य। 50 किलोग्राम वर्ग में प्रियांशी प्रजापत, 55 किग्रा वर्ग में रीना, 68 किग्रा में सृष्टि और 76 किग्रा भार वर्ग में प्रिया ने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीते। नेहा शर्मा ने 57 किग्रा में रजत पदक, प्रगति ने 62 किग्रा में रजत पदक, शिक्षा ने 65 किग्रा में रजत पदक, तन्वी ने 59 किग्रा में रजत पदक और ज्योति बेरवाल ने 72 किग्रा में रजत पदक जीता। हिनाबेन खलीफा ने 53 किग्रा में कांस्य पदक जीता।

जिंबाब्वे टेस्ट सीरीज से टेंबा बावुमा बाहर

केशव महाराज करेंगे कप्तानी

जोहान्सबर्ग , एजेंसी। हाल ही में साउथ अफ्रीका को अपनी कप्तानी में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले टेंबा बावुमा जिंबाब्वे के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह स्पिन गेंदबाज केशव महाराज कप्तानी करेंगे।

टेंबा बावुमा बाएं टखने में खिंचाव की वजह से जिंबाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए हैं। यह इंजरी उन्हें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान ही हुई थी, हालांकि तब उन्होंने इंजरी के साथ बैटिंग की थी और दूसरी पारी में 66 रन बनाकर टीम को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान टेंबा बावुमा बाएं पैर में हैमस्ट्रिंग खिंचाव के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। बावुमा को लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोट लगी थी। चोट की गंभीरता का आंकलन करने के लिए उनका स्कैन किया जाएगा। उनकी अनुपस्थिति में केशव महाराज टीम की कप्तानी करेंगे। यह दो साल से कम समय में बावुमा की तीसरी हैमस्ट्रिंग इंजरी है। इससे पहले 2023 वनडे विश्व कप के दौरान चोट लगी थी। इंजरी के साथ वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल खेले थे। भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान भी उन्हें चोट लगी थी। उन्हें बार-बार कोहनी की समस्या भी होती है। वह अक्सर अपनी बाईं कोहनी पर भारी पट्टी बांधकर खेलते हैं। जिंबाब्वे सीरीज से दक्षिण अफ्रीका विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-2027 के चक्र की शुरुआत करेगा। जिंबाब्वे के खिलाफ सीरीज 28 जून से शुरू हो रही है। दक्षिण अफ्रीका ने जिंबाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने कई खिलाड़ियों को आराम दिया है। इसमें एडेन मार्करम और कैगिसो रबाडा शामिल हैं। लुंगी एनगिडी केवल दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे। पांच नए खिलाड़ियों को मौका दिया गया है।

जिंबाब्वे सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम इस प्रकार है:

डेविड बेडिंघम, मैथ्यू ब्रीट्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, कॉर्बिन बॉश, टोनी डी जोरजी, जुबैर हमजा, केशव महाराज (कप्तान), क्वेना मफाका, वियान मुल्डर, लुंगी एंगिडी (सिर्फ दूसरा टेस्ट), लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रेयन, काइल वेरिन, कोडी यूसुफ।

तेंदुलकर, गांगुली की सोशल मीडिया पर हल्की-फुल्की नोकझोंक ने प्रशंसकों को हंसाया

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली ने सोशल मीडिया पर हल्की-फुल्की नोकझोंक की, क्योंकि उन्हें 2002 में अपने शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन की याद आ गई, जब भारत ने शुक्रवार को लीड्स में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के पहले दिन 359/3 का स्कोर बनाया। भारत नए कप्तान के नेतृत्व में खेल रहा है और बल्लेबाजी क्रम में रोहित शर्मा और विराट कोहली की मौजूदगी सुनिश्चित नहीं थी, लेकिन मेहमान टीम ने यशस्वी जायसवाल (101) और शुभमन गिल (नाबाद 127) के शतकों और ऋषभ पंत (नाबाद 65) के शानदार नाबाद अर्धशतक की बदौलत सीरीज में मजबूत शुरुआत की।

कुछ प्रशंसकों ने तेंदुलकर और गांगुली को 2002 में हेडिंग्ले में भारत की शानदार बल्लेबाजी की याद दिलाई, जब उन्होंने चौथे विकेट के लिए 249 रनों की साझेदारी की थी। तेंदुलकर ने 303 गेंदों पर 193 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि गांगुली ने 128 रन बनाए। राहुल द्रविड़ के 148 रनों की मदद से तीन भारतीय बल्लेबाज तीन अंकों के आंकड़े तक पहुंचे, जबकि सलामी बल्लेबाज संजय बांगर ने 68 रनों का योगदान दिया।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उनकी शानदार साझेदारी और लीड्स में तीन शतकों के बारे में एक पोस्ट के जवाब में, तेंदुलकर ने फिंगर्स-क्रॉस इमोजी के साथ जवाब दिया। इसके बाद गांगुली ने तेंदुलकर को अपने जवाब के साथ बात को आगे बढ़ाया। गांगुली ने अपने पोस्ट में लिखा, हाय चैंप...इस बार यह 4 हो सकता है...इस अच्छी सतह पर...पंत और शायद करुण...2002 में पहले दिन की सतह...इससे थोड़ी अलग थी...।

उनके जवाब ने प्रशंसकों को हंसा दिया और उनमें से कुछ ने कहा कि मौजूदा टीम में इस तरह की बॉन्डिंग की जरूरत है।

क्लब विश्व कपः

बायर्न ने बोका को हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया

मियामी, एजेंसी। बायर्न म्यूनिख ने शुक्रवार को बोका जूनियर्स पर 2-1 की शानदार जीत के साथ क्लब विश्व कप में अपने यूरोपीय गौरव को फिर से जगाया, एक तनावपूर्ण और कड़े संघर्ष के बाद अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की की। बोका समर्थकों से भरी एक उत्साही भीड़ के सामने - जिन्होंने हार्ड रॉक स्टेडियम को एक मिनी बॉम्बोनेरा में बदल दिया - अर्जेंटीना की टीम ने जी-जान से लड़ाई लड़ी। लेकिन खेल के अंत में बायर्न का दृढ़ संकल्प प्रबल हुआ।

हैरी केन ने पहले हाफ की शुरुआत में जर्मन चैंपियन के लिए गोल किया, लेकिन बोका ने मिगुएल मेरेंटिएल के माध्यम से वापसी की। खेल अधर में लटकने के साथ, माइकल ओलिस ने देर से विजयी गोल करके बायर्न को छह अंकों के साथ ग्रुप सी में शीर्ष पर पहुंचा दिया, जो बेनफिका से दो अंक आगे है। बोका, केवल एक अंक के साथ, दौड़ में बना हुआ है और अपने अंतिम ग्रुप मैच में ऑकलैंड सिटी का सामना करेगा, जबकि बायर्न का सामना बेनफिका से होगा। यह जीत यूरोपीय क्लबों के लिए समय पर मिली बढ़त थी, जो हाल ही में टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे थे, जिसमें पोर्टो, पीएसजी और चेल्सी सभी हार का सामना कर रहे थे। मैच में बहुत जोश देखने को

मिला, खासकर दूसरे हाफ में, जब बोका ने बहुत दबाव बनाया और बायर्न की लय को शारीरिक, तेज गति वाले फुटबॉल से बाधित किया। बायर्न ने अच्छी शुरुआत की और सोचा कि वे आगे निकल गए हैं, जब ओलिस के कर्लिंग कॉर्नर ने नेट पाया, लेकिन गोलकीपर पर फाउल के कारण वीएआर ने गोल को खारिज कर दिया। सफलता 18वें मिनट में मिली, जब एक डिफ्लेक्टेड क्लीयरेंस केन के पास आया, जिन्होंने कोनराड लैमर के क्रॉस के बाद शांतचित्त होकर निचले कोने में गोल किया - ऑकलैंड सिटी के खिलाफ 10-0 की जीत में स्कोरलैस रहने के बाद टूर्नामेंट का उनका पहला गोल। बायर्न ने जल्द ही अपनी बढ़त को दोगुना कर लिया, क्योंकि सर्ज गनब्री ने गेंद को गोल के सामने भेजा, लेकिन किंग्सले कोमन ने इसे टैप करने का सुनहरा मौका गंवा दिया।

दूसरी तरफ, मैनुअल नेउर ने केविन जेनन को रोकने के लिए दो बेहतरीन बचाव किए, जबकि बोका ने लगातार खतरा पैदा किया। ब्रेक के बाद, बोका ने अपने प्रयासों को तेज कर दिया, अपने अथक दबाव और जोशीले टैकलिंग से बायर्न को परेशान कर दिया। दबाव 66वें मिनट में काम आया जब मेरेंटियल को दाईं ओर से खेला गया, जोसिप स्टैनिसिक को पीछे छोड़ दिया.